RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015
Despatch Date - 02 November, 2015

अंक - 06 (मासिक) वर्ष - 11 नवम्बर, 2015 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

FREE
REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

पंजीयन आमंत्रित
श्री माहेश्वरी मेलापक-2015
(द्वितीय संस्करण)

Sumeet INDUSTRIES LIMITED
Manufacturers & Exporters

Aiding **Progress** **Striding** towards Success...

Shankarlal Somani
Chairman Cum Managing Director

Spinning the Story of Success

PET CHIPS

FDY

POY

SUMEET INDUSTRIES LTD. : 504, Trividh Chamber, Opp. Fire Station, Ring Road, SURAT.
Ph. No. 0261 – 2328902, Fax. No. 0261 – 2334189
Email: sumeetindus@yahoo.com Website: www.sumeetindustries.com

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-6 ▸▸ नवम्बर, 2015 ▸▸ वर्ष-11

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)

अतिथि सम्पादक
मोहन किशोर बाहेती (कर्नाटक)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

हजारों हजार दीये जलाएँ
अपनी और अपने परिवार की
समृद्धि के लिए
एक दीया जरूर जलाएँ
इस महान् देश एवं समाज की
एकता, अखण्डता और संस्कृति के लिए.

दीपपर्व पर हार्दिक मंगलकामनाएं

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

दीप ज्योति नमोस्तुते

रोशनी, हंसी-खुशी उल्लास के पर्व दीपावली पर आप सभी का अभिनंदन और नववर्ष की आत्मीय शुभकामनाएं। दीपावली भारतीय नववर्ष का आगाज है। इसी पर्व का सबकों पूरे साल इंतजार रहता है। साल भर में पर्व-त्यौहार तो कई आते हैं और उत्सव भी मनाए जाते हैं, लेकिन तो तल्लीनता और तैयारी दीपावली पर दिखाई देती है,वह अन्य किसी पर्व-त्यौहार पर नहीं दिखती। कारण स्पष्ट है, यह पर्व खुशनुमा मौसम में आता है, जिससे मन में उल्लास रहता है। पर्व का संबंध महालक्ष्मी पूजा से जोड़ने से तैयारी में तल्लीनता स्वतः बढ़ जाती है। यही कारण है कि हम प्रफुल्लित मन से यह पर्व मना पाते है। जीवन में दीपावली की यही प्रासंगिकता है। जब नए सिरे से किसी भी कामकाज की शुरूआत करें, उसमें दीपावली जैसी तैयारी होना चाहिए। मन को हर तरह की उदासीनता से झाड़-पौछ कर साफ कर डालें। उजले मन से किया गया काम निश्चित ही सफल होगा। हमें जिंदगी के सवालों के जवाब देने के लिए कहीं और जाने की जरूरत नहीं है, हमारी संस्कृति और परंपराओं से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। पर्व-त्यौहारों की गरिमा इसलिए कम हो गई कि हम उनका उद्देश्य भूल गये। आडंबरों में लिपटी संस्कृति का मूल भाव जब तक हम नहीं जानेगें, तब तक उसे मन से नहीं अपना सकते। दीपावली पर एक दूसरे की देहरी पर दिया जलाकर शुभकामनाएं देने जैसी संस्कृति विश्व में दूसरी नहीं है। एक दिये के साथ हम अपने पड़ोसी को प्यार, विश्वास और अपनत्व के साथ सहअस्तित्व की वह भावना भी दे आते हैं, जिसकी विश्व को आज सबसे ज्यादा जरूरत है।

मैं चर्चा इस गंभीर समस्या पर करना चाहता हूं, जो इन दिनों उन परिवारों के लिए ज्यादा जरूरी है, जिनके यहां विवाह योग्य बच्चे हैं। मैरिज ब्यूरो के नाम से ठगी, लूट करने वालों से सावधान रहने की जरूरत है। अच्छे रिश्ते की चाह में अनभिज्ञ मैरिज ब्यूरो संचालकों के जाल में फँसे परिवारों को बहुत कुछ भुगतना पड़ता है। आए दिन होने वाली इस तरह की ठगी की घटनाओं के बावजूद यह सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा। हमारी पाठकों से यही गुजारिश है कि वे समाज के मान्यता प्राप्त परिचय सम्मेलन में ही भागीदारी करें और मैरिज ब्यूरो से संपर्क रखें। समाज के अगले परिचय सम्मेलन वृंदावन और जोधपुर में होने जा रहे हैं। श्री माहेश्वरी टाइम्स की मेलापक का प्रकाशन भी हो चुका है, जो आपको हर तरह से मदद देगा। नए साल में आपके घर भी मांगलिक उत्सव हो ऐसी हमारी शुभकामनाएं हैं।

यह अंक हमेशा की तरह कई रंगों, शब्द फुलझड़ियों, पटाखों के साथ आपके हाथों में समर्पित है। सभी स्थायी स्तंभों और रोचक, ज्ञानवर्द्धक पठनीय सामग्री को सहेजने का प्रयास किया है। अंक के बारे में अपनी राय अवश्य बताऐं।

जय महेश !

पुष्कर बाहेती

सिर्फ "लक्ष्मी" नहीं बल्कि "सुलक्ष्मी" की करें कामना

डांडेली (कर्नाटक) में निवासरत प्रतिष्ठित व्यवसायी व ख्यात समाजसेवी श्री मोहन किशोर बाहेती का जन्म 20 जून 1953 को खंडवा (म.प्र.) में श्री जुगलकिशोर बाहेती के यहाँ हुआ। यहीं से बी.काम. तक शिक्षा ग्रहण की और नौकरी की जगह स्व-व्यवसाय का संकल्प लेकर कपड़ा व्यवसाय से जुड़ गये। इसके पश्चात् आपने अपना कर्मक्षेत्र बदलते हुए डांडेली (कर्नाटक) को अपनी कर्मभूमि बना ली। यहाँ के कपड़ा व्यवसाय में आप एक अत्यंत प्रतिष्ठित नाम हैं। व्यावसायिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ ही आप वर्ष 1974 से स्थानीय माहेश्वरी मंडल के सदस्य के रूप में समाजेसवा से भी सक्रिय रूप से सम्बद्ध हो गये। इसी संगठन में आपने उपाध्यक्ष व सचिव पद की जिम्मेदारियों का भी निर्वहन किया। कर्नाटक-गोवा प्रदेश माहेश्वरी सभा में वर्ष 2010-11 में संगठन मंत्री रहे एवं वर्तमान में भी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सेवा दे रहे है। वर्ष 2013 से अ.भा. माहेश्वरी महासभा से कार्यसमिति सदस्य के रूप में भी सम्बद्ध हैं। राजस्थानी सेवा संगठन को संरक्षक के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। आप राजनीति में भी सक्रिय रूप से कांग्रेस से सम्बद्ध हो अपनी सेवा दे रहे हैं।

सर्वप्रथम मैं समस्त सम्मानीय पाठकों को दीपपर्व "दीपावली" की हार्दिक शुभकामनाऐं देता हूँ। भगवान महेश व सिद्धिदात्री माता महालक्ष्मी से कामना करता हूँ कि वे सभी पर प्रसन्न हों सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य व सद्गुणों से परिपूरित करें।

दीपावली पर्व तो हम वर्षो से मनाते आऐं हैं और मनाते भी रहेंगे। लेकिन इसकी पूर्णता तभी है, जब हम इसके पीछे छुपे गूढ़ार्थ को समझें। दीपावली पर्व अमावस्या को मनाया जाता है। ऐसे में दीप जलाकर हम अंधकार पर प्रकाश का विजय पर्व मनाते हैं। वास्तव में देखें तो अंधकार प्रतीक है, जीवन में व्याप्त निराशा व बुराइयों का। जब तक ये हैं, तब तक सुख-समृद्धि की प्रतीक "महालक्ष्मी" का आगमन नहीं हो सकता। अतः सबसे पहलें अंधकार रूपी इसी नैराश्य व बुराइयों को दूर करना होगा और यह सिर्फ अपने मन में आशा व सद्गुणों के दीप जलाकर ही किया जा सकता है। जब हम ऐसा करने में सफल होंगे, तो सुख-समृद्धि स्वतः ही चली आऐगी।

यह विडंबना है कि वर्तमान दौर में लक्ष्मी का अर्थ सिर्फ धन-सम्पदा ही हो गया है। इसी के कारण इस पर्व का उद्देश्य भी इसी की कामना का पर्व बन कर रह गया है। याद रखें लक्ष्मी भी दो प्रकार की होती हैं, सुलक्ष्मी व कुलक्ष्मी। सुलक्ष्मी वह है, जो सद्मार्ग से प्राप्त होती है और उसका उपयोग भी सभी के कल्याण के लिये होता है। कुलक्ष्मी भी सम्पत्ति तो लाती है, लेकिन वह गलत मार्ग से। इसक साथ ही ऐसी सम्पत्ति सिर्फ स्व उपभोग की वस्तु मात्र बनकर रह जाती है। जिसमें लोक कल्याण की भावना न हो, वह कुलक्ष्मी ही है। ऐसी लक्ष्मी चाहे उपभोग के बड़े-बड़े आकर्षक साधन उपलब्ध करवा दे, लेकिन सुख की इससे कामना करना निर्मूल है। कुलक्ष्मी अपने साथ चारित्रिक व सांस्कृतिक पतन तथा रोग सहित कई कष्टों को लेकर आती है। यदि कुलक्ष्मी से प्राप्त वैभव का उपभोग किया है, तो इन कष्टों को भी सहना तो पड़ता ही है।

इस पावन अवसर पर मैं समस्त समाजजनों व समाज के संगठनों से भी समस्त प्रकार के द्वेषों को भुलाकर समाज के उत्थान की दिशा में कदम उठाने की अपील करता हूँ। यह विडंबना है कि लक्ष्मीपतियों का समाज कहे जाने वाले इस माहेश्वरी समाज में भी भारी आर्थिक विषमता है। यदि समाज देश व विश्व के औद्योगिक जगत में शीर्ष पर है, तो इसी समाज का एक वर्ग भारी आर्थिक परेशानियों से भी जूझ रहा है। अतः इस पावन पर्व पर समाज के समस्त समर्थजनों व समाज संगठनों से अपील करता हूँ कि वे अपनी लक्ष्मी को सुलक्ष्मी बनाने का संकल्प लें। अपनी आय का यदि एक छोटा से हिस्सा भी समाज के ऐसे वर्गो के उत्थान की योजनाओं पर खर्च होगा, तो आपकी लक्ष्मी, सुलक्ष्मी बनने में देर नहीं लगेगी। इससे जो आत्म संतोष व आनंद प्राप्त होगा, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। समाज संगठनों से भी अनुरोध करना चाहूँगा कि वे वास्तविक के धरातल पर आकर ऐसी योजनाऐं बनाऐं, जो समाज के उत्थान व उसके सांस्कृतिक विकास में सहयोगी बन सकें।

अंत में पुनः सभी को दीपावली पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाऐं।

मोहन किशोर बाहेती
अतिथि सम्पादक

श्री अटल सच्चियाय माताजी

> श्री अटल सच्चियाय माताजी को अटल, मारोठिया एवं गोठणीवाल आदि खांप एवं नख वाले मानते हैं।

नागौर जिलान्तर्गत नागौर तहसील के ही शंखवास नामक गांव में माताजी का स्थान है। मन्दिर का निर्माण लगभग 1400 वर्ष प्राचीन बताया जाता है। किन्तु कालान्तर में मूर्ति के चोरी हो जाने से हैदराबाद के श्री कन्हैयालाल अटल ने लगभग 50 वर्ष पूर्व दूसरी मूर्ति स्थापित की है, जो आकर्षक व दर्शनीय है । पूर्व समय में स्थापित मूर्ति पीले पत्थर की थी। इसी मन्दिर में माहेश्वरी समाज की सहमति से ही कुछ वर्षों पूर्व सच्चियाय माताजी की ही एक अन्य मूर्ति सांखला राजपूतों ने भी स्थापित की है। राजपूतों में सांखला व पंवार इन्हें बड़ी श्रृद्धा से पूजते हैं। मध्यप्रदेश व राजस्थान में सांखला, पंवार (राजपूत) अपने जात जडूला कर्म के लिए यहीं आते हैं। गांव में 5 परिवार अटल व 16 परिवार हेड़ा खांप के वर्तमान में निवासरत् हैं।

इतिहास का झरोखा

मुख्य मन्दिर के चारों ओर की दीवारों पर विभिन्न देवी-देवताओं के भित्ति चित्र अभी-भी अंकित हैं किन्तु ऐतिहासिक तथ्य यह है कि लगभग समस्त भित्ति चित्र व प्रतिमाओं को आततायी मुगल शासक औरंगजेब के सेनापति मीरखाँ ने खण्डित कर अपूजनीय बना दिया था। मंदिर तंवर राजपूतों का बनाया हुआ है। यह वर्षों से अन्य समाज के आधिपत्य में था, जो लम्बी कानूनी लड़ाई के पश्चात 2007 में समाज को सौंपा जा चुका है। मन्दिर से ही सटा हुआ लगभग 4000 स्क्वेयर फीट का माताजी का पोल नामक परिसर भी इसी आधिपत्य का हिस्सा है। मन्दिर के एक अन्य भाग में शीतला माता की प्रतिमा भी विराजित है। जहाँ सम्पूर्ण गाँववासी शीतला सप्तमी का पूजन करते हैं।

पूजन एवं उत्सव

मन्दिर में प्रतिदिन पूजन व आरती आदि नियुक्त महिला पुजारिन करती हैं जो बाहर से आने वाले परिवारों की भेंट व नगरवासियों के अन्नादि सहयोग पर आश्रित है । नवरात्रि में जागरण कर ग्रामवासी अपने परिवारों से मिष्ठान्न आदि लाकर भोग लगाते हैं । माहेश्वरी परिवार नित्य दर्शन के भी अभ्यस्त हैं ।

कहाँ ठहरें

छोटा स्थान होने के बावजूद सर्व सुविधायुक्त माहेश्वरी भवन एवं कलंत्री भवन हैं। इन दो स्थानों के अतिरिक्त स्थानीय निवासियों के लम्बे-चौड़े आवास भी हैं। दोनों भवनों में वर्तमान में निजी सेकण्डरी स्तरीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

प्रमुख शहरों से दूरी

मारवाड़ मूण्डवा	22 कि.मी.	मेड़ता सिटी	40 कि.मी.
नागौर	40 कि.मी.	खींमसर	40 कि.मी.
जोधपुर	105 कि.मी.	अजमेर	155 कि.मी.
जयपुर	360 कि.मी.		

प्रमुख सम्पर्क बिन्दू

- **श्री भीकमचन्द अटल**
  ग्राम शंखवास तह. जिला नागौर (राज.)
  फोन- 01584-285006, मो.- 09413682606
- **श्री प्रहलाद मण्डोवरा**
  बी-25, पं. प्रेमनाथ डांगरा नगर,
  रतलाम (म.प्र.)
  फोन- 07412-263159 मो.- 09329032320

विशेष- पृथक् जानकारी के अभाव में अटलजन औसियाँ ही जाते थे किन्तु अब जानकारी प्राप्त होने पर दूर-दूर से अटल बन्धु शंखवास ही पधारते हैं।

कैसे पहुंचें

अजमेर से मेड़ता रोड़ (75 किमी.) आकर सीधे शंखवास (40 किमी.) सड़क मार्ग से भी जाया जा सकता है।

खेल महोत्सव से करेंगे नववर्ष का स्वागत

13 से 16 जनवरी तक अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन करेगा अन्तर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कार्निवाल का आयोजन

चैन्नई। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आगामी 13 से 16 जनवरी तक अंतराष्ट्रीय स्पोर्टस कार्निवाल "ABMYS खेल महोत्सव" का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन तमिलनाडू, केरल, पांडिचेरी माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा किया जा रहा है। इसका आतिथ्य माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब एवम् सह-आतिथ्य माहेश्वरी युवा मंडल, चैन्नई द्वारा किया जा रहा है।

गौरतलब है कि माहेश्वरी स्पोट्स क्लब चैन्नई अपने 50 वर्ष पूरे कर रहा है तथा इसी मौके पर उन्होंने इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का आतिथ्य लिया है। देश भर के युवाओं में "ABMYS खेल महोत्सव" को लेकर काफी उत्साह दिख रहा है। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से करीब 300 खिलाड़ियों समेत 700 लोगों के आने की उम्मीद है। इस महोत्सव के लिये सबसे पहले शहर/जिला स्तर तथा दूसरे चरण में प्रदेश स्तर पर खिलाड़ियों का चयन होगा व फिर प्रदेश की टीम बनाई जाएगी जो चैन्नई में राष्ट्रीय स्तर पर हिस्सा लेगी। इस में क्रिकेट, बेडमिंटन, टेबलटेनिस, चेस व केरम प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसमें क्रिकेट को छोड़ कर सभी प्रतियोगिता में पुरूष व महिला दोनों हिस्सा ले सकते हैं। इस आयोजन को लेकर जहाँ भारत भर में जबरदस्त उत्साह है, वहीं चैन्नई में भी आयोजन को लेकर समाज के हर वर्ग के बंधुओं में जोरदार उत्साह और जोश है।

अध्यक्ष ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

इस वृहद आयोजन को लेकर चल रही तैयारियों का जायजा लेने राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष संजीव चांडक, निवर्तमान महामंत्री नारायण मालपानी व महामंत्री राजकुमार काल्या 11 अक्टूबर को चेन्नई पहुंचे। खेल महोत्सव का आयोजन होने वाले सभी क्रिकेट ग्राउंड, इनडोर गेम्स के लिए इनडोर स्टेडियम, आवास के लिए भवन व होटल आदि सभी व्यवस्थाओं को पूरी टीम ने बारीकी से देखा। भ्रमण पश्चात् माहेश्वरी भवन में आयोजन सम्बंधित एक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें सभी वरिष्ठगण, महिला व युवा सदस्य मौजूद थे। बैठक में राष्ट्रीय संगठन द्वारा कार्यक्रम सम्बंधित जानकारियां दी गई।

"तंबी" होगा आयोजन का मेस्कोट

इस "ABMYS खेल महोत्सव" का मेस्कोट है। "तंबी" एक तमिल शब्द है जिसका मतलब है "छोटा भाई"। चैन्नई यात्रा में "तंबी" को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा ने उक्त जानकारी देते हुए कि बताया कि 13 जनवरी सायं 4.15 बजे खेल महोत्सव का भव्य शुभारम्भ होगा। इसमें कई नामी गिरामी हस्तियों के आने की उम्मीद है।इसमें रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सभी खिलाड़ियों की मार्च पास्ट समेत कई अनूठे कार्यक्रम आयोजित होंगे। खेल मंत्री हरिकिशन मूंदड़ा के साथ माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी, तमिलनाडू, केरल, पांडिचेरी माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष जुगल कोठारी, सचिव हरिकिशन राठी, माहेश्वरी युवा मंडल चैन्नई समेत सभी संस्थाओं के सदस्य, चैन्नई के सभी समाजबंधू इस कार्यक्रम को सफल व ऐतिहासिक बनाने हेतु कृत संकल्पित हैं।

कृपांशु मूँदड़ा राज्यपाल से सम्मानित

सूरत। स्थानीय प्रतिष्ठित स्कूल की कक्षा 4 में अध्ययनरत कृपांशु मूंदड़ा प्रथम कक्षा से ही प्रथम श्रेणी के साथ उच्च अंक प्राप्त करता रहा है। विद्यालय प्रशासन द्वारा संचालित सभी गतिविधियों में भी कृपांशु अग्रणी रहा है। इसी उपलब्धि पर अभी हॉल ही में गुजरात के राज्यपाल ओ.पी. कोहली द्वारा कृपांशु को सम्मानित किया गया। कृपांशु रामगोपाल मूंदड़ा (उपसभापति-मध्यांचल-अ.भा. माहे. महासभा) का भतीजा है।

शिक्षिका का किया सम्मान

रामनगर। जी.पी.पी. आर्य कन्या इण्टर कॉलेज की प्रधानाचार्य व माध्यमिक शिक्षा बोर्ड उत्तराखण्ड की मान्यता समिति की सदस्य हरिप्रिया सति का राष्ट्रपति पुरस्कार मिलने पर माहेश्वरी समाज रामनगर (नैनीताल) द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजीव माहेश्वरी, बब्बल माहेश्वरी, रमन माहेश्वरी, उमंग माहेश्वरी, अंकित माहेश्वरी, नीरज माहेश्वरी आदि कई समाज सदस्य मौजूद थे।

> कोई भी लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं।
> हारा वही जो लड़ा नहीं।

ग्रामीण अंचलों के विकास पर जोर

वरंगल। आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रामपाल अट्टल ने वंरगल जिला माहेश्वरी सभा व वरंगल समाज द्वारा आयोजित बैठक में ग्रामीण स्तर पर सामाजिक संगठन में सुदृढ़ता लाने एवं विभिन्न सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु स्थानीय संगठन द्वारा प्रयास किये जाने का आह्वान किया गया। श्री अट्टल ने कहा कि जरूरतमंद असहाय परिवारों के लिये स्थानीय स्तर पर सामाजिक संगठन जितनी शीघ्रता एवं कर्मठता से सहायक हो सकते हैं। शीर्ष संगठनों से यह अपेक्षा असम्भव है। बैठक में प्रादेशिक सभा की ओर से श्री अट्टल के साथ मंत्री हरिप्रसाद चांडक, संगठन मंत्री नरसिंगदास लोया, युवा संगठन के अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा भी उपस्थित थे। वरंगल माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक में परिवार विग्रह की समस्या का समाधान व जरूरतमंदों को शिक्षा में सहयोग पर चिंतन हुआ। आभार डॉ. विष्णु बलदवा ने व्यक्त किया।

प्रतीक को इन्टरनेशनल अवार्ड

हापुड़। समाज सदस्य प्रदीप महेश एवं पूजा महेश (अध्यक्षा माहेश्वरी महिला मण्डल हापुड़) के सुपुत्र प्रतीक महेश का संस्था द आर्च ऑफ यूरोप द्वारा इन्टर नेशनल अवार्ड से फेंकफट (जर्मनी) में सम्मानित किया गया। यह अवार्ड उन्हें श्रीराम इन्श्योरेंश कम्पनी के लिये मनोज जैन के साथ टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट के लिये दिया गया।

रश्मि काव्य प्रतियोगिता में प्रथम

इन्दौर। उज्जैन जिले के तराना की रश्मि ने गुवाहटी में आयोजित राष्ट्र स्तरीय काव्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रश्मि प्रदेश स्तर पर भी टॉप-10 में शामिल रही हैं।

सखी-सहेली मण्डल का 13वाँ वार्षिकोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद। सखी सहेली मण्डल, सुल्तान बाजार का '13वाँ वार्षिक उत्सव' गत 26 सितम्बर को श्री लक्ष्मीनरसिंह मन्दिर, सुल्तान बाजार में सम्पन्न हुआ। उक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष संगीता बल्दवा एवं मंत्री निर्मला लाहोटी ने बाताया कि इस अवसर पर आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष कलावती जाजू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम में एक नृत्य प्रतियोगिता, एक मिनट गेम एवं म्युजिकल तम्बोला खिलाया गया। इस वर्ष मण्डल द्वारा सतत सक्रियता बनाएँ रखने में सहयोगी बुजुर्ग महिलाओं का अभिनन्दन भी किया गया। मंच संचालन संगीता तोष्णीवाल ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में उपाध्यक्षा इन्द्रा राठी, कोषाध्यक्ष पूजा तोष्णीवाल, उषा बाहेती, सुरेखा सारडा, किरण अट्टल, संतोष कलंत्री, धनलक्ष्मी तोष्णीवाल, सरिता अट्टल, अर्चना तोष्णीवाल, सुनीता मंत्री, संध्या कलंत्री, अल्का चाण्डक, रेखा बियाणी, उषा मोदाणी आदि का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

> भूल होना प्रकृति है
> मान लेना संस्कृति है
> और सुधार लेना प्रगति है।

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आगामी 9 से 11 जनवरी 2016 तक देवी अहिल्या की कर्मभूमि इंदौर में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला महाधिवेशन ''सृजन सेतु'' का आयोजन किया जाएगा। इसका आयोजन इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में होगा।

महिला अधिवेशन ''सृजन सेतु'' की भव्य तैयारी

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का आयोजन ›› प्रतिभा का जमकर होगा प्रदर्शन

इंदौर। संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इसमें देश भर से 300 से अधिक सदस्याएं शामिल होंगी। अपने नाम ''सृजन सेतु'' के अनुरूप यह कार्यक्रम समाज की कर्मठ, ऊर्जावान व सृजनशील महिलाओं को मंच प्रदान करने का प्रयास करेगा। इसमें हर कार्यक्षेत्र की महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है।

सृजनात्मकता का प्रदर्शन

माहेश्वरी समाज की रग-रग में ही उद्यमिता व्याप्त है। इसमें माहेश्वरी महिलाएं भी पीछे नहीं हैं, बस वर्तमान में कमी है, तो उन्हें पर्याप्त अवसर देने की। इस आयोजन में समाज की ऐसी महिलाओं की व्यावसायिकता एवं क्रियाशीलता को प्रोत्साहन देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये पर्याप्त अवसर प्रदान किया जाएगा। इसके लिये लगेगा, एक वृहद औद्योगिक मेला, जिसमें माहेश्वरी महिलाओं के उत्पादों को एक विशेष पहचान मिलेगी।

सामाजिक समस्याओं पर चिंतन

सामाजिक व राष्ट्रीय समस्याओं के खिलाफ समाज को जागृत करने का नजारा भी इसमें दिखाई देगा। पोस्टर व दिल छू लेने वाले स्लोगनों के द्वारा विभिन्न प्रदेश इन समस्याओं को समाज के समक्ष रखेंगे और चिंतन के लिये प्रेरित करेंगे। इसके माध्यम से महिलाओं की सृजनशीलता भी प्रदर्शित होगी। इसका उद्देश्य समाज को इन समस्याओं का समाधान खोजने के लिये आंदोलित करना होगा।

वर्कशॉप देगी मार्गदर्शन

उभरती नारी शक्ति के लिये उनके द्वारा व उनके लिये वर्कशाप का आयोजन किया जाएगा। प्रथम बार समाज की प्रोफेशनल महिलाओं के सेमिनार का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ, सी.ए. फैशन डिजाईनर व छोटे उद्योग या व्यवसाय करने वाली उद्यमी महिलाओं की अलग-अलग कार्यशालाएं, टॉक शो या परिचर्चा का आयोजन कर समाज को उनसे लाभान्वित करने का प्रयास किया जाएगा।

विचारों का मंथन भी

समाज के विकासशील विचारों को जन-जन तक पहुंचाने व सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिये इस महाधिवेशन में विचार मंथन भी होगा। इसमें समाज के प्रबुद्ध वक्ताओं के व्याख्यान होंगे, जो अपने चिंतन-मनन को प्रस्तुत करेंगे।

विशिष्ट विभूतियों के बीच भव्य शुभारंभ

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन उपस्थित रहेंगी। पद्मविभूषण से सम्मानित बिड़ला उद्योग समूह की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला व रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर सुभाष मूंदड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिये पूर्व न्यायाधीश रमेशचंद्र लाहोटी व अ.भा. माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जोधराज लड्ढा की स्वीकृति भी प्राप्त हुई है। इनके साथ ही अ.भा. माहेश्वरी महासभा सहित समाज के विभिन्न संगठनों के कई गणमान्यजन कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

शोभायात्रा में दिखेगी नारी शक्ति

इस बार माहेश्वरी महिलाओं की शक्ति से इंदौर शहर रूबरू होगा। इसके लिये निकलेगी भव्य शोभायात्रा, जिससे माहेश्वरी समाज की नारी शक्ति की एकता से सम्पूर्ण शहर रूबरू होगा। विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियों के रंग से रंगा यह कार्यक्रम अनेकता में एकता के दर्शन भी करवाएगा।

बौद्धिक क्षमता का आयना होगी ''ब्रेनहंट''

ब्रेनहंट प्रतियोगिता एक ऐसी प्रतियोगिता है, जो माहेश्वरी महिलाओं की बौद्धिक व सामान्य ज्ञान क्षमताओं प्रदर्शित करेगी। इसमें देश के कोने-कोने से आयीं चयनित प्रतिभावान महिलाएं शामिल होंगी।

कला से भी सजेगा मंच

माहेश्वरी महिलाओं की कलात्मक क्षमताओं को भी इसमें जमकर प्रदर्शित होने का अवसर मिलेगा। इसके लिये महिलाएं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीतों का प्रदर्शन करेंगी। यह आयोजन माहेश्वरी समाज के राष्ट्रप्रेम का प्रतीक होगा। नृत्य प्रदर्शन के अंतर्गत राजस्थानी संस्कृति की नृत्य कला की छटा के साथ ही शास्त्रीय, लोक, पाश्चात्य व बालीवुड नृत्य शैलियों का प्रदर्शन भी होगा। इसमें इन शैलियों के मिले-जुले रूप के प्रदर्शन का प्रयास भी होगा।

सोश्यल नेटवर्किंग पर वाद-विवाद

वर्तमान दौर में संचार माध्यमों में बेतहाशा वृद्धि ने सामाजिक मूल्यों में भारी परिवर्तन उत्पन्न कर दिये हैं। परिवारों में बिखराव की रफ्तार बढ़ गई है। अतः वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ''सोश्यल नेटवर्किंग की उपयोगिता'' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसके माध्यम से लाभ-हानि आदि पक्षों को सामने रखेंगे।

जिंदगी के रंग दिखाएंगी नृत्य नाटिकाएं

इस आयोजन का अत्यंत रोचक पक्ष होगा ''नृत्य नाटिकाओं'' की प्रस्तुति। इनके माध्यम से जिंदगी के विभिन्न पक्ष, रंग व समस्याओं की कलात्मक प्रस्तुति दी जाएगी। अध्यक्ष सुशीला काबरा, महामंत्री कल्पना गगरानी, संगठन मंत्री राज झंवर, अर्थ मंत्री आशा लड्ढा आदि समस्त पदाधिकारियों ने प्रतिभा प्रदर्शन व नारी शक्ति की एकता के प्रदर्शन के इस अवसर पर समस्त सदस्याओं से उपस्थित होने की अपील की।

गरबा डांडिया की मची धूम

भीलवाड़ा। माहेश्वरी युवा संगठन शास्त्रीनगर के तत्वावधान में स्थानीय माहेश्वरी भवन में तीन दिवसीय डांडिया गरबा धूम 2015 का आयोजन किया हुआ। इसमें पारम्परिक वेशभुषा में बालक-बालिकाओं व युवतियों ने सजधज कर गरबा डांडिया नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत माहेश्वरी समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल सोनी व उपाध्यक्ष आरएल नोलखा द्वारा पूजा अर्चना कर की गई। युवा संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र तोषनीवाल व सुशील अजमेरा ने अतिथियों का स्वागत किया। देवकरण तोतला, मनोज जागेटिया ने आभार व्यक्त किया। महिला मंडल की अध्यक्ष शांति मंडोवरा, राधा न्याती व प्रीति लोहिया द्वारा शाल ओढ़ाकर अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के जिला अध्यक्ष जगदीश सोमानी, महेश सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी एवं समाज सम्पत्ति ट्रस्ट अध्यक्ष छीतरमल सोमानी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम प्रभारी योगेश मुंदड़ा व कमलेश दरगड़, समस्त पदाधिकारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश लड्ढा, सह सचिव बनवारी राठी, संगठन मंत्री किशन पोरवाल, विधि एवं शिक्षा मंत्री मनोज मंडोवरा, संस्कृति मंत्री विशाल माहेश्वरी, प्रवक्ता अनिल काबरा सहित समस्त सदस्य-सदस्याओं का विशेष सहयोग रहा।

मधुसुदन बने सीए

परभनी। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी संगठन की वाद-निवारण समिति के सदस्य कर सलाहकार जगदीश मूंदड़ा व प्रेमा मूंदड़ा के सुपुत्र मधुसुदन मूंदड़ा ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वरद को 96 प्रतिशत अंक

गंगाखेड़ (महा.)। समाज सदस्य विजय कुमार बंग के सुपुत्र वरद बंग ने कक्षा दसवीं की परीक्षा में 96 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसमें वरद ने संस्कृत तथा गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किये।

परभणी में चली "चेतना लहर"

टॉक शो से किया बिखरते रिश्तों को सहेजने का प्रयास

परभणी। अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा संचालित चेतना लहर के अंतर्गत "रिश्ते वही सोच नई" पर परभणी जिला माहेश्वरी सभा के संयोजन में टॉक शो का आयोजन जिले में चार तहसीलों में किया गया। इसके अंतर्गत मानवत, गंगाखेड़, परभणी व जिंतूर में कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संयोजक अशोक बंग तथा राष्ट्रीय सहसंयोजक महाराष्ट्र प्रदेश सभा के महामंत्री मधुसुदन गांधी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ब्रिजगोपाल तोष्णीवाल ने की। समस्त कार्यक्रमों में संयुक्त मंत्री जयप्रकाश मंत्री, सचिव ओमप्रकाश डागा, युवा संगठन अध्यक्ष राजगोपाल कासट, प्रकल्प प्रमुख सरोज गट्टानी आदि भी शामिल रहीं।

परिवार बचाने पर चिंतन

इस कार्यक्रम का विषय "रिश्ते वही-सोच नई" पारिवारिक समरसता पर आधारित था। "हर रिश्ते पर सामंजस्य" के साथ उपस्थित समाजजनों ने विशेष रूप से बिखरते पारिवारिक रिश्तों पर विचार व्यक्त किये। इसमें वक्ताओं व उपस्थित समाजजनों के बीच परस्पर संवाद हुआ और इससे ही उत्तर भी खोजे गये। इसमें निष्कर्ष स्वरूप दाम्पत्य के बिखरते रिश्तों के लिये मायके पक्ष के बेटी के जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप को जिम्मेदार माना गया और इसमें सुधार पर चिंतन हुआ।

सभी ने सराहा

मानवत में मेन रोड स्थित माहेश्वरी भवन में 9 अक्टूबर दोपहर में टॉक शो का आयोजन हुआ। डॉ. विष्णुदास राठी, आशीष काबरा, उमेश काबरा, विजय बांगड़, श्रीनिवास राठी, डॉ. गिरधारी कासट, संजय लड्ढा, जगदीश मंत्री आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

गंगाखेड़ में पूजा मंगल कार्यालय में 9 अक्टूबर शाम 6 बजे से कार्यक्रम आयोजित हुआ। डॉ. शांतिलाल काबरा, पवन कुमार सारड़ा, अरुण गादिया, ज्योति भूतड़ा, विजय बंग, गोपाल सेठ तापड़िया, बालाप्रसाद बंग, मनीष तापड़िया, प्रितेश भण्डारी, दीपक भण्डारी, भक्ति राठी, सीमा भूतड़ा आदि उपस्थित थे।

परभणी में 10 अक्टूबर सुबह 10 से 12 बजे तक रामदेव बाबा मंदिर में आयोजन हुआ। डॉ. विजयकुमार मणियार, महेश दाड, हनुमंतदास बजाज, डॉ. उमाकान्त चाण्डक, डॉ. नावन्दर, डॉ. कालानी, डॉ. गोपाल दरक, केदार सेठ सारड़ा, ब्रजलाल गगड़ानी, आदित्य सोनी, नेहा दरक, प्रीति भण्डारी आदि उपस्थित थे।

जिंतूर में बालाजी मंदिर में 10 अक्टूबर सायं 7 से 10 बजे तक हुए आयोजन में गोविंद पोरवाल, सुशील काबरा, प्रदीप राठी, सत्यनारायण दरगड़, डॉ. मनोज सारड़ा, सचिन तोषनीवाल, रमन तोषनीवाल, सुनील तोषनीवाल, सुभाष काबरा, पद्मा तोषनीवाल, स्नेहा तोषनीवाल आदि उपस्थित थे। सभी समाजजनों ने इस आयोजन की उपयोगिता को सराहा।

MIG ने की भव्य "BIZCON" की तैयारी

माहेश्वरी उद्यमियों की शक्ति को करेंगे एकजुट ➤➤अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान की कोशिश

पुणे। स्थानीय समाज के उद्यमियों ने परस्पर सहयोग के लिए महेश इंडस्ट्रीयल ग्रुप (एमआईजी) का गठन लगभग 35 वर्ष पूर्व किया था। इन वर्षों में इस समूह से समाज के उद्यमियों को बहुत लाभ पहुंचा। संगठन का लाभ सम्पूर्ण राष्ट्र के समाजजनों तक पहुंचाने के लिये इस संगठन को अब राष्ट्र व्यापी स्वरूप दिया गया है। संगठन अध्यक्ष सुरेश लखोटिया ने बताया कि इस श्रृंखला में देशभर के माहेश्वरी उद्यमियों का राष्ट्रीय सम्मेलन "BIZCON" आगामी 19 दिसम्बर 2015 को आयोजित किया जा रहा है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से 500 से अधिक विशेषज्ञ शामिल होंगे। उन्होंने देश के समस्त माहेश्वरी उद्यमियों से इस अवसर का लाभ लेने की अपील की।

अभी तक बहुत कुछ किया

संगठन ने गत 5 वर्षों में माहेश्वरी उद्योग व्यवसाय के उत्थान के लिये बहुत कुछ किया है। इसके अंतर्गत एमआईजी एक्सपो (उद्योग मेला) का आयोजन किया गया, जिसमें संपूर्ण देश के माहेश्वरी उद्यमियों के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इसमें 300 से अधिक उद्यमी शामिल हुए और इसकी दर्शक संख्या 5 हजार से भी अधिक थी। स्कूल जाने वाले बच्चों के प्रोत्साहन के लिये साइंस टेलेंट हंट, उद्यमियों को एक दूसरे से सम्बद्ध करने के लिये नेटवर्किंग प्रोग्राम्स का आयोजन किया गया। उद्यमियों को प्रोत्साहन के लिये "इन्नोवेटिव" व उभरते उद्यमियों को "इण्डस्ट्रीयल एक्सीलेंस अवार्ड" तथा महिलाओं को "बेस्ट वूमन इंटरप्रेन्योर और "बेस्ट एक्सीक्युटिव" आदि पुरस्कारों से नवाजा गया। संस्था स्टार्टअप और उभरते हुए उद्यमों के लिये सतत रूप से इंटरप्रेन्योर डिवलपमेंट प्रोग्राम (ईडीपी) का आयोजन भी करती रही है। इसके साथ समाज सेवी गतिविधियों में पौधारोपण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, सांस्कृतिक संध्या आदि कई कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता रहा है।

कैसे हों शामिल

इसमें शामिल होने के लिये "महेश इंडस्ट्रीयल ग्रुप" का सदस्यता फार्म भरकर कार्पोरेट ऑफिस "आर्किज कोर्ट, शंकर शेठ रोड, पुणे - 411042 (महा.) भारत" प्रेषित करना होगा। अधिक जानकारी वेबसाईट www.migindia.org या ईमेल bizcon@migindia.org से ली जा सकती है। इसके लिये निलेश लड्ढा, विनीत बियानी, प्रहलाद लड्ढा, बिजोय भूतड़ा आदि से भी सम्पर्क किया जा सकता है। ठहरने के लिये होटल ली मेरिडियन व कोर्ट यार्ड बॉय मेरिओट में सशुल्क रिजर्वेशन करवाया जा सकता है।

एकजुट हो अब विश्व पर छाने की तैयारी

इस कॉनक्लेव का लक्ष्य माहेश्वरी उद्यमियों को एकजुट करना तो है ही, साथ ही नव उद्यमियों को हर प्रकार से तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाना और स्थापित उद्यमों को एक दूसरे के सहयोग एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से सफलता के क्षितिज पर स्थापित करना भी है। इसके लिये इसमें निर्माण, फार्मास्युटिकल, केमिकल, कृषि, डिफेंस, माईनिंग, फायनेंस, शिक्षा, इन्फोर्मेशन आदि क्षेत्रों के 500 से अधिक प्रतिनिधि विशेषज्ञ के रूम में शामिल होंगे। ये विशेषज्ञ अपने स्तर पर तो अपने व्याख्यानों से मार्गदर्शन देंगे ही साथ ही उद्यमियों की समस्याओं पर पृथक् से मार्गदर्शन भी देंगे। नव उद्यमियों के साथ निवेशकों के लिये भी यह स्वर्णिम अवसर होगा।

प्रायोजक बनेंगे सहयोगी

इस आयोजन की सफलता के लिये इसमें 5 प्रकार के प्रायोजक रहेंगे। ये आयोजन समिति द्वारा निर्धारित स्थानों पर अपने उद्यम व उत्पादों का प्रचार-प्रसार कर सकेंगे। इसके अंतर्गत सहयोग राशि 6 लाख रुपए में प्लेटिनम प्रायोजक, 4 लाख में किट प्रायोजक, 3.5 लाख में ईडीपी के लिये प्रायोजक, 3 लाख में सह-प्रायोजक, 50 हजार में डिजिटल मीडिया प्रायोजक व 30 हजार रुपये की सहयोग राशि वाले "स्टेण्डी" बन सकेंगे।

स्वास्थ्य के साथ मनोरंजन की चिंता

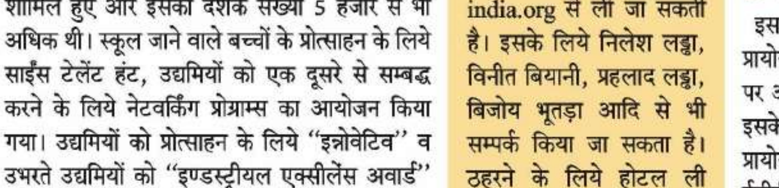

अहमदाबाद। माहेश्वरी सखी संस्था अहमदाबाद द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. यश पटेल व मनन्दरसिंह द्वारा "फर्स्ट एड ट्रेनिंग" दी गई। सावन में सखी पिकनिक रखी गई जिसमें अनेक प्रकार के ग्रुप गेम, हाउजी खिलाये गये। नवरात्रि के पावन पर्व पर गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। आरती की थाली सजाना एवं गरबा डांस प्रतियोगिता रखी गई। इसमें निर्णायक डॉ. पूर्वी राठी एवं पूजा कासट रहे। दो आयु वर्ग में 25 से 45 एवं 45 वर्ष से ऊपर वाली सखियों को बेस्ट गरबा और बेस्ट ड्रेस के पुरस्कार से नवाजा गया। उक्त जानकारी अध्यक्ष निर्मला सोनी, मंत्री नीलम मालपानी व प्रचार प्रसार मंत्री सुशीला माहेश्वरी ने दी।

महिला मंडल ने मनाया वार्षिकोत्सव

जयपुर। गत 19 सित. को माहेश्वरी मुस्कान महिला मंडल द्वारा वार्षिकोत्सव मनाया गया। मण्डल अध्यक्ष सरला मालू ने बताया वार्षिकोत्सव के दौरान पन्नाधाय, हाडारानी, पद्मिनी, मीरा, यशोदा आदि पर आधारित नृत्यनाटिका की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान तीन कन्याओं की माताओं का अभिनंदन व लड्डू गोपाल सजाओ प्रतियोगिता आदि का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर उपमहापौर सुषमा अग्रवाल, आत्माराम-उपाध्यक्ष गुजरात विधान सभा, रामकुमार मून्दड़ा, रामरतन भूतड़ा, बिमला साबु पूर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय महिला संगठन, मदन पेड़ीवाल, विनीत काबरा आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

सेवल्या माताजी का रात्रि जागरण

भीलवाड़ा। बागौर में सोनी-कोठारी परिवार की कुलदेवी श्री सेवल्या माताजी का रात्रि जागरण आगामी 18 नवम्बर को होगा। उक्त जानकारी देते हुए सेवल्या समिति के कैलाश कोठारी ने बताया कि इसमें भजन गायिका सुमन सोनी की भजन संध्या का आयोजन भी होगा। अगले दिन 19 नवम्बर को महाप्रसादी एवं समिति की वार्षिक सभा होगी। इस कार्यक्रम में पूरे भारतवर्ष के सोनी व कोठारी परिवार शामिल होंगे। सभी मेहमानों के रहने व खाने पीने की व्यवस्था सेवल्या कुंज में की गई है।

विनीता को पीएच.डी. उपाधि

उदयपुर। समाज सदस्य संदीप कोठारी की धर्मपत्नी विनिता को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान समूह के अन्तर्गत विषय "ऐनोगाइसस लेटेफोलिया वालिश की प्राकृतिक समष्टियों में विविधिता का आणविक मार्करों द्वारा मूल्यांकन'' पर प्रस्तुत शोध ग्रंथ पर पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। यह शोध प्रो. एस. डी. पुरोहित के निर्देशन में पूर्ण किया गया। आप योगेन्द्र व डॉ. राधा देवपुरा की सुपुत्री हैं। विवाह के पश्चात् प्राप्त इस उपलब्धि का श्रेय वे श्वसुर दिनेश कोठारी व सास पुष्पा कोठारी भीलवाड़ा के प्रोत्साहन को देती हैं।

फेमिली गरबा डांडिया रास का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। श्री महेश बचत एवं साख समिति के अध्यक्ष दिनेश काबरा ने बताया कि समिति द्वारा फेमिली गरबा डांडिया रास 2015 का आयोजन महेश बालिका लव गार्डन रोड पर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत समिति के संयोजक शांतिलाल डाड ने माँ अम्बे की आरती से की। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में लादूराम बांगड, गोपाल राठी, सत्यनारायण डाड, राधेश्याम चेचाणी, मदन आगाल, ओमप्रकाश काल्या, ओम नराणीवाल, केजी तोषनीवाल, केदार जागेटिया, हेमराज जागेटिया, सुभाष बाहेती, डॉ. नरेश पोरवाल, राजेंद्र पलोड, कालूराम गुर्जर मुख्य सचेतक राजस्थान सरकार, विट्ठलशंकर अवस्थी विधायक भीलवाड़ा, ललिता समदानी सभापति नगर परिषद भीलवाड़ा उपस्थित थे। मुकेश काबरा, जगदीश इनाणी, रामनिवास लड्ढा, हरीश पोरवाल, चंद्रकांत बाहेती, आनंद बाहेती, राकेश सोमाणी, धीरज काबरा, रामेश्वर सोमाणी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

अतिथियों का किया अभिनंदन

ब्यावरा। स्थानीय आर्य समाज के 93वां वार्षिक उत्सव के तीसरे दिन प्रातः देवयज्ञ, भजन, उपदेश का आयोजन हुआ। मंत्री वैभव तोषनीवाल ने बताया कि इसमें गांधीधाम से आए वेदवागीश सत्यानंद जी का अभिनंदन किया गया। आर्य समाज के प्रधान ओमप्रकाश काबरा द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। अभिनंदन पत्र ओमप्रकाश काबरा, विष्णुदेव आर्य, वैभव तोषनीवाल तथा श्रीफल इंद्रदेव आर्य तथा किशनलाल जागिड़ द्वारा भेंट किया गया। शाल ओढ़ाकर संजय बाहेती आदि द्वारा स्वागत किया गया। सम्मान राशि श्री काबरा, सत्यनारायण मालानी, विनायक माहेश्वरी ने भेंट की। इंद्रदेव आर्य, किशनलाल जागिड़, अभवदेव आर्य, संजय बाहेती, सत्यनारायण मालानी, मानकरण हेड़ा, महेश मालू सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

जाजू का किया सम्मान

रामनगर। रामनगर आगमन पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व भाजपा उत्तराखण्ड प्रदेश प्रभारी श्याम जाजू का भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ के सह संयोजक मदन माहेश्वरी के आवास पर स्वागत किया गया। इस मौके पर मदन माहेश्वरी, राजीव माहेश्वरी, गर्भित माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

"कोई भी व्यक्ति
हमारा मित्र या शत्रु
बनकर संसार में नहीं आता।
हमारा व्यवहार और शब्द ही
लोगों को
मित्र और शत्रु बनाते हैं।"

अगले सत्र में होगा सेवा सदन का विधान संशोधन

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर की साधारण सभा की बैठक गत 11 अक्टूबर को पुष्कर में सम्पन्न हुई। इसमें सदन के विकास कार्यों के साथ संविधान संशोधन पर भी चर्चा हुई।

महामंत्री सुनीलकुमार मून्दड़ा ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में सभापति-पद पर रामपाल सोनी निर्वतमान सभापति-अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा आसीन थे। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, महासभा के संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल) जुगलकिशोर सोमानी, सेवा-सदन की प्रथम कार्यसमिति के सदस्य रामेश्वरलाल जैथलिया, सेवा-सदन के मार्गदर्शक राधामोहन सोनी, रामस्वरूप जैथलिया, नथमल बिड़ला, सेवा-सदन के अध्यक्ष श्यामसुन्दर बिड़ला सहित समस्त पदाधिकारी, वरिष्ठजन तथा देशभर से आये सदस्य उपस्थित थे।

नासिक कुम्भ में दी सेवा

सेवा सदन अध्यक्ष श्री बिड़ला ने समस्त अतिथिगणों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सेवा-सदन के इतिहास व विकास पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इसी सत्र में सेवा-सदन की नयी शाखा-गढ़बोर चारभुजा तथा चारभुजा भवन-परिसर में नव-निर्मित मन्दिर एवं जल-मंदिर के लोकार्पण समारोह, जोधपुर में "आरोग्य-भवन" एवं नाथद्वारा में भव्य-भवन हेतु भूमि-पूजन समारोह आयोजित किये गये। पुष्कर में निर्माणाधीन भव्य भोजनशाला एवं अन्नपूर्णा भवन शीघ्र ही पूर्ण होने वाला है एवं जोधपुर में आरोग्य-भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ करवा दिया गया है, जो निरन्तर प्रगति पर है। गत दिनों नाशिक में सम्पन्न हुए महाकुम्भ मेलान्तर्गत सेवा-सदन द्वारा आवास एवं भोजन की सुचारू व्यवस्थाएं प्रदान की गई, जिससे हजारों यात्री लाभान्वित हुए। उन्होंने सेवा-सदन की सभी योजनाओं हेतु निरन्तर सहयोग की अपील भी की। महामंत्री ने बताया कि सेवा-सदन की जननी-सम्मान योजनान्तर्गत अब तक 27 जननियों को प्रोत्साहन स्वरूप 50-50 हजार रुपये की एफ.डी. प्रदान की जा चुकी हैं।

अगले सत्र में होगा विधान संशोधन

सेवा-सदन के वर्तमान संविधान में आंशिक संशोधन हेतु लम्बे समय से कई सदस्य मांग कर रहे हैं। इस मांग को देखते हुए आंशिक संशोधन का प्रस्ताव रखा गया। प्रस्तुत प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा हुई एवं अधिकांश बन्धुओं ने बढ़ाये गये कार्यकाल में विधान-संशोधन को अनुचित माना। अतः सदन की भावनाओं को देखते हुए यह प्रस्ताव भी स्थगित किया गया एवं संविधान-संशोधन विषय पर अगले सत्र में नई कार्यकारिणी द्वारा निर्णय लिया जाना निश्चित किया गया।

मतदान की आयु 21 वर्ष ही क्यों ?

सेवा संस्था "अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर" के चुनाव के विधान में परिवर्तन की मांग युवा वर्ग भी उठा रहा है। उल्लेखनीय है कि देश के चुनावों में मतदान के लिये विधान संशोधन कर न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष कर दी गई, जबकि सेवा सदन के चुनाव में अभी भी 21 वर्ष ही है। जोधपुर के युवा कलाकार विकास चाँडक ने इस सम्बंध में सेवा सदन अध्यक्ष को पत्र प्रेषित कर विधान में संशोधन करने की मांग की। श्री चांडक का कहना है कि इससे जिस तरह देश की राजनीति में युवाओं का योगदान बढ़ा है, ठीक उसी तरह समाज संगठनों में भी बढ़ेगा। उन्होंनेस्वयं व्यक्त किया कि इस सम्बन्ध में समाज के कई वरिष्ठों से पत्र-व्यवहार किया गया, लेकिन उत्तर नहीं मिला।

महेश गरबा रास महोत्सव सम्पन्न

ब्यावर। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड के तत्वावधान में श्री माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा महेश गरबा रास महोत्सव-2015 का आयोजन किया गया। मनीष जाजू ने बताया कि कार्यक्रम में बच्चे, छात्राएं, महिलाऐं, पुरूष व युवक-युवतियां रंग-बिरंगी गरबे की वेशभूषा पहनकर शामिल हुए। शुभारंभ मुख्य अतिथि-सुनील जैथलिया, संदीप मून्दड़ा व विशिष्ट अतिथि-श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड अध्यक्ष-सत्यनारायण झंवर, मंत्री-रमेश चितलांग्या ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मंच-संचालन-राजेन्द्र काबरा ने किया। कार्यक्रम संयोजक-मंजू काबरा, शीला माहेश्वरी व कमलेश जैथलिया थे।

दिव्य सत्संग का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। समाज सदस्य ओमप्रकाश-मुकेश कुमार अजमेरा द्वारा एक दिवसीय ज्ञान गंगा महोत्सव के दिव्य सत्संग का आयोजन गत 18 अक्टूबर को गणेश मंदिर गाँधी नगर में किया गया। इसमें राष्ट्र संत श्री ललित प्रभ सागर एवं श्री चन्द्रप्रभ सागर के प्रवचन हुए। इस प्रवचन में सन्त श्री चन्द्रप्रभ सागर जी ने घर को स्वर्ग कैसे बनायें की टिप्स बतायी। उन्होंने बताया कि परिवार में एक दूसरे का मान-सम्मान, एक दूसरे का सहयोग, अहम् का त्याग, वाणी में मिठास आदि बातों द्वारा ही घर को स्वर्ग बनाया जा सकता है।

नवरात्रि में छाऐ गरबे के रंग

अजमेर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से नवरात्र के दौरान "डांडिया रास गरबा 2015" का आयोजन किया गया। इसमें सभी महिलाओं को चार वर्ग में बांटा गया। सभी ग्रुप्स ने अपना-अपना गरबा नृत्य प्रस्तुत किया तथा इसमें से बेस्ट ग्रुप को पुरस्कृत किया गया। साथ ही बेस्ट ड्रेस और बेस्ट डांस के लिए भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

मध्य उ.प्र. ने आयोजित किया ज्योति कलश

कानपुर। मध्य उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा द्विदिवसीय महिला सम्मेलन "ज्योति कलश" गत 27 एवं 28 सितम्बर को मर्चेन्ट चेम्बर हॉल, सिविल लाइन्स में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने किया। प्रमुख अतिथि शोभा सादानी थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंजू बांगड़ ने की। मण्डल अध्यक्ष संतोष बाहेती ने सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी व सामाजिक स्वजनों का स्वागत किया। प्रमुख अतिथि कल्पना गगरानी ने टॉक शो द्वारा बताया कि व्यक्तित्व विकास के लिये जोश व उल्लास चाहिये। ऊषा झंवर ने मधुर मुस्कान के साथ प्रेरणाप्रद बातें बताईं। कांता गगरानी व शर्मिला राठी ने अधिवेशनों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रमुख वक्ता लता लाहोटी ने संगठनों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। मंच सज्जा साहित्यिक-सांस्कृतिक समिति संयोजिका प्रेमा झंवर ने की। कार्यक्रम में राजबाला भुराड़िया (भरथना), रेणु खटौड़ (फर्रूखाबाद), कंचन सारड़ा (मैनपुरी), मनोज्ञा लोईवाल (कानपुर), मोहनी झंवर (बनारस), कृति माहेश्वरी, प्रियंका राठी (उरई) को ज्योर्तिमय अलंकरण से सम्मानित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिता के आयोजन के साथ विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। कानपुर महिला मण्डल द्वारा सांस्कृतिक संध्या ऊर्जा आवाहन का आयोजन तथा मंजिरिका पुस्तक का विमोचन किया गया। मंच व्यवस्था सतीश करनानी ने की व भोजन व्यवस्था जय भुराड़िया ने संभाली। अतिथि स्वागत कानपुर मण्डल की अध्यक्ष प्रीति तोषनीवाल व अंजू जाजू ने किया।

"आदमी की सोच और नसीहत
समय और हालात पर बदलती रहती है।
चाय में मक्खी गिर जाए
तो चाय फेंक देते हैं
और घी में मक्खी गिर जाए
तो मक्खी फेंक देते हैं।"

जैसलमेर एवं बाढ़मेर (राज.) में 'श्री माहेश्वरी टाईम्स'

में समाचार, विज्ञापन एवं सदस्यता
के लिए संपर्क करें -

जितेन्द्र केला

क्षेत्रीय प्रतिनिधि
मो- 094147-62855

जोधपुर में 2 व 3 जनवरी को अ.भा. परिचय सम्मेलन

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा का द्वितीय आयोजन-युवतियों का पंजीयन होगा निःशुल्क

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा अखिल भारतीय विवाह योग्य माहेश्वरी युवक-युवतियों के लिये आयोजित प्रथम सम्मेलन की सफलता के पश्चात् समाजजनों की मांग पर द्वितीय अखिल भारतीय विवाह योग्य माहेश्वरी युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाऐगा। इसका आयोजन आगामी 2 व 3 जनवरी 2016 को होटल "चन्द्रा इन", पाँच बत्ती चौराहा, एयरपोर्ट रोड़, जोधपुर (राज.) में किया जा रहा है।

परिचय सम्मेलन के पहले दिन सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे समाज के विवाह योग्य उच्च शिक्षित/प्रोफेशनल युवक-युवतियों के लिये आयोजन किया जा रहा है। इस परिचय सम्मेलन में केवल उन युवक-युवतियों को सम्मिलित किया जायेगा, जो IAS, RAS, CA, CS, CFA, MBA, ICWA, MBBS, BDS, BE, BE, Hous, BTech, MBATech, MCA,BPharma, MPharma, Ph.D, Law Graduates व Educated Industrialists आदि हैं। सम्मेलन के दूसरे दिन सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक MSc, MCom, BSc, BCom, BA, BBA, Diploma holder, ITI व Undergraduate शिक्षा प्राप्त तथा दोपहर 4 बजे से सायं 6 बजे तक विशिष्ट प्रत्याशियों विधवा, विधुर, तलाकशुदा, शारीरिक न्यूनता वाले व 35 वर्ष से अधिक आयु वाले इत्यादि प्रत्याशियों का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष जे.एम.बूब ने बताया कि इसका उद्देश्य सजातीय विवाह परम्पर को प्रश्रय देना व वर-वधू की खोज को आसान बनाना है।

नाम मात्र के शुल्क में समस्त सुविधाऐं

परिचय सम्मेलन संयोजक जवाहरलाल मूंदड़ा ने व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें बॉयोडाटा फार्म भेजने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर निर्धारित है। जोधपुर के बाहर से आने वाले प्रत्याशियों व उनके अभिभावकों हेतु सम्मेलन स्थल के पास आवास व्यवस्था, नाश्ता व दोनों समय के भोजन की व्यवस्था रु. 500/-प्रतिदिन, प्रति व्यक्ति रखी गई है। जो बन्धु केवल रजिस्ट्रेशन करवाकर प्रविष्टि देना चाहते हैं व परिचय स्मारिका डाक द्वारा प्राप्त करना चाहते हैं किन्तु सम्मेलन में उपस्थित नहीं होना चाहते हैं, वे पंजीयन शुल्क रु. 500/- व डाक खर्च रु. 50/- कुल रु. 550/- का भुगतान कर अपना रजिस्टेशन करवा सकते हैं। प्रत्येक अतिरिक्त परिचय पुस्तिका के लिये शुल्क रु. 200/- पृथक से देना होगा। सम्मेलन में प्राप्त प्रत्याशियों के बायोडाटा, कुण्डली एवं रंगीन फोटो की एक सीडी भी बनायी जायेगी। जिसका शुल्क रु.100/- रखा गया है। सम्मेलन में आने वाले प्रत्याशी एवं अभिभावक जो किन्हीं कारणों से पूर्व में रजिस्ट्रेशन करवाने से वंचित रह गये, वे भी सम्मेलन स्थल पर शुल्क रु. 750/- नकद देकर तत्काल पंजीयन करवा सकते हैं, परन्तु उनका विवरण व फोटो स्मारिका में सम्मिलित नहीं किया जा सकेगा। असामान्य परिस्थितियों में आयोजक स्थल, तिथि व समय आदि में भी परिवर्तन किया जा सकता है। सम्मेलन की सम्पूर्ण जानकारी एवं पंजीकृत प्रत्याशियों की संक्षिप्त जानकारी WWW.prpms.in वेबसाईट पर भी यथा समय उपलब्ध कराई जायेगी।

कैसे करवाएं पंजीयन

इस सम्मेलन में युवतियों का पंजीयन निःशुल्क रहेगा। प्रत्याशियों को पंजीयन शुल्क माहेश्वरी परिचय सम्मेलन के नाम से जोधपुर में देय चेक या डीडी बनाकर भेजना होगा। इस राशि में परिचय पत्रिका एवं सीडी की एक-एक प्रति का मूल्य भी सम्मिलित है। पंजीयन शुल्क सीधे बैंक में भी जमा कराया जा सकता है।

बैंक एकाउन्ट - माहेश्वरी परिचय सम्मेलन
Bank Name : PUNJAB NATIONAL BANK,
Chopasani Road, Jodhpur (Raj)
A/c No. :1131000100207266
IFSC: PUNB0113100

नोट- पृष्ठ 29-30 पर पंजीयन आवेदन काटकर उपयोग किया जा सकता है।

महिला सेवा समिति के चुनाव सम्पन्न

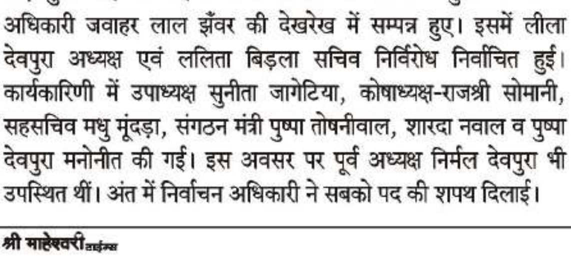

उदयपुर। माहेश्वरी महिला सेवा समिति के त्रैवार्षिक चुनाव निर्वाचन अधिकारी जवाहर लाल झँवर की देखरेख में सम्पन्न हुए। इसमें लीला देवपुरा अध्यक्ष एवं ललिता बिड़ला सचिव निर्विरोध निर्वाचित हुई। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष सुनीता जागेटिया, कोषाध्यक्ष-राजश्री सोमानी, सहसचिव मधु मूंदड़ा, संगठन मंत्री पुष्पा तोषनीवाल, शारदा नवाल व पुष्पा देवपुरा मनोनीत की गई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष निर्मल देवपुरा भी उपस्थित थीं। अंत में निर्वाचन अधिकारी ने सबको पद की शपथ दिलाई।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

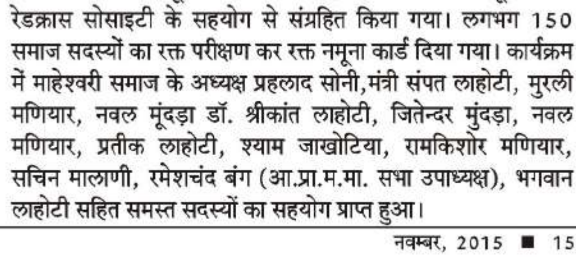

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी समाज के द्वारा आयोजित रक्त दान एवं रक्त परीक्षण शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि रामचन्द्र दरक ने श्री गणेश व भगवान महेश की पूजा करके किया। इस शिविर में 65 यूनिट रक्त रेडक्रास सोसाइटी के सहयोग से संग्रहित किया गया। लगभग 150 समाज सदस्यों का रक्त परीक्षण कर रक्त नमूना कार्ड दिया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी,मंत्री संपत लाहोटी, मुरली मणियार, नवल मूंदड़ा डॉ. श्रीकांत लाहोटी, जितेन्दर मुंदड़ा, नवल मणियार, प्रतीक लाहोटी, श्याम जाखोटिया, रामकिशोर मणियार, सचिन मालाणी, रमेशचंद बंग (आ.प्रा.म.मा. सभा उपाध्यक्ष), भगवान लाहोटी सहित समस्त सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

आयात-निर्यात पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

बैंगलूरू। स्थानीय माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में माहेश्वरी सभागार में 'एक्सपोर्ट इम्पोर्ट विद ग्लोबल मार्केटिंग' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को एक्जिम गुरु माने जाने वाले जयप्रकाश सोमानी ने संबोधित किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट के दौरान होने वाली अनेक बारीरियों के बारे में बताया। व्यापार के लिए हमें कितना सजग और सतर्क रहना चाहिए, इस संबंध में भी उन्होंने जानकारी दी। शुभारंभ सभा के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। अतिथि स्वागत सभा के अध्यक्ष बसंतकुमार सारड़ा ने किया। सुरेश कुमार लखोटिया ने श्री सोमानी का परिचय देते हुए बताया कि श्री सोमानी मुम्बई हाईकोर्ट में कार्यरत हैं और अभी तक लगभग 500 से अधिक सेमिनार और वर्कशॉप को संबोधित कर चुके हैं। कार्यक्रम का संचालन भगवानदास लाहोटी ने किया। सभा अध्यक्ष बसंतकुमार सारड़ा, सचिव निर्मलकुमार तापड़िया, उपाध्यक्ष रामगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी क्रेडिट सोसायटी के चेयरमैन नंदकिशोर मालू आदि ने श्री सोमानी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

अ.भा. परिचय सम्मेलन सम्पन्न

इन्दौर। जय महेश माहेश्वरी सेवा संस्थान द्वारा स्थानीय दस्तूर गार्डन में गत 2 अक्टूबर से त्रिदिवसीय परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रारम्भ दिवस पर उद्योगपति सत्यनारायण मंत्री, व्यवसायी बालकिशन सोनी, उद्यमी लखनलाल नागौरी, खण्डवा के न्यायाधीश मनोज राठी, महासभा के वरिष्ठ सदस्य रंगनाथ न्याती आदि शामिल हुए। स्वागताध्यक्ष मांगीलाल झंवर, मुख्य संयोजक डॉ. रविन्द्र राठी, संस्था अध्यक्ष गोपाल कृष्ण एस. मानधन्या आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर इन्दौर क्लॉथ मार्केट म.व. गृह निर्माण सहकारी संस्था गुमाश्ता नगर इन्दौर अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी स्व. श्री विट्ठलदास भट्टड़ का मरणोपरांत शॉल-श्रीफल से सत्कार भी किया गया। रात्रि में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति श्री न्याती का जन्मोत्सव सांस्कृतिक संध्या के साथ मनाया गया। इस सम्मेलन की विशेषता नाममात्र के सहयोग शुल्क 500 में समस्त आवश्यक सुविधायें प्रदान करना थीं। इस आयोजन में लगभग 1300 से अधिक प्रविष्ठियां प्राप्त हुईं। प्रत्येक प्रत्याशी को बहुरंगी व आकर्षक मार्गदर्शिका व विवरण पत्रिका प्रदान की गई। गोपाल कृष्ण मानधन्या व सुरेश राठी ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ सफलता पूर्वक सभी व्यवस्थाओं को संभाला।

> दान करने से
> 'रुपया' जाता है 'लक्ष्मी' नहीं।

सकारात्मक सोच में ही समस्याओं का समाधान

बेटमा। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा एक निजी गार्डन में समारोह आयोजित कर अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुशीला काबरा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए श्रीमती काबरा ने कहा कि सकारात्मक सोच ही जीवन जीने का मूल मंत्र है, जिससे नारी अपनी सारी समस्याओं का समाधान कर सकती है। समारोह में प्रदेश महिला संगठन की अध्यक्ष निर्मला बाहेती व सचिव अरूणा बाहेती भी अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। अतिथियों का स्वागत उपाध्यक्ष सुनीता जाजू ने किया। स्वागत उद्बोधन मंडल अध्यक्ष हेमलता तोतला ने दिया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती तोतला व जिला अध्यक्ष मनोरमा भांगडिया ने श्रीमती काबरा का अभिनंदन पत्र व तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन रत्ना जाखोटिया ने किया व आभार निर्मला जाजू ने माना। इस अवसर पर चंद्रकांता जाजू, गायत्री जाखोटिया, भागवंती मालू, मधु भांगड़िया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

गणेश काबरा
94141-15002

जो हैं बेहतर वही हैं हितकर

आराम तेल

चोट, मोच, सूजन, कमर दर्द, हाथ पैरों में जकड़न एवं वायु दर्दों को कहें ना.

हितकर® आराम को कहें हाँ GMP CERTIFIED UNIT

www.hitkar.in

निर्माता : हितकर आयुर्वेद भवन

फैक्ट्री : सेल टैक्स ऑफिस के सामने, अजमेर रोड, भीलवाड़ा
फोन : 01482-220446, मो. : +91 94141 15002
E-mail : hitkarganeshram@gmail.com

वृन्दावन में हुई "माहेश्वरी स्वयंवर" की भव्य तैयारी

पूर्वी मध्य एवं पश्चिमी उ.प्र. माहेश्वरी सभा का आयोजन - नेत्रहीन प्रत्याशी का होगा निःशुल्क पंजीयन

वृन्दावन (उ.प्र.)। पूर्व, मध्य एवं पश्चिमी उ.प्र. माहेश्वरी सभा द्वारा आगामी 19 व 20 दिसम्बर को होटल दी रायल भारती में युवक-युवती परिचय सम्मेलन "माहेश्वरी स्वयंवर 2015" का आयोजन किया जाऐगा। इसमें नेत्रहीन प्रत्याशी का पंजीयन निःशुल्क रखा गया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार शुल्क 1 हजार रुपये के साथ पंजीयन की अंतिम तिथि 15 नवम्बर है। इसके पश्चात् विलम्ब शुल्क 500 रुपये अतिरिक्त के साथ 30 नवम्बर तक पंजीयन करवाया जा सकता है। शुल्क का भुगतान "जिला माहेश्वरी सभा आगरा" के नाम से देय अकाउंटपेयी डीडी के द्वारा अथवा नगद भुगतान से किया जा सकता है। सगे भाई-बहन के मामले में सामूहिक शुल्क 1500 रूपये देय होगा। नेत्रहीन प्रत्याशी हेतु पंजीयन व आवास सुविधा निःशुल्क रहेगी।

यह आम व्यक्ति का स्वयंवर

परिचय सम्मेलन संयोजक नंदकिशोर झंवर (वाराणसी) एवं संयुक्त संयोजक मंत्री माहेश्वरी (आगरा) ने बताया कि स्वयंवर अपने देश में प्राचीन काल में हुआ करते थे । पूर्व में यह अवसर केवल राजा महाराजाओं के लिए ही उपलब्ध हुआ करता था। अब उसका परिवर्तित रूप परिचय सम्मेलन समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अवसर उपलब्ध कराता है। वर्तमान स्पर्धा के युग में अत्यन्त व्यस्तता के कारण अपने बच्चों के लिए योग्य वर-वधु तलाशना अत्यन्त कठिन होता जा रहा है। इसी उद्देश्य हेतु पूर्वी मध्य व पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय स्तर का यह परिचय सम्मेलन "माहेश्वरी स्वयंवर-2015" भगवान कृष्ण की लीला स्थली वृन्दावन में आयोजित किया जा रहा है।

इनका रखें ध्यान

विवरण पत्र में प्रत्याशी ग्रुप सम्बन्धी जानकारी का स्पष्ट रूप से उल्लेख करें। पंजीकरण शुल्क में दो परिवारजन व प्रत्याशी सहित कुल 3 व्यक्तियों का नाश्ता भोजन (लंच) सम्मिलित है, आवास व्यवस्था सम्मिलित नहीं है। पंजीकृत प्रत्याशी यदि सम्मेलन स्थल पर उपस्थित नहीं होता तो विवरणिका रु. 150/- अतिरिक्त डाक खर्च देने पर घर पर भेज दी जायेगी। पंजीयन शुल्क 'जिला माहेश्वरी सभा आगरा' के नाम से NEFT/ RTGS/एकाउण्ट पेई ड्राफ्ट द्वारा जो कि आगरा पर देय हो, ही भेजें। ड्राफ्ट के पीछे प्रत्याशी का नाम व पता अवश्य लिखें। NEFT/RTGS करने पर UTR No. तुरंत भेजें। नगद भुगतान पर रसीद अवश्य प्राप्त करें। बिना रसीद के विवरणिका नहीं दी जायेगी। समस्त जानकारी विवरण पत्र में साफ अक्षरों में हिन्दी में भरें। जन्म दिनांक, फोन, मोबाइल आदि अंकों को अंग्रेजी में भरें। जन्म पत्रिका स्पष्ट भरें। किसी प्रकार की गलत जानकारी देने पर जवाबदेही प्रत्याशी की होगी। भारत के संविधान अनुसार युवक प्रत्याशी की आयु 21 वर्ष न्यूनतम होनी चाहिए। आवास की व्यवस्था आपको स्वयं के खर्चे पर करनी है। आपकी सुविधा हेतु आयोजक आवास हेतु कुछ स्थानों के विवरण दे सकते हैं, जिनसे आप स्वयं सम्पर्क करके बुकिंग कर सकते हैं। यदि 19 व 20 दिसम्बर दोनों का रजिस्ट्रेशन करते हैं, तब शुल्क रु. 1500/- प्रत्येक प्रतिभागी का लगेगा। विवरणिका एक ही दी जायेगी। फोटो, एक फुल साइज एवं एक पासपोर्ट साईज अवश्य भेजें। अतिरिक्त विवरणिका लेने का शुल्क रु.250/- देय होगा।

नोट- पृष्ठ 31-32 पर पंजीयन आवेदन काटकर उपयोग किया जा सकता है ।

शादी के नाम पर हुई धोखाधड़ी

भीलवाड़ा। इंदौर के कुछ युवकों ने षड्यंत्र रचकर मांडलगढ़ के युवक की इंदौर की लड़की से शादी करा दी। शादी के बाद लड़की 18 दिन बाद ही पीहर चली गई। वह तो अब तक नहीं लौटी लेकिन धमकियां आने लगी। मामला मांडलगढ़ थाने पर शनिवार को दर्ज हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार वकील कॉलोनी के भंवर नामधराणी के बेटे यशवंत की शादी के लिए जून 2015 में इंदौर निवासी दिलीप कोठारी व मनीष मूंदड़ा ने संपर्क किया। दोनों ने कहा कि इंदौर में ही एक माहेश्वरी परिवार को अपनी बेटी के लिए लड़के की तलाश है। दोनों ने श्री नामधराणी के समक्ष शादी का प्रस्ताव रखा। इसके लिए आठ लाख रुपये पहले देने, शादी का खर्चा व इंदौर आने जाने का खर्चा मांगा। श्री नामधराणी ने उन्हें आठ लाख रुपए दे दिए। 25 जुलाई 2015 को लड़के की मांडलगढ़ में शादी हुई। शादी के वक्त लड़की सात दिन ससुराल रही। इसके बाद बहाना कर इंदौर चली गई। कुछ दिन बाद उसे लाया गया। दूसरी बार वह करीब 11 दिन ससुराल रही और फिर रक्षाबंधन व मां की बीमारी का बहाना कर इंदौर गई जो अब तक नहीं लौटी। लड़की के नहीं आने पर लड़के के पिता ने शादी कराने में शामिल युवकों श्यामनगर इंदौर निवासी दिलीप कोठारी व विद्याधर नगर इंदौर के मनीष मूंदड़ा से संपर्क किया, तो उन्होंने उल्टे धमकाया कि लड़की के तलाक की लिखा-पढ़ी करनी है। इसलिए तुम इंदौर आ जाओ, नहीं तो तुम्हें व तुम्हारे परिवार को झूठे मामले में फंसा देंगे। उल्लेखनीय है कि लड़की माहेश्वरी न होकर अनुसूचित जाति की भी है।

मंत्री बनीं प्रदेश उपाध्यक्ष

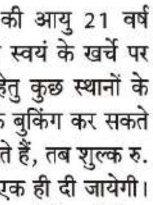

जयपुर। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष पद्मा जाजू ने जयपुर की सुमित्रा मंत्री को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया।

"इंसान को अपनी औकात भूलने की बीमारी है। कुदरत के पास उसे याद दिलाने की अचूक दवा।"

रामदेव जी का मना जन्मोत्सव

दुर्ग। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री बाबा रामदेव मंदिर में अभिषेक एवं भजनों के कार्यक्रम के साथ जन्मोत्सव मनाया गया। भजनों के कार्यक्रमों में सुनील नांवधर अकोला, दीपक-ललित चांडक बंधु दुर्ग, मितेश परमार गोदिंया, कान्हा महाराज भिलाई आदि ने अपनी उपस्थिति दी। 18 व 19 सितम्बर को पंडित विजयशंकर मेहता उज्जैन के "एक शाम परिवार के नाम" एवं "एक शाम हनुमान के नाम" पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन दोपहर में प्रसादी एवं संध्या को बाबा रामदेव की शोभायात्रा का आयोजन हुआ। इस 10 दिवसीय कार्यक्रम की सफलता पर श्री माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश टावरी व बाबा रामदेव मंदिर समिति अध्यक्ष अशोक राठी द्वारा श्री माहेश्वरी पंचायत, श्री माहेश्वरी महिला मंडल, युगल मंच व माहेश्वरी युवा मंडल के समस्त सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

तीज महोत्सव का हुआ आयोजन

मूर्तिजापुर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से तीज के उपलक्ष्य में पुलाव डेकोरेशन, वन मिनट, बाजी किसकी, जोड़ी कमाल की, हाऊजी, ज्वेलरी डेकोरेशन, वन मिनट, अंताक्षरी, फ्रूट फैन्सी ड्रेस, नृत्य नाटिका, सत्तु डेकोरेशन आदि का आयोजन किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष सविता डागा ने इसमें अपना पूर्ण मार्गदर्शन दिया।

महिला बैंक की साधारण सभा सम्पन्न

इन्दौर। शुभलक्ष्मी महिला को-ऑपरेटिव्ह बैंक की 7 वीं वार्षिक साधारण सभा बैंक अध्यक्ष उष्मा मालू, उपाध्यक्षा उषा तोमर एवं संचालक गणों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष श्रीमती मालू ने बैंक की प्रगति के बारे में जानकारी दी। सभा का संचालन उपाध्यक्षा श्रीमती तोमर ने करते हुए बताया कि बैंक की नेटवर्थ 325.22 करोड़ है। पूर्व अध्यक्षा गीता मूंदड़ा द्वारा सभी सदस्यों से निवेदन किया गया कि बैंक की प्रगति में प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी आवश्यक हो। संचालक मण्डल द्वारा सक्रिय सदस्य अर्चना धोड़पकर एवं मुख्य लेखापाल कु. भारती जैन को सम्मानित किया गया।

कोपल को पीएच.डी.

इन्दौर। भोपाल निवासी यदुनंदन जाजू की सुपुत्री व रमेशचन्द्र बाहेती की पुत्रवधू एवं इन्दौर निवासी सुमीत माहेश्वरी की धर्मपत्नी कोपल माहेश्वरी (बाहेती) को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने "Comparative strategies among ITC, HUL, and Ruchi in regards to Toilet Soaps in Urban and Rural areas of M.P." विषय पर अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया था।

समाज के गौरव का किया अभिनंदन

कल्याण। महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में गत 2 अक्टूबर को थाना जिला सभा द्वारा मुरबाड़ एवं अंबरनाथ के आतिथ्य में स्थानीय माहेश्वरी समाज के सहयोग से माहेश्वरी भूषण जीवन गौरव व मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रमुख अतिथि के रूप में विधायक डॉ. जयप्रकाश मुंदड़ा, विधायक मितेश भांगड़िया मानीक काबरा-मंबई प्रदेश माहेश्वरी सभा, संतोष अजमेरा (आय.आय.एस), पुष्पा तोष्णीवाल-अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा उपस्थित थे। थाना जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र मानधने ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। माहेश्वरी समाज कल्याण के समाजसेवी रामनिवास सोमानी तथा थाना की मंगला बिड़ला को 'जिला माहेश्वरी भूषण जीवन गौरव' अलंकार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मेधावी छात्रों का सम्मान प्रशस्ती पत्र के साथ किया गया। आयोजन में मुरबाड़ माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रामदेव मानधने, जुगल जाखोटिया, लक्ष्मीचंद राठी, मनोहर मुंदड़ा, बीना धूत आदि का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन प्रशांत तोष्णीवाल व अंजली जाजू ने किया।

> खूबसूरत रिश्ता है
> मेरे और खुदा के बीच में
> ज्यादा मैं मांगता नहीं
> और कम वह देता नहीं।

हृदय रोग एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

दुर्ग। श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग एवं सत्य सांई सेवा समिति दुर्ग भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में गत 20 सितम्बर को प्रातः 9 बजे से संध्या 5 बजे तक हृदय रोग व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एम्स रायपुर के प्रमुख डॉ. अजय दानी व विशिष्ट अतिथि दामोदर दास मूंदड़ा (उद्योगपति राजनांदगांव) थे। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी आदि द्वारा सभी मरीजों की जांच कर दवा का भी वितरण किया गया। डॉ. गुलाटी एवं उनकी 10 डाक्टरों की टीम ने आये हुए मरीजों की जांच कर उचित मार्गदर्शन दिया। शिविर से लगभग 500 लोग लाभान्वित हुये। एक 12 साल की बच्ची के दिल में छेद होने के कारण उसे आपरेशन एवं इलाज हेतु रायपुर भेजा गया। सफल आयोजन के लिए अशोक राठी अध्यक्ष बाबा रामदेव मंदिर समिति ने सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

नांदुरा। स्थानीय श्री बालाजी मंदिर में जिला माहेश्वरी संगठन एवं युवा संगठन की सप्तम कार्य समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें बुलडाणा जिले की सभी 13 तहसील से समाजजन उपस्थित थे। आने वाले प्रतिनिधियों का पं. शिवदास महाराज के हस्ते कुमकुम तिलक लगाकर व कांकणडोर बांधकर स्वागत किया गया तथा प्रत्येक सदस्य को पुष्पगुच्छ, फाईल तथा भेट वस्तु देकर सम्मानित बुलडाणा जिला अध्यक्ष सुभाष मंत्री तथा तहसील अध्यक्ष विठ्ठलदास डागा मंचासीन थे। प्रमुख अतिथि के रूप में बुलडाणा अर्बन के राधेश्याम चांडक व विदर्भ प्रदेश सचिव अनिल नावंदर उपस्थित थे। बैठक का संचालन जिला सचिव उदय सोनी के किया। बैठक में विविध सामाजिक समस्याओं पर चर्चा की गई तथा आने वाले समय में गतिविधियों को स्थानीय संगठनों से जोड़ने की अपील की गई। बैठक के द्वितीय सत्र में अमरावती के ख्यात वक्ता तथा प्रदेश संगठन के बाल संस्कार एवं पारिवारिक आचार संहिता संयोजक अनिल राठी ने "आधुनिक तकनीक से नजदीक आती दुनिया तथा रिश्तो से दूर जाते परिवार" विषय पर विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता विठ्ठलदास डागा ने की तथा प्रमुख अतिथि माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष गिरीराज राठी, प्रदेश सचिव मदन मालपाणी, जिला युवा संगठन के अध्यक्ष प्रवीण कलंत्री थे। इसी कार्यक्रम में समाज के सभी नवनिर्वाचित कृषि उत्पन्न बाजार समिति संचालकों तथा जिले की संग्रामपुर तहसील निवासी कु. श्रेया राठी का इंटरनेशनल लेवल पर लंगड़ी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्ति पर सत्कार किया गया। आभार युवा संगठन तहसील अध्यक्ष अनुप मूंदड़ा ने माना।

समाज की डायरेक्ट्री प्रकाशित

अहमदनगर (प्रतिनिधि)। माहेश्वरी समाजजन शहर के साथ देहाती इलाकों में भी रहते हैं। अतः सभी के फोन नंबर न होने के कारण संपर्क में परेशानी आती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए अहमदनगर जिला सभा द्वारा टेलीफोन डायरेक्टरी बनाने का संकल्प किया गया था। उक्त जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष आर.डी.मंत्री ने बताया कि चणेगांव (प्रवरा परिसर) में संपन्न प्रदेश कृषि परिसंवाद के समय अहमदनगर जिल्हा माहेश्वरी टेलीफोन डायरेक्टरी का विमोचन प्रदेशाध्यक्ष सतीश चरखा के कर कमलों द्वारा किया गया। तत्पश्चात् महेश मंगल कार्यालय, अहमदनगर में डायरेक्टरी वितरण समारोह तथा जिला सभा की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता स्वयं जिलाध्यक्ष श्री मंत्री ने की। जिला सचिव अरूण झंवर, उपाध्यक्ष विठ्ठलदास आसावा, कोषाध्यक्ष महेश नावंदर, प्रसिद्धी प्रमुख अजय जाजू, संयुक्त मंत्री मुकुंद सोमाणी, सोमनाथ मुंदडा, महेश राठी आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। प्रसिद्धी प्रमुख श्री जाजू ने बताया कि इसमें महासभा, प्रदेश सभा, जिल्हा व तालुका सभा द्वारा विविध योजना, माहेश्वरी समाज के देशभर के होस्टल के फोन नंबर्स, माहेश्वरी धर्मशाळा, जिला सभा द्वारा किये गये कार्य का ब्योरा, समाजजनों के टेलीफोन तथा मोबाईल नम्बर आदि की जानकारी समाहित है।

मूथा बने उदयपुर अंचल सचिव

उदयपुर। स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर के अधिकारी संगठन एसोसिएट बैंक आफिसर्स युनिट के त्रिवार्षिक चुनाव में ओम प्रकाश मूथा को उदयपुर अंचल का सचिव निर्वाचित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री मूथा जन चिकित्सा सेवार्थ ओम सेवा संस्थान के माध्यम से चिकित्सा शिविर भी आयोजित करते रहते हैं।

> सबसे कठिन काम है
> सब को खुश रखना।
> सबसे आसान काम है
> सबसे खुश रहना ॥

सावधानी बरतें धोखाधड़ी से बचें

वर्तमान में यह देखा जा रहा है कि माहेश्वरी समाज में वैवाहिक संबंध तय करने में आ रही समस्या को देखते हुए देशभर में "ऐसे मैरिज ब्यूरो" भी सक्रिय हो गये हैं, जो सरासर धोखाधड़ी कर रहे हैं। इनका समाज से कोई सरोकार नहीं है, यहां तक कि इनके संचालक भी माहेश्वरी नहीं हैं, लेकिन ये समाज की डायरेक्ट्रियों से जानकारी हासिल कर "माहेश्वरी" बनकर समाजजनों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। जबलपुर आदि कई स्थानों से इनके द्वारा धोखाधड़ी किये जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है। आमतौर पर ऐसे मामले में पीड़ित परिवार भी सामाजिक प्रतिष्ठा के डर से पुलिस तक नहीं जाते। यदि किसी भी समाजजन के पास किसी मैरिज ब्यूरो से फोन आता है, तो उनके झांसे में न आएं। उसके बारे में तहसील, जिला आदि किसी भी स्तर के संगठन से सम्पर्क करें और उसकी विश्वसनीयता की तस्दीक करें। जब विश्वास हो जाए तो उसके पश्चात् ही सम्पर्क करें। जो समाजजन ऐसे लोगों की धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं, वे भी साहस के साथ सामने आऐं। वे इस मामले में पुलिस में प्रकरण दर्ज करवाऐं और समाज संगठन को भी बताऐं, जिससे किसी और समाजजन के साथ ऐसी घटना न हो। हम ऐसी घटना छुपाते हैं, तो इसी का नतीजा ऐसी घटनाओं में दिनोंदिन वृद्धि के रूप में सामने आता है। अतः स्वयं भी जागरूक हों और दूसरों को भी जागरूक करें। इसी प्रकार कुछ वेबसाईट भी धोखाधड़ी कर रही हैं। निःशुल्क पंजीयन करवाने के बाद लॉगिंग करने के लिये 1 से 3 हजार रुपये वसूले जाते हैं और लॉगिंग करने पर मालूम पड़ता है कि वहाँ गिने-चुने बायोडाटा ही हैं।

"अमीर होने के दो तरीके हैं-
या तो वो सब प्राप्त कर लो
जिनको आप
प्राप्त करना चाहते हो,
या फिर वो जो भी आपके पास है
उसमें हमेशा संतुष्ट रहो।"

"आपणो उत्सव" का हुआ आयोजन

वर्धा। केवल परिश्रम से ही सफलता नहीं मिलती अपितु सही क्रियान्वयन भी जरूरी है। उक्त विचार भा.ज.पा. के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू दिल्ली ने माहेश्वरी मंडल वर्धा के वार्षिकोत्सव "आपणो उत्सव" में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। विशेष अतिथि के रूप में सज्जन मोहता उपस्थित थे। नन्हे-मुन्ने बाल कलाकारों की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। प्रवीण चांडक ने गत वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। मेधावी छात्रों तथा बुजुर्गों का सम्मान भी हुआ। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार जाजू ने किया। ट्रस्टी अचलदास टावरी सहित चारों मंडल अध्यक्ष मुरलीमनोहर राठी, संजय मोहता संतोष पनपालिया एवम् नेहा राठी भी उपस्थित थीं। अतिथि परिचय शोभा गांधी ने दिया। इसके अन्तर्गत चर्चा सत्र भी संपन्न हुआ, जिसका विषय था "राजनीति एवं समाज"! विजय जावंधिया ने चर्चा सत्र की अध्यक्षता की। समन्वयक राजकुमार जाजू थे। पूछे गये सवालों के श्री जाजू ने जवाब दिये। उन्होंने युवाओं को राजनीति में आने हेतु प्रेरित भी किया।

विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

नागपुर। लायंस सर्विस वीक के अंतर्गत लायंस क्लब ऑफ पुलगाव ब्रिज-टाउन द्वारा शंकरराव पाटील कला व विज्ञान महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिये मोटिवेशन कोर्स रखा गया था। मुख्य अतिथि लायन डिस्ट्रीक्ट सर्विस वीक कनवेयर शरद बागड़ी थे। लायंस क्लब ब्रिजटाउन के अध्यक्ष कमलकिशोर माहेश्वरी व कॉलेज प्रिंसिपल विकास हेडगे ने श्री बागडी का पुष्पगुच्छ से सत्कार किया। इस मौके पर श्री बागड़ी ने कॉलेज परिसर में पौधारोपण भी किया। श्री बागडी ने भी पुलगाव ब्रीजटाउन के अध्यक्ष श्री माहेश्वरी व पूर्व अध्यक्ष डेनियल सिबलून को सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया।

तुलसी जयंती पर महिला मण्डल का सम्मान

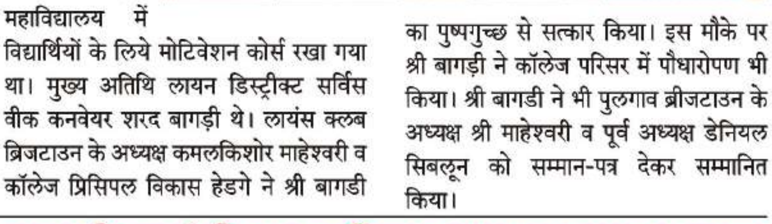

वर्धा। स्थानीय सुंदरकांड भजन महिला मंडल का सामूहिक सत्कार जय महाकाली शिक्षण संस्था, सेवा मंडल व वर्धा जिला ब्राह्मण सेवा मंच द्वारा तुलसी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में पंडित शंकर प्रसाद अग्निहोत्री की अध्यक्षता में किया गया। इसमें उर्मिला केला, विजय डागा, ललिता, सुभम राठी, नयना शाह, संगीता, निर्मला टावरी आदि कई भजन मंडल सदस्याऐं शामिल थीं।

भागवत ज्ञान यज्ञ का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। श्री चारधाम भागवत कथा आयोजन समिति भीलवाड़ा द्वारा महेश छात्रावास में महामण्डलेश्वर स्वामी शान्ति स्वरूपानन्द गिरिजी महाराज के श्री मुख से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। कथा की शुरूआत भव्य शोभायात्रा से हुई, जो श्री द्वारकाधीश मन्दिर से कथा स्थल पहुँची। अन्तिम दिन सुदामा चरित्र, द्वारिका लीला, परीक्षित मोक्ष आदि प्रसंगों के बाद व्यास पूजन व पूर्णाहुति का आयोजन हुआ। इसी दिन शाम को महाप्रसादी का आयोजन हुआ। आयोजन में महन्त बापूगिरी जी महाराज का भी सान्निध्य रहा। फतेहलाल जैथलिया, गिरधर गोपाल जैथलिया, बंशीलाल सोड़ानी, नन्दलाल नराणीवाल, सत्यनारायण मून्दड़ा, राधावल्लभ राठी, मनोहरलाल राठी, श्यामलाल राठी, गुलाबचन्द सोनी, संजय जागेटिया, राधेश्याम सोमानी, राधेश्याम चेचाणी, कैलाशचन्द्र कोठारी, कन्हैयालाल लाठी, गजानन्द बजाज, ओमप्रकाश हुरकट, राजेश कोठारी, गोपाललाल काष्ट, भागचन्द बाहेती सहित समस्त सदस्यों का योगदान रहा।

भूतड़ा को पीएच. डी.

पुणे। स्थानीय प्रतिष्ठित इंजीनियरींग कॉलेज के प्रो. दिनेश-शिवरतन भुतडा को संत गाडगेबाबा अमरावती विद्यापीठ द्वारा रसायन अभियांत्रिकी मे पीएच. डी. की उपाधि प्रदान की गई। उन्होने डॉ. व्ही.एस. सपकाळ, एचओडी, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ के मार्गदर्शन में पर्यावरण अभियांत्रिकी में शोधकार्य पूर्ण किया है। उनके देश एवं विदेश के मासिकों में 12 रिसर्च पेपर प्रकाशित हैं तथा उन्होंने कॅरियर गाइडेंन्स एवं कम्प्यूटर विषय में 12 से ज्यादा पुस्तक भी लिखी हैं। डॉ. भूतड़ा चिखली (जि.बुलढाणा) निवासी प्रो. एम. एस. भूतडा तथा देऊळगाँव राजा के बीजेपी के शहर अध्यक्ष एवं नगर सेवक राजेश भूतड़ा के भाई हैं।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

संगमनेर। महासभा के निर्देशानुसार महाराष्ट्र-मुंबई एवं विदर्भ प्रदेश सभा द्वारा गत 3-4 अक्टूबर को संगमनेर में 'लक्ष्य' कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष सतीष चरखा एवं मंत्री मधुसूदन गांधी ने शिविर के लिए नियोजनबद्ध कार्यक्रम बनाया। प्रकल्प प्रमुख की जिम्मेदारी मनीष मालपाणी एवं रचना मालपाणी (संगमनेर) ने निभाई। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में तीन प्रदेशों के कुल मिलाकर 200 कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। शिविर में जयप्रकाश काबरा (ठाणे), जस्टीस बी.डी. राठी (इंदौर), डॉ. संजय मालपाणी (संगमनेर), सतीश चरखा (जलगांव), अनिल राठी (अमरावती), अशोक बंग (नासिक) आदि ने प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। शिविर के दौरान, 'कैसे बनाएँ संगठन को गतिमान एवं प्रभावशाली' विषय पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया।

पीस रैली में हुआ बागड़ी का सम्मान

नागपुर। लायंन इंटरनेशनल डिस्ट्रीकट 323 जी-1 के सर्विस वीक कनवेयर शरद बागडी बनाये गये हैं। गत दो अक्टूबर को पीस रैली निकाली गयी। इसमें करीब 350 लायन्स सदस्यों ने भाग लिया। इस उपलक्ष्य में लायन डिस्ट्रीक्ट गवर्नर विजय पालीवाल ने श्री बागड़ी को स्पेशल पीन लगाकर सम्मानित किया।

"मनुष्य में दृढ़ता होनी चाहिए जिद नहीं
बहादुरी होनी चाहिए जल्दबाजी नहीं
दया होनी चाहिए कमजोरी नहीं
ज्ञान होना चाहिए अंहकार नहीं।"

'बरखा बहार आई' का हुआ आयोजन

नागपुर। बरखाज आर्ट एकेडमी नागपुर द्वारा दिवंगत बरखा को श्रृद्धांजलि देने हेतु 'बरखा बहार आई' गीत-संगीत कार्यक्रम का आयोजन गत सितम्बर को शाम 6.30 से रात्रि 9.30 बजे तक लक्ष्मीनगर स्थित साईटिफिक सभागृह में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नागपुर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी रमेश मंत्री व आर्वी के सुंदरलाल केला (स्व. बरखा के नाना) ने दीप प्रज्वलित कर किया। अकादमी की ओर से डायरेक्टर ज्योत्स्ना जाजू द्वारा अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। 'अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय' मंडल द्वारा संचालित संगीत की परीक्षा में इस वर्ष मेरीट एवं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का प्रमुख अतिथि श्री मंत्री द्वारा सम्मान चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। प्रतिवर्ष कुछ नया हो इसे ध्यान में रखते हुए इस वर्ष इंद्रधनुषी रंगों में अलग-अलग रस के विविध फिल्मी गीतों का समावेश किया गया। बच्चों ने इस कार्यक्रम की शुरूआत करके 'सायंटिफिक हॉल' के खचाखच भरे हॉल में सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। श्रीमती जाजू का हिन्दुस्तानी क्लासिकल संगीत एवं पाश्चात्य संगीत का मेल श्रोताओं के लिये नया उपक्रम था। मंच संचालन तथा स्टेज डेकोरेशन आदि सभी कार्य विद्यार्थियों ने ही किया। केवल संगीत ही नहीं अपितु संपूर्ण आर्ट जिसमें जो हुनर है उसको प्रोत्साहित कर उसे आगे लाने का इस अकॅडेमी की डायरेक्टर श्रीमती जाजू ने प्रयास किया।

गीतों से बरखा को श्रद्धांजलि

कार्यक्रम समापन के पूर्व अकॅडेमी की डायरेक्टर ज्योत्स्ना जाजू व मनोज जाजू ने अपनी दिवंगत प्यारी बिटिया बरखा (ज्ञात रहे कि 19 वर्षीय जिनका सड़क दुर्घटना में दुःखद निधन हो चुका है) को 'एक प्यार का नगमा है' गीत से श्रृद्धांजलि देकर हाल के पूरे वातावरण को नम कर दिया। इस गीत से सारंग मनोज जाजू ने भी उनका साथ दिया। उसके बाद उन्होंने 'जिंदगी मिलके बितायेंगे' इस अंतिम गीत को गाकर। जीवन में आने बढ़ना यही जीवन की सच्चाई हैं, का संदेश हाल में उपस्थित श्रोताओं के दिलों तक पहुँचाया।

नंदोत्सव का हुआ आयोजन

सीकर। माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा माहेश्वरी भवन (फतेहपुरी गेट) में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर नन्दोत्सव हर्षो-उल्लास से मनाया गया। इस मौके पर सभी महिलाओं ने मिलकर भजन गाये व एक-दूसरे को बधाइयाँ बाँटीं। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष उमा बियाणी, सचिव गरिमा सारड़ा, कार्यक्रम संयोजिका अंजू काबरा, लता सोमानी, सहसंयोजिका बृजेश साबू, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी सोढ़ानी, सविता बियानी, संजू बियानी, राधिका, अंजना सहित कई सदस्याएें उपस्थित थीं।

माहेश्वरी बने चेम्बर सदस्य

जयपुर। गत माह राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (राजस्थान की व्यापार व उद्योग की शीर्ष प्रतिनिधि संस्था) की कार्यकारिणी समिति (सत्र 2015-2018) के चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें ओमप्रकाश माहेश्वरी (टुवानी) कार्यकारिणी समिति के सदस्य निर्वाचित किए गए। राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स में आप 5 वीं बार कार्यकारिणी सदस्य चुने गए हैं। श्री माहेश्वरी जयपुर हार्डवेयर मर्चेन्ट्स एसोसिएशन व जयपुर गुलाबी नगर जैसीज के अध्यक्ष व महारानी गायत्री देवी मार्केट एसोसिएशन के लगातार ग्यारह वर्ष तक महामंत्री रह चुके हैं।

समदानी अध्यक्ष-लड्ढा सचिव

ऋतु समदानी

उदयपुर। माहेश्वरी महिला सेवा समिति के एक और समूह के चुनाव निर्वाचन अधिकारी रमेश प्रकाश माहेश्वरी की देखरेख में सम्पन्न हुये। इसमें ऋतु समदानी अध्यक्ष एवं रतन लड्ढा सचिव निर्वाचित की गईं।

वरिष्ठ नागरिक सभा का हुआ आयोजन

अमरावती। स्थानीय माहेश्वरी वरिष्ठ नागरिक सभा का आयोजन माहेश्वरी भवन में भिकमचंद तापड़िया की अध्यक्षता में हुआ। उपाध्यक्ष जुगल गट्टानी, ओमबाबू नावंदर, राजेन्द्र सारड़ा, रमेश दम्माणी, रजनी सारड़ा आदि मंचासीन थे। मंच संचालन राजेन्द्र सारड़ा ने किया। कार्यक्रम का संचालन जया राठी ने किया। इस अवसर पर गीता पठन, दहीहांडी व भजनों का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुआ।

> "यह आवश्यक नहीं है कि
> हर लड़ाई जीती ही जाए
> आवश्यक तो यह है कि
> हार से भी कुछ सीखा जाए।"

रक्तदान शिविर से पुण्य स्मरण

अजमेर। कन्हैयालाल बाहेती चॅरिटी ट्रस्ट द्वारा संस्थापक स्व. श्री कन्हैयालाल बाहेती के जन्म दिवस जन्माष्टमी के अवसर पर हरसौर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। माहेश्वरी समाज के प्रमुख रमेशचंद्र तापड़िया की अध्यक्षता में संपन्न इस शिविर में परिवार के सदस्यों एवं हरसौर ग्राम के युवाओं ने बड़ी संख्या में रक्तदान कर एक अदभुत मिसाल प्रस्तुत की। अजमेर स्थित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स की 10 सदस्यों की टीम का पूर्ण सहयोग मिला। इस अवसर पर चॅरिटी ट्रस्ट द्वारा संचालित सेकेंडरी एवम हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस प्रमुख हरीश सांखला थे। कार्यक्रम का संचालन अशोक बाहेती ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय बाहेती, मुकेश त्यागी, जुगल दायमा एवम् सभी ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

लखोटिया बने नागरिक संघ अध्यक्ष

कोलकाता। गत दिनों सम्पन्न वार्षिक साधारण सभा में गोपाल लखोटिया "नागौर नागरिक संघ" के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गये। आप विगत 33 वर्षों से इस सामाजिक संस्था से जुड़े हुए हैं। गत वर्ष संघ द्वारा स्वर्ण जयंती समारोह मनाया गया। जिसके अन्तर्गत कोलकाता के विभिन्न इलाकों में सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन में सहयोग व धन संग्रह करने में विशिष्ट भूमिका के लिये स्वर्ण जयन्ती वर्ष में श्री लखोटिया को "गोल्ड मेडल" से नवाजा गया। इसकी कार्यकारिणी समिति में नारायण हेड़ा, रामगोपाल राठी, महेश लोहिया, मनोज माहेश्वरी, कमल जाखोटिया आदि शामिल हैं।

कनिका बनी तीज क्वीन

रामनगर। तीज क्वीन का ताज कनिका माहेश्वरी को माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित तीज मिलन कार्यक्रम में पहनाया गया। रीना माहेश्वरी, अंजू अग्रवाल, पारूल, सुधा, सुषमा, नीतू, कनिका, शालू, तरंग, शिल्पी, रश्मी, राधा माहेश्वरी सहित कई महिलाएं मौजूद थीं।

राजस्थानी सेवा संगठन अध्यक्ष बने मूंदड़ा

सिकन्दराबाद (तेलगांना)। स्थानीय राजस्थानी सेवा संघठन के चुनाव में सर्वसम्मति से बद्रीविशाल मूंदड़ा अध्यक्ष चुने गये। उल्लेखनीय है कि श्री मूंदड़ा माहेश्वरी सेवा संघ सिकन्दराबाद के अध्यक्ष रह चुके हैं। नागोरी प्रवासी संघ माहेश्वरी समाज हैदराबाद में भी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

> "मनुष्य की वास्तविक पूंजी धन नहीं बल्कि उसके विचार हैं... क्योंकि धन तो खरीददारी में दूसरों के पास चला जाता है पर विचार अपने पास रह जाते हैं।"

नि:शुल्क नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

इन्दौर। गत 9 अक्टूबर को श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा इन्दौर नेत्र चिकित्सालय में विशाल नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। इसमें इन्दौर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के 200 से अधिक मरीजो का नेत्र परीक्षण किया गया व उनमें से चयनीत 25 रोगियों की आंखों का फेकोमल्सीफीकेशन पध्दति से ऑपरेशन किया गया। ट्रस्ट सचिव भरत सारड़ा ने बताया कि उक्त ऑपरेशन ट्रस्ट के सौजन्य से निःशुल्क किये गये व रोगियों को चश्में एवं दवाइयां भी वितरित की गईं। ट्रस्ट अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा ने हॉस्पिटल सोसायटी के डॉ. महाशब्दे व डॉ. बांडे का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जनकल्याण ट्रस्ट के ट्रस्टी गिरधरलाल सारड़ा, रामस्वरूप धूत, किशनगोपाल पुंगलिया, सुभाष राठी, रामेश्वरलाल सोमानी, लक्ष्मण माहेश्वरी, जयनारायण दम्मानी, ओमप्रकाश भूतडा, ओमप्रकाश कासट सहित समस्त सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

माधुरी ने दिया रांगोली प्रशिक्षण

अमरावती। इंडिया बुक ऑफ रिकार्डस तथा एशिया बुक रिकार्ड में दर्ज रांगोली कलाकार माधुरी सुदा ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर शहर में जलाराम बप्पा मंदिर सभागृह में डेढ़सौ से ज्यादा महिलाओं को विभिन्न तरह की रंगोली बनाना सिखाया। उल्लेखनीय है कि अमरावती, नागपुर, मलकापुर, वरूड, मोर्शी, अकोला के साथ बंगलोर, चेन्नई, कलकत्ता में भी रंगोली प्रशिक्षण दे चुकी हैं। इसमें कई तरह की रांगोली शामिल होती हैं।

पीएचई मंत्री श्रीमती माहेश्वरी का सम्मान

चेन्नई। विगत दिनों राजस्थान सरकार की जलदाय मंत्री किरण माहेश्वरी का चेन्नई आगमन हुआ। यहाँ पर श्री माहेश्वरी सभा चेन्नई और उनकी सभी साथी संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा श्रीमती माहेश्वरी का समारोह पूर्वक सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजस्थान एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम फलोर, मंत्री मोहनलाल बजाज, प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के जेठमल सारडा आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। चेन्नई सभा अध्यक्ष गोपालदास डागा ने स्वागत भाषण दिया। उपाध्यक्ष मनोहरलाल सांवल और सहसचिव महेन्द्र बिहानी ने भी श्रीमती माहेश्वरी का पुष्पगुच्छ से सम्मान किया। अतिथि परिचय नीलम-भरत सारड़ा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन पूजा चांडक ने किया।

खामगांव में जनवरी में परिचय सम्मेलन

खामगाँव (महा.)। श्री महेश सेवा समिति खामगांव (महाराष्ट्र) द्वारा माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिचय सम्मेलन का आयोजन 9 व 10 जनवरी 2016 को श्री हरी लॉन्स् , खामगांव में किया जा रहा है। समिति का यह द्वितीय आयोजन होने जा रहा है। इसमें युवक एवं युवती प्रत्याशियों के लिए पंजीयन शुल्क रू. 1000 रखा गया है। एक युवती व एक युवक दोनों का एक साथ पंजीयन कराने पर सामूहिक शुल्क रू. 1500 रखा गया है। इस में प्रत्याशी एवं दो अभिभावक कुल तीन सदस्यों के दो दिन के आवास एवं भोजन इत्यादि की व्यवस्था समिति की ओर से रहेगी। परिचय पुस्तिका में बायोडाटा प्रकाशित करने हेतु मात्र रू. 500 (डाकखर्च सहित) का भुगतान कर पंजीयन करा सकते हैं। प्रत्याशियों को डाक द्वारा पुस्तिका प्रेषित की जावेगी। पंजीयन शुल्क फार्म के साथ ''श्री महेश सेवा समिति'' के नाम से खामगांव में देय डीडी या चेक या नगद जमा कर पंजीयन करा सकते हैं। बायोडाटा भेजने की अंतिम तिथि 10 दिसम्बर 2015 रखी गई है। अधिक जानकारी के लिए परिचय सम्मेलन संयोजक प्रमोद मोहता, सहसंयोजक नंदकिशोर चांडक व समिति संयोजक कृष्णकांत भट्टड़ से संपर्क किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी एवं फॉर्म वेबसाईट www.maheshseva.com पर भी उपलब्ध है। उक्त जानकारी विदर्भ प्रादेशिक प्रचारमंत्री डॉ. विजय टावरी ने दी।

डॉ. विमला भंडारी 'द वूमेन ऑफ सब्सटेंस' से सम्मानित

उदयपुर। पत्रिका ''टाईम्स ऑफ इंडिया'' द्वारा पिछले दिनों महिलाओं द्वारा मेवाड़ क्षेत्र की उन तमाम महिलाओं को नवाजा गया, जिन्होंने पिछले लम्बे समय से क्षेत्र विशेष में सक्रिय कार्य करते हुए देश और समाज के विकास व निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी निभायी है। 'द वूमेन ऑफ सब्सटेंस' नाम से दिये जाने वाले इस सम्मान से सलूम्बर की रहने वाली डॉ. विमला भंडारी को बाल साहित्य के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गये उल्लेखनीय योगदानों के लिये सम्मान पत्र, शॉल और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

एक साल में 12 चीतों की हत्या

भीलवाड़ा। पीपुलफॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि पिछले एक वर्ष में प्रदेश के जंगलों में मानव की अत्यधिक बढ़ती दखलअंदाजी व जंगलों की तेज होती कटाई के चलते पैंथरों के भोजन-पानी की तलाश में गांवों, कस्बों व शहरी क्षेत्रों में आने से ग्रामीणों द्वारा 125 के लगभग पैंथरों की हत्या कर दी गयी है, जो चिन्तनीय व निन्दनीय है। श्री जाजू ने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही से पैंथरों व अन्य वन्य जीवों को पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। यह स्थिति राजसमंद, अजमेर के ब्यावर, भीलवाड़ा के शिवपुर, उदयपुर, अलवर, सवाई माधोपुर, बूंदी, कोटा आदि जिलों में विशेष रूप से बनी हुई है।

हिमालय यात्रा से करवाया रूबरू

इन्दौर। डॉ. अजय सोड़ानी ने श्री माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र, इन्दौर द्वारा आयोजित 'रूबरू' कार्यक्रम के तहत ऑडियो-विजुअल प्रजेंटेंशन देते हुए अपनी हिमालय यात्रा के अनुभव साझा किये। इसमें हिमालय के प्राकृतिक सौन्दर्य को व्यक्त किया, तो वहीं विकास से हो रहे विनाश को भी व्यक्त किया। डॉ. सोड़ानी, डॉ. अपर्णा सोड़ानी व गायिका दीपा किरण शानी का सम्मान हारफूल द्वारा समाज अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी एवं लक्ष्मी महिला मंडल की अध्यक्षा विनिता जाजू ने किया। आभार प्रदर्शन सहमंत्री राजेश सोमानी द्वारा किया गया। डॉ. सोड़ानी की लिखी कविता को अंत में गायिका दीपा शानी ने सुरीले ढंग से गाया जिसकी पंक्तियाँ थीं ''जी चाहता है, अपनी मिट्टी की थोड़ी-सी गंध ले लूं।'' कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र, इन्दौर के अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी, मंत्री किशन मून्दड़ा, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा सुशीला काबरा, मेघदूत क्षेत्र के अध्यक्ष आर.एल. माहेश्वरी तथा संयोजक राजीव बिन्नानी ने किया था।

> "एक औरत बेटे को
> जन्म देने के लिए
> अपनी सुन्दरता त्याग देती है,
> और वही बेटा
> सुन्दर 'बीवी' के लिए
> अपनी 'माँ' को त्याग देता है।"

महिला महाधिवेशन के लिये कार्यालय का शुभारंभ

इन्दौर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा इन्दौर में आगामी 9 से 11 जनवरी तक आयोजित वृहद महिला महाधिवेशन "सृजन सेतु 2016" हेतु आयोजक इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के कार्यालय का शुभारम्भ श्री माहेश्वरी भवन 108, सीतलामाता बाजार, इन्दौर, पर इन्दौर नगर पालिका निगम की पार्षद लता लड्ढा एवं स्वागताध्यक्ष पुष्पा जाजू के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा, पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, जिला सभा अध्यक्ष वीणा सोमानी, रमा सारड़ा, उर्मिला झंवर सहित जिला संगठन की अनेक पदाधिकारी उपस्थित थीं। अतिथियों का स्वागत वीणा सोमानी, सुमन सारड़ा, मंजू मर्दा एवं नम्रता राठी ने किया। श्रीमती लड्ढा ने प्रशासनिक स्तर पर नगरपालिका निगम की ओर से आयोजन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर "सृजन सेतु 2016" महिला महाधिवेशन हेतु नियुक्त संयोजिका कमल राठी, सहसंयोजिका शोभा माहेश्वरी, रेखा पसारी एवं कोषाध्यक्ष नम्रता राठी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रमिला भूतड़ा ने किया। मधुसुदन भलिका प्रचार प्रसार प्रभारी तथा पुष्प माहेश्वरी व अनिल मंत्री शोभायात्रा प्रभारी नियुक्त किये गये। इस महाअधिवेशन में देश-विदेश की 5 हजार से अधिक माहेश्वरी महिलाएं इन्दौर शहर में एकत्रित होंगी।

'रिश्ते वही सोच नई' पर चिंतन

मालेगांव (नासिक)। संयुक्त परिवार की संकल्पना को त्यागकर समाज में भी विभक्त परिवार की पद्धति प्रचलित हो गई है। इससे आर्थिक रूप से सुदृढ़ होने के बावजूद विभक्त परिवारों में तलाक का प्रमाण तेजी से बढ़ता आ रहा है। समय रहते

इस गंभीर समस्या पर चिंतन नहीं किया गया तो समाज को जल्द ही बड़ी समस्या का सामना करना पड़ेगा। यह चेतावनी चेतना लहर समिति के राष्ट्रीय संयोजक एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य अशोक बंग ने दी है। श्री बंग मालेगांव माहेश्वरी प्रगति मंडल द्वारा आयोजित "रिश्ते वही सोच नई" नामक टॉक शो में मार्गदर्शन दे रहे थे। चेतना लहर की राष्ट्रीय सहसंयोजक एवम् अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष विमलादेवी साबु ने कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों को संस्कार देने की भूमिका निभानी चाहिए। माहेश्वरी प्रगति मंडल मालेगांव के अध्यक्ष आशीष झंवर ने भविष्य में भी समाज को जोड़ने के लिए इस तरह के उपक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया। आयोजन समिति के प्रमुख भरत तापड़िया ने संयुक्त परिवार की खतरे में पड़ी संकल्पना पर चिंता व्यक्त करते हुए परिवारों में माता-पिता का स्थान श्रृद्धा का होने पर जोर दिया। टॉक शो में समाज के 150 से भी अधिक दम्पत्तियों ने हिस्सा लिया था। आभार प्रदर्शन मधुसुदन काबरा ने किया। सूत्र संचालन लक्ष्मीनारायण जाखोटिया ने किया। आयोजन को सफल बनाने में कल्पेश हेड़ा, डॉ. नरेश चांडक, गोकुल तापड़िया, स्वाति जाखोटिया, मीरा झंवर आदि ने योगदान दिया।

पॉलिथिन उपयोगकर्ता पर हो कार्यवाही

भीलवाड़ा। पीपुलफॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने कहा कि सरकार ने पॉलिथिन के क्रय-विक्रय व उपयोग पर 1 अगस्त, 2010 से रोक लगा रखी है। इसके बावजूद सरकारी कारिन्दों के गैर जिम्मेदाराना रवैये के चलते प्रदेश में 450 गायों की पॉलिथिन खाने से प्रतिदिन मृत्यु हो रही है। श्री जाजू ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि पॉलिथिन उपयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही अमल में लाकर जुर्माने का प्रावधान किया जाऐं। इससे पॉलिथिन के उपयोग में कमी आयेगी।

मासिक परिचय सम्मेलन 11 अक्टूबर को

कोटा। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा गत 15 वर्षों से वैवाहिक रिश्ते जोड़ने के लिये मैरिज ब्यूरो प्रकल्प का संचालन किया जा रहा है। मुख्य संयोजक रामस्वरूप गग्गड़ तथा संयोजक सत्यनारायण चाण्डक ने बताया कि इसके अन्तर्गत प्रतिमाह बायोडाटा परिचय सम्मेलन के साथ ही समय-समय पर परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाता है। मासिक विवरणिका में प्रत्याशी अपने बायोडाटा का निःशुल्क प्रकाशन करवाकर मात्र 100 रुपये शुल्क में 6 माह तक घर बैठे विवरणिका प्राप्त कर सकते हैं। यह वेबसाइड पर भी उपलब्ध है। इस शृखंला में सितम्बर माह की विवरणिका का प्रकाशन हो चुका है।

"लोहे को कोई
नष्ट नहीं कर सकता,
बस उसका जंग उसे नष्ट करता है,
इसी तरह आदमी को भी
कोई और नहीं
बल्कि उसकी सोच ही
नष्ट करती है।
सोच रखें अच्छी,
अच्छा ही होगा।"

वृद्धों का किया नेत्र परीक्षण

नागपुर। लायंस कलब ऑफ अमरावती इंद्रपुरी द्वारा बडनेरा रोड स्थित मधुबन वृद्धाश्रम में वृद्धों की आँखों का चेकअप कर सभी को चश्में दिये गये। इस कार्यक्रम में डॉ नरेंद्र भिवापुर अंध विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों ने गीतों की प्रस्तुति दी। लायंस डिस्ट्रीक्ट वीक के कनवेयर शरद बागडी मुख्य अतिथि थे। लायंस के पूर्व अध्यक्ष डॉ रविंद्र कासट ने श्री बागडी का परिचय दिया व लायंस प्रेसिडेंट श्रीचंद तेजवानी ने पुष्पगुच्छ देकर श्री बागडी का स्वागत किया। अंत में श्री बागडी ने क्लब सदस्यों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। मंच संचालन व आभार प्रदर्शन गोविंद कासट ने किया। प्रमोद हरकुट, उर्मिला हरकुट, डॉ. रविन्द्र कासट, गोविन्द कासट आदि कई सदस्य उपस्थित थे।

'जिला संगठन आपके द्वार' का विमोचन

उदयपुर। दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की कार्यसमिति एवं कार्यकारी मण्डल की बैठक प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी की अध्यक्षता में माहेश्वरी भवन श्रीनाथ मार्ग में सम्पन्न हुई। इसमें चेतना लहर, परिवार परिवेदना प्रकोष्ठ, कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर एवं केरियर गाईडेन्स कार्यक्रमों की महत्ता पर चर्चा कर आयोजन हेतु निर्णय लिया गया। इस अवसर पर जिला माहेश्वरी सभा उदयपुर द्वारा डॉ. पी. आर. सोमानी के सम्पादन एवं मुरलीधर गट्टानी की संरक्षता में समाज हितार्थ प्रकाशित पुस्तिका ''जिला संगठन आपके द्वार'' का विमोचन किया गया। जिलाध्यक्ष मोहनलाल देवपुरा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष जानकीलाल मून्दड़ा ने स्वागत उद्बोधन दिया। उक्त जानकारी प्रदेश महामंत्री इन्दरमल छापरवाल ने दी। आभार प्रदर्शन जिलामंत्री सम्पतलाल मण्डोवरा ने किया।

जिला संगठन की बैठक सम्पन्न

अमरावती। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की सभा माहेश्वरी भवन धामणगांव (रेल्वे) में सम्पन्न हुई। जिलाध्यक्षता संध्या केला, पद्मादेवी मूंधड़ा, पुष्पलता परतानी, उषा करवा, सुशीला गांधी, शशि मूंधड़ा धामणगांव तालुका अध्यक्ष अनुराधा राठी एवं माधुरी राठी मंचासीन थीं। अनुराधा राठी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। संध्या केला ने अपने मनोगत में ''बेटी ब्याहो बहूँ पढ़ाओ'' पर जोर दिया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा कार्यस्पर्धा में द्वितीय स्थान व पुणे में आयोजित शाईनिंग स्टारर्ज पुरस्कार से सम्मानित कार्यक्रम में निता मूंधड़ा का शाल एवं श्रीफल से सत्कार किया गया। अ.भा. संगठन की पूर्वाध्यक्षा पद्मादेवी मूंधड़ा द्वारा समाज की महिलाओं को समाजसेवा के लिये प्रेरित किया गया। रेणु केला, माधुरी सुदा, उषा मोहता, उषा राठी, सरला जाजू, शशि लाहोटी, सुनिता राठी, मोर्शी से उर्मिला राठी एवं सुषमा राठी, तिवसा से मेघा राठी, नंदा राठी, रजनी भूतड़ा, ज्योति चांडक, पुष्पा जाजू, हेमा राठी आदि कई सदस्याऐं उपस्थित थीं।

जन्माष्टमी पर्व का हुआ आयोजन

अमरावती। रोटरी मिडटाउन के जन्माष्टमी उत्सव में कृष्ण व राधा के आगमन पर सदस्यों ने उनका स्वागत किया। स्वागत करने वालों में पूनम धूत, शिल्पा नावंदर सहित कई महिलाऐं शामिल थीं। इसमें श्रीकृष्ण शेखर राठी व राधा-आशा राठी बनीं।

नंद महोत्सव का हुआ आयोजन

मुर्तीजापुर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गजानन महाराज मंदिर में नंदोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाएँ उपस्थित थीं। सर्वप्रथम महिलाओं द्वारा भजन गाये गये। तत्पश्चात् मुर्तीजापुर के सुप्रसिद्ध योगेश महाराज ने अपने सुमधुर वाणी से भजन गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आरती एवं प्रसाद वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। महिला मंडल की सभी सदस्याओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

"मैं बड़ों की इज्जत
इसलिए करता हूँ,
क्योंकि उनकी अच्छाइयाँ
मुझसे ज्यादा है
और छोटों से प्यार
इसलिए करता हूँ
क्योंकि उनके गुनाह
मुझसे कम हैं।"

बागड़ी का किया अभिनंदन

नागपुर। बारदान मर्चेंट एसोशियेशन के अध्यक्ष जवाहर चुग व सचिव मधुसूदन सारडा ने कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भारतीय की अध्यक्षता में समाजसेवक रोटरी ईलाईट के उपाध्यक्ष, लायंस डिस्ट्रीक्ट 323जी 1के कनवेयर व केन्द्रीय मानवाधिकार के ब्युरो चीफ शरद बागडी का सत्कार किया। उल्लेखनीय है कि श्री बागडी जीवन सुरक्षा प्रकल्प संस्था के निर्देशक भी हैं, जो नागपुर को एक्सीडेंट फ्री बनाने का उपक्रम कर रही है।

भट्टड़ अध्यक्ष-सारड़ा सचिव

नारायणदास भट्टड़

ओमप्रकाश सारड़ा

उमरखेड़ा। 46 वर्ष से सेवारत संस्था श्री राजस्थानी मंडल की आमसभा गत दिनों सम्पन्न हुई। प्रमुख अतिथि के रूप में सुरेशचन्द्र माहेश्वरी उपस्थित थे। इस अवसर पर सर्वसम्मिति से श्री राजस्थानी मंडल एवं स्व. गो.सो. सारड़ा राजस्थानी भवन की कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें अध्यक्ष नारायणदास भट्टड़ व सचिव ओमप्रकाश सारड़ा चुने गये। इसी प्रकार उपाध्यक्ष रवि मुन्नालाल शर्मा, सहसचिव राजकमल अग्रवाल व कोषाध्यक्ष मांगीलाल जांगीड चुने गये।

> "मैं किसी से बेहतर करूं
> क्या फर्क पड़ता है
> लेकिन
> 'किसी का' बेहतर करूं
> बहुत फर्क पड़ता है।"

पूजा डाँस अकादमी ने मनाई 10वीं वर्षगाँठ

नागपुर (महाराष्ट्र)। एक छोटी सी ख्वाहिश और उसे पूरी करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो कोई ऐसा सपना नहीं जो पूरा न होता हो । पूजा राठी ने भी अपने जुनून से अपने सपनों को मंजिल दी है। एक छोटे से क्लास रूम से एक एकेडमी का निर्माण किया। हाल ही में पूजा डांस एकेडमी ने अपनी 10वीं वर्षगांठ शानदार रूप से मनाई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर संघचालक राजेश लोया एवं गेस्ट ऑफ़ आनर ललित कला गुरु डॉ. विनोद इंदुरकर थे। सांई सभागृह हॉल में हुए इस रंगारंग कार्यक्रम में करीब 100 कलाकारों ने विविध रूप से नृत्य की प्रस्तृति दी। कार्यक्रम में शीला राठी, विशाल राठी, रमेश मंत्री सहित समाज के कई गणमान्य जन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन किरण मूंदड़ा एवं आभार प्रदर्शन पूजा राठी द्वारा किया गया।

पूजा महेश हुई सम्मानित

हापुड़। महिला शिक्षा और सुरक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के साथ चलाई गई देश की मुहिम के तहत हापुड़ जनपद में विभिन्न क्षेत्रों में अपने हौंसलो, शिक्षा और सशक्ति में मुकाम हासिल करने वाली 11 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इनमें स्थानीय माहेश्वरी महिला मण्डल की अध्यक्षा एवं 'अक्षरा निःशुल्क ज्ञान संस्था' की संस्थापिका एवं संचालिका पूजा महेश को उनकी सेवाओं एवं उपलब्धियों के लिये सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि अक्षरा संस्था के माध्यम से श्रीमती महेश विगत 10वर्षों से गरीब व असहाय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा व संस्कार प्रदान कर रही हैं।

56 भोग के साथ मना गणेशोत्सव

वरंगल। स्थानीय राजस्थानी गणेश उत्सव समिति के द्वारा आयोजित श्री गणेश नवरात्रि के 8वे दिन श्री गणेश जी के 56 भोग की झांकी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भक्त मंडल ने भजन संध्या में मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। उत्सव का विसर्जन शनिवार 26 सितम्बर को धूमधाम से हुआ। आयोजन समिति अध्यक्ष गिरधर मणियार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि विसर्जन उपरांत महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया।

समाजसेवी भवनों को मिले छूट

हैदराबाद। वर्तमान में अधिकांश राज्यों में चेरिटेबल ट्रस्ट अथवा समाजसेवी संस्थाओं द्वारा धर्मार्थ संचालित भवनों व धर्मशालाओं पर भी सामान्य रूप से लागू सम्पत्ति कर व किराया कानून के तहत कर लगाया जाता है। चेम्बर ऑफ ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री अध्यक्ष रमाकांत इन्नानी ने भारत सरकार के शहरी विकास मंत्री व पर्यटन राज्य मंत्री को इस सम्बंध में पत्र प्रेषित कर धर्मार्थ संस्थाओं को छूट देने के लिये समस्त राज्य सरकारों को आदेशित करने की मांग भी की गई, जिससे ऐसे भवनों का संचालन सुचारू रखा जा सके।

-- समन्वयक / सम्पर्क सूत्र एवं फार्म मिलने का स्थान --

क्र. स.	नाम	पता	शहर	मोबाईल	ई-मेल
1.	श्री जे. एम. बूब	अध्यक्ष, पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा 114/115 सेन्ट्रल स्कूल स्कीम, रातानाड़ा, जोधपुर	जोधपुर	98290 21999	cespl@rediffmail.com
2.	श्री रतनलाल डागा	जोधपुर जिला माहेश्वरी सभा राधिका, 6 सैलून हाउस, उम्मेद क्लब रोड़, जोधपुर	जोधपुर	94141 25193	dagaratanjodhpur@gmail.com
3.	डॉ. फूलकौर मून्दड़ा	ए-191 शास्त्रीनगर, जोधपुर (राज.)	जोधपुर	93523 51757	
4.	श्रीमती उमा बिड़ला	26 ए अरिहन्त नगर, गुरों का तालाब, जोधपुर (राज.)	जोधपुर	98282 65729	
5.	डॉ. नीलम मून्दड़ा	जौहरी अपार्टमेन्ट, खास बाग के सामने, रातानाड़ा, जोधपुर	जोधपुर	97821 50463	
6.	श्री बद्रीप्रसाद शारदा	रॉय कॉलोनी, बाड़मेर (राज.)	बाड़मेर	94141 05870	shardabadriprasad@gmail.com
7.	श्री रमेश डांगरा	मारवेल इलेक्ट्रॉनिक्स, माल गोदाम रोड़, बाड़मेर (राज.)	बाड़मेर	82390 22658	
8.	श्री कैलाश हेड़ा	14, विजय नगर, न्यू सांगानेर रोड़, वीर तेजाजी रोड़ मानसरोवर के सामने, जयपुर (राज.)	जयपुर	98290 54170	kailashheda@yahoo.co.in
9.	श्री जुगलकिशोर सोमानी	संयुक्त मंत्री, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा एस-2 पर्ल एन्क्लेव, 97 ब्रज मण्डल कॉलोनी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302 102 (राज.)	जयपुर	94140 11649	jugalkishoresomani@yahoo.co.in
10.	श्री रमेशचन्द्र परवाल	सी-16 अपोलो अपार्टमेन्ट, विद्याधर नगर सेक्टर 3, जयपुर 302 023 (राज.)	जयपुर	93148 70491	rcparwal@gmail.com
11.	श्री बंशीधर माहेश्वरी	अध्यक्ष, जालोर जिला माहेश्वरी सभा पो. सायला, जिला जालोर (राज.)	जालोर	94131 21212	
12.	श्री नन्दकिशोर जैथलिया	राधा माधव ग्रेनाईट एक्सपोर्ट, एफ 231, तृतीय चरण, इण्डस्ट्रीयल एरिया, जालोर	जालोर	94141 54211	
13.	राधेश्याम सोमानी	बी-210 शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा (राज.)	भीलवाड़ा	94143 02606	radheyshyam.somani@yahoo.co.in
14.	श्री प्रमोद कुमार पलोड़	अध्यक्ष, सोजत तहसील माहेश्वरी सभा हायर सैकेण्डरी स्कूल रोड़, सोजत सिटी (राज.)	सोजत सिटी	77376 22596	paloric@gmail.com
15.	श्री सुभाष भण्डारी	देवली कला, जिला पाली (राज.)	पाली	94146 09110	
16.	श्रीमती उर्मिला तापड़िया	कालिन्दी, 180 आदर्श नगर, पाली मारवाड़ (राज.)	पाली	93513 51000	
17.	श्री रमेश बाहेती	पुत्र श्री मोतीलाल स्टेशन रोड़, तिंवरी, जिला जोधपुर (राज.)	तिंवरी	94140 57706	
18.	श्री चन्द्रप्रकाश बिड़ला	मंत्री, नागौर जिला माहेश्वरी सभा जी डी सोनी मार्ग, मेड़ता सिटी 341 510 (राज.)	मेड़ता सिटी	94144 33351	
19.	श्री चन्द्रप्रकाश शारदा	शारदा पाड़ा, जैलसमेर (राज.)	जैसलमेर	94141 49719	
20.	श्री रामस्वरूप गग्गड़	1-8-25, दादाबाड़ी, कोटा (राज.)	कोटा	93526 16682	rcgaggar@yahoo.co.in
21.	श्री सत्यनारायण चाण्डक	136 आदित्य आवास कॉलोनी, गोपाल विहार, कोटा (राज.)	कोटा	92515 06174	
22.	श्री अभिषेक मंत्री	लक्ष्मी पैलेस, अन्नासागर सर्क्युलर रोड़, चौपाटी के सामने, अजमेर (राज.)	अजमेर	98290 70282	mantri_iron_traders@yahoo.com
23.	श्री सुनिल कुमार मून्दड़ा	लक्ष्मी कृषि यंत्रालय, पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर 305 001	अजमेर	98299 05529	sunilmundra1960@gmail.com
24.	श्री कांतिलाल झंवर	हनुमान सदन, 270/2 दयानंद कॉलोनी, रामनगर, अजमेर (राज.)	अजमेर	98291 02510	
25.	श्री भगवानदास मंत्री	मानव सेवा माहेश्वरी विवाह सेवा सहयोग इ 2/147 अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016 (म.प्र.)	भोपाल	88897 76699	
26.	श्री नन्दकिशोर गांधी	माहेश्वरी वैवाहिक प्रकाशन दुकान - 7 कॉलेज के सामने, रेशिमबाग चौक, नागपुर 440009	नागपुर	94221 05325	gandhinagpur@hotmail.com
27.	श्री गणेश भट्टड़	छत्तीसगढ़, माहेश्वरी विवाह सहयोग प्रकोष्ठ बलोदा बाजार, रायपुर 493 332	रायपुर	94255 06992	ganeshbhattar.bb@gmail.com
28.	श्री श्रीवल्लभ भराड़िया	209 स्टारलाईट टॉवर, वाई.एन. रोड़, इन्दौर (म.प्र.)	इन्दौर	98932 48100	shreebharadia@gmail.com
29.	श्री रमेश बूब	मैसर्स के. आर. बूब, पी 8, एम.आई.डी.सी. अंबड़, नासिक 422 010	नासिक	94231 77519	rboob@gmail.com
30.	श्री श्यामसुन्दर झंवर	146 नवी पेठ, जलगांव, महाराष्ट्र	जलगांव	94239 78139	
31.	श्री रामावतार साबू	एम-1277 सूरत टेक्सटाईल मार्केट, रिंग रोड़, सूरत-395 002	सूरत	93775 12371	ramavtarsaboo@yahoo.com
32.	श्री एस. एन. सादानी	माहेश्वरी मैरिज ब्यूरो, पी 7 कलाकार स्ट्रीट, तिसरी मंजिल, कोलकाता 700 007	कोलकाता	98304 27394	lalasadani@gmail.com
33.	श्री हरिदास राठी	दिल्ली राजस्थान ट्रान्सपोर्ट कम्पनी लि. 1206 अॅम्बियन्स कोर्ट सेक्टर 19, एपीएमसी आरटीओ के सामने, वाशी नवी मुम्बई - 400 705	नवी मुम्बई	......	mumbai@drtcindia.com
34.	श्री ओमप्रकाश जैसलमेरिया	अजय, 57 सरोजिनी रोड़, विलेपार्ले (प.) मुम्बई 400 056	मुम्बई	98690 32252	opjsrv@yahoo.com

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

मो. 098290 21999

अखिल भारतीय विवाह योग्य माहेश्वरी युवक - युवती परिचय सम्मेलन - 2016

दिनांक : 2 - 3 जनवरी, 2016

स्थान : होटल चन्द्रा इन, पांच बत्ती चौराहा, एयरफोर्स, जोधपुर (राज.)

E-mail Id : info@prpms.in Website : www.prpms.in

पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो लगाये

क्रमांक ☐

परिचय - पत्र

सामान्य ☐ विशिष्ठ ☐ युवक ☐ युवती ☐

साखें	स्वयं								ननिहाल							
प्रत्याशी का नाम																
जन्म तिथि	D	D	M	M	Y	Y	Y	Y	समय	H	H	M	M	AM / PM	जन्म स्थान	
क्या जन्म पत्रिका मिलान आवश्यक है (हाँ / नहीं)									मांगलिक है (हाँ / नहीं)							
लम्बाई	Ft.	In	cms.	रंग					वजन							
शिक्षा									शिक्षा का माध्यम (हिन्दी/अंग्रेजी)							
प्रत्याशी का व्यवसाय									प्रत्याशी की वार्षिक आय							
कार्य करने के स्थान का पता																
प्रत्याशी के निवास स्थान का पता																
फोन नं.	(STD)								मोबाईल							
ई-मेल									फेस बुक आई डी							

पिता का नाम		व्यवसाय		मासिक आय	
माता का नाम		गृहिणी / कार्यरत			
व्यवसाय स्थल					
निवास स्थान					
फोन नं.	(STD)		मोबाईल		
ई-मेल					

	नाम	उम्र	विवाहित/अविवाहित	ससुराल
भाई				

	नाम	उम्र	विवाहित/अविवाहित	ससुराल
बहन				

रिश्तेदारों के नाम	रिश्ता	शहर	मोबाईल नम्बर

विशिष्टता यदि कोई है तो :

अधिक उम्र		विकलांग		विधुर	
तलाक शुदा		संतान सहित		संतान रहित	
अन्य (यदि है तो)					

			हस्ताक्षर करने वाले का नाम	प्रत्याशी से रिश्ता
दिनांक				
स्थान		हस्ताक्षर		

शुल्क जमा करवाने का विवरण			कार्यालय उपयोग हेतु		
बाबत	राशि	कुल राशि	रसीद संख्या	तारीख	राशि
पंजीयन शुल्क	रू. 500/-				
आवास एवं भोजन प्रति दिन प्रति व्यक्ति	रू. 500/-				
सी. डी. शुल्क	रू. 100/-				
अन्य शुल्क					
			स्मारिका में प्रविष्ठि क्रमांक		

बायोडाटा फार्म की फोटो कॉपी भी मान्य होगी।

माहेश्वरी स्वयंवर 2015

★19 एवं 20 दिसम्बर 2015 ★वृन्दावन

ई–मेल maheshwariswayamvar@gmail.com www.maheshwariswayamvar.com

कार्यालय उपयोग हेतु	
नोंद नं.	
रसीद नं.	

कार्यालयः माहेश्वरी स्वयंवर 2015 12, कुंवर कॉलोनी, खंदारी, आगरा 282002 सम्पर्क : 0562-4008990, 8171724747

युवक ☐ युवती ☐ विशिष्ट ☐ *फार्म में दी गई जानकारी हेतु प्रत्याशी/अभिभावक ही जिम्मेदार होंगे।*

प्रत्याशी का नाम ______

पिता श्री ______ अभिभावक का नाम ______

साखें :- स्वयं ______ ननिहाल ______

जन्म दिनांक ☐☐☐☐☐☐☐☐ आयु ☐☐ वजन ☐ Kg. ऊंचाई ☐ Ft. ☐ Inch रंग ☐

शिक्षा ______

प्रत्याशी का व्यवसाय ______ मासिक आय ______

कार्यरत संस्था का नाम/पता ______

______ फोन ______ मो. ______

प्रत्याशी का पासपोर्ट साईज का रंगीन फोटो यहाँ चिपकाएं व दूसरे फोटो पर पीछे नाम लिखकर साथ में अनिवार्य रूप से जमा कराएं

पारिवारिक संरचना (पिता अथवा अभिभावक का विवरण) :

पिता/अभिभावक व्यवसाय ______ मासिक आय : ______

माता का नाम ______ कार्य ______

निवास का पता ______

शहर/गाँव ______ जिला ______ राज्य ______ पिन ☐☐☐☐☐☐

मोबाईल ______ निवास : ( ) ______ ई-मेल ______

पत्रिका मिलान हेतु आवश्यक जानकारी भरें

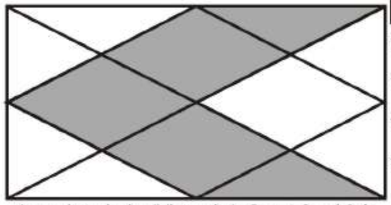

नोट : हलके रंग से भरे घरों में मंगल हो तो पत्रिका मांगलिक होती है।

पत्रिका मांगलिक है ☐ नहीं ☐

जन्म दिनांक ______ जन्म समय ______

जन्म स्थान ______ राशि ______

नक्षत्र ______ चरण ______

नाड़ी ______ गण ______

भाई - विवाहित ☐ अविवाहित ☐

बहन - विवाहित ☐ अविवाहित ☐

जो लागू हो उसे ✓ कर देवें

परिवार : संयुक्त ☐ एकल ☐

निवास : स्वयं ☐ किराया ☐

वाहन : कार ☐ दुपहिया ☐

प्रत्याशी के प्रमुख संबंधी (भाई, बहन, ताऊ, काका, मामा, नाना एवं अन्य प्रमुख संबंधी लिखें)

क्रमांक	नाम	संबंध	व्यवसाय/ नौकरी	शहर एवं सम्पर्क नं.
1.				
2.				
3.				

विशिष्ट प्रत्याशी विधुर, विधवा, विकलांग, तलाकशुदा (तलाक पत्र संलग्न करें)

प्रत्याशी ग्रुप (✓) A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

विशेष सूचना - कृपया बायो डाटा अवश्य संलग्न करें। अतिरिक्त सूचना के लिए अतिरिक्त शीट का प्रयोग कर सकते हैं।

कार्यक्रम स्थलः होटल दि रायल भारती

तेहरा रोड, गोपाल गढ़, ओमेक्स टाउनशिप के सामने वृन्दावन, जिला–मथुरा–281121 (उत्तर प्रदेश)

यहाँ से काटें

शनिवार, दिनांक 19 दिसम्बर 2015

ग्रुप A) ग्रेजुएट, ☐ पोस्ट ग्रेजुएट ☐

ग्रुप B) विधुर ☐ विधवा ☐ कस्बा–ग्रामीण अंचल निवासी ☐

अल्पशिक्षित ☐ अधिक आयु ☐ तलाकशुदा ☐ परित्यक्त ☐

रविवार, दिनांक 20 दिसम्बर 2015

ग्रुप C) उच्च शिक्षित ☐ प्रोफेशनल्स ☐

ग्रुप D) विशिष्ट प्रतिभागी – नेत्रहीन ☐ सूरजमुखी ☐

शारीरिक दोष ☐ विकलांग आदि ☐

परिचय सम्मेलन में भाग लेने हेतु
नियमावली

विवरण भरने के पूर्व ध्यान देने योग्य आवश्यक बिन्दू :-

1. विवरण पत्र में प्रत्याशी ग्रुप सम्बन्धी जानकरी स्पष्ट रूप से उल्लेख करें।
2. परिचय सम्मेलन की सफलता के लिए अभिभावक गण से निवेदन है कि व प्रत्याशी को अवश्य साथ में लावें।
3. पंजिकरण शुल्क रु.1000/- प्रति प्रत्याशी रखा गया है। इसमें दो परिवारजन व प्रत्याशी सहित कुल 3 व्यक्तियों का नाश्ता भोजन (लंच) सम्मिलित है। आवास व्यवस्था सम्मिलित नहीं है।
4. पंजिकृत प्रत्याशी यदि सम्मेलन स्थल पर उपस्थित नहीं होता है तो विवरणिका रु. 150/- अतिरिक्त डाक खर्च देने पर उसके घर पर भेज दी जायेगी।
5. पंजियन शुल्क 'जिला माहेश्वरी सभा आगरा' के नाम से NEFT /RTGS / एकाउण्ट पेई ड्राफ्ट जो कि आगरा पर देय हो, ही भेजें। ड्राफ्ट के पीछे प्रत्याशी का नाम व पता अवश्य लिखें। NEFT/RTGS करने पर UTR No. तुरंत भेजें / नगद भुगतान पर रसीद अवश्य प्राप्त करें। बिना रसीद के विवरणिका नहीं दी जायेगी।
6. समस्त जानकारी इस विवरण पत्र में साफ अक्षरों में हिन्दी में भरें। जन्म दिनांक, फोन, मोबाइल आदि अंकों को अंग्रेजी में भरें। जन्म पत्रिका स्पष्ट भरें। किसी प्रकार की गलत जानकारी देने पर जवाब देही आपकी होगी।
7. भारत के संविधान अनुसार युवक प्रत्याशी की आयु 21 वर्ष एवं युवती की 18 वर्ष न्यूनतम होनी चाहिए।
8. फार्म उपलब्ध नहीं होने पर फार्म की फोटो कापी भर कर भेज सकते हैं।
9. सम्बन्ध करने के पूर्व संबन्धित पक्ष की पूर्ण जानकारी लेवें। आयोजकों की इस मामले में कोई जवाब देही नहीं होगी। यह मात्र समाज सेवा है।
10. पंजियन की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर है। विलम्ब शुल्क रु. 500/- के साथ अन्तिम तिथि 30 नवम्बर है। इस दिनांक तक ही फार्म स्वीकार किये जायेंगे। उसके पश्चात फार्म मुख्य विवरणिका में प्रिंट नहीं हो पायेंगे।
11. सगे भाई - बहन के फार्म जमा करने पर पंजियन शुल्क रु. 2000/- के स्थान पर रु. 1500/- ही लिया जायेगा एवं विवरणिका दोनो के बीच एक ही दी जायेगी।
12. यह सामाजिक सेवा है, किसी भी तरह का विवाद मान्य नहीं होगा। अन्तिम निर्णय आयोजन समिति का ही रहेगा।
13. आवास की व्यवस्था आपको स्वयं के खर्चे पर करनी है। आपकी सुविधा हेतु हम आवास हेतु कुछ स्थानों के विवरण दे रहे हैं। जिनसे आप स्वयं सम्पर्क करके बुकिंग कर सकते हैं।
14. यदि 19 एवं 20 दिसम्बर दोनो दिन का रजिस्ट्रेशन करते हैं तब शुल्क रु.1500/- प्रत्येक प्रतिभागी का लगेगा। विवरणिका एक ही दी जायेगी।
15. नेत्रहीन प्रत्याशी हेतु पंजीकरण व आवास व्यवस्था निःशुल्क रहेगी।
16. फोटो, एक फुल साइज एवं एक पासपोर्ट साईज अवश्य भेजें।
17. अतिरिक्त विवरणिका लेने का शुल्क रु. 250/- देय होगा। (उपलब्धता पर निर्भर)
18. इस विवरण पत्र में किसी भी प्रकार की गलत जानकारी देने पर प्रत्याशी व परिवारजन उत्तरदायी होंगे।

प्रतिक्षा रत :

कार्यक्रम संयोजक : **श्री नन्द किशोर झँवर** (वाराणसी) 9889533733, 9452854160

संयुक्त संयोजक : **श्री सी.ए. संजीव माहेश्वरी** (आगरा) 9319104132, 9412257055

सहसंयोजक : **श्री किशोर मूंदड़ा** (वाराणसी) 9839058238 **श्री मदनलाल लखोटिया** (कानपुर) 9235639235 **श्री सन्तोष माहेश्वरी** (कासगंज) 9358058559

कार्यालय प्रमुख : **श्री मनोज दुजारी** (आगरा) 9319759510 9997409990

प्रदेश अध्यक्ष : पूर्वी उ० प्र० **श्री विनोद माहेश्वरी** (लखनऊ) 9450379025 मध्य उ० प्र० **श्री राजेश माहेश्वरी** 9415032541
पश्चिमी उ० प्र० **श्री कौशल किशोर पल्तानी** 7500379622

प्रदेश मंत्री : पूर्वी उ० प्र० **श्री नन्द किशोर झँवर** मध्य उ० प्र० **श्री संजय लोईवाल** 945131282 पश्चिमी उ० प्र० **श्री कमलेन्द्र माहेश्वरी** 9927021160

संरक्षक मण्डल : **श्री विनोद माहेश्वरी** (मोदी नगर) 9837072760 **श्री अजय काबरा** (भदोही) 9839049109 **श्री वीरेन्द्र भुराड़िया** (वाराणसी) 9415203676

कार्यक्रम समन्वयक : **श्री लोकेन्द्र करवा,** (वाराणसी) 9918300268, 9839062871 **श्री हरि कृष्ण मूंदड़ा** (कानपुर) 9559898473
श्री राकेश मोहता (अलिगढ़) 9410692888

प्रत्याशी के हस्ताक्षर	पिता/अभिभावक के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करने हेतु बैक खाते का विवरण

धनराशि ____________ **दिनांक** ____________ **माध्यम** ____________

JILA MAHESHWARI SABHA, AGRA | Central Bank of India. A/c No. 3180885074, | Jama Maszid Branch, Agra | RTGS-IFSC Code CBIN 0282243

कैट में यश को 99 पर्सेंटाईल

गोंदिया -(महाराष्ट्र)। समाज सदस्य ब्रजरतन् मूंदड़ा के ज्येष्ठ सुपुत्र यश मुंदड़ा ने कैट की परीक्षा में 99.89 पर्सेंटाइलप्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया। गौरतलब है कि बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के यश ने हर परीक्षा मे सर्वधिक नंबर लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र बोर्ड की दसवी की परीक्षा में भी वे गोंदिया जिला मे प्रथम रहे थे। यश आई. आई. टी रुड़की से बायोटेकनालॉजी मे ग्रेजुएशन किया है। से कर रहे हैं।

दिव्या ने किया एमबीए

सांगली। वरंगल निवासी अशोक कुमार व अनिता सोनी की सुपुत्री तथा सांगली के अनिरूद्ध सारडा की धर्मपत्नी दिव्या सोनी ने एम.बी.ए. में सफलता प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

देवांश को 9.6 सीजीपीए

इन्दौर। समाज सदस्य मुकेश व नम्रता बियानी के सुपुत्र देवांश माहेश्वरी (बिन्नानी) ने सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा 9.6 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वत्सल को रजत पदक

उज्जैन। इन्दौर निवासी बाबूलाल-पार्वती राठी के पौत्र, अर्पित-सपना राठी के सुपुत्र तथा उज्जैन के समाज-सेवी आनन्दी लाल-हेमलता गाँधी के दोहित्र वत्सल राठी ने जबलपुर में सम्पन्न 61वीं राज्य शालेय रोलबॉल स्पर्धा अंडर 19 बालक वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

दोनों में से एक को ही पाया जा सकता है- ''भौतिक सुख'' या ''आत्मशान्ति''।

सायली बनी सी.ए.

येवदा (अमरावती)। माहेश्वरी समाज के प्रतिष्ठित मेडीकल व्यवसायी रमेश तथा साधना राठी की सुपुत्री सायली ने 21 वर्ष की अवस्था में सी.ए. की परीक्षा नागपुर से उत्तीर्ण। इसमें उन्हें राजेश राठी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

यामिनी बनी सीएस

दुर्ग (छ.ग.)। समाज सदस्य गोविन्द व मोहनी टावरी की सुपुत्री यामिनी ने सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की। श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग द्वारा इस सफलता के लिये यामिनी का अभिनंदन किया गया।

मैरिट लिस्ट में दीप

अकोला। स्थानीय व्यापारी संतोष एवं प्रीति लड्ढा के कक्षा 5 वीं में अध्ययन सुपुत्र दीप लड्ढा ने स्कॉलरशीप परीक्षा में अकोला जिले से 10 वाँ स्थान प्राप्त किया। दीप को विस्डम सायंस एवम् मैथ्य स्कॉलरशीप अवार्डस् से भी नवाजा गया। महाराष्ट्र राज्य की यह शिष्यवृत्ति उसे 3 वर्षों तक मिलती रहेगी।

गणेशोत्सव का हुआ आयोजन

कोलकाता। श्री सिद्धिविनायक भक्त मण्डल द्वारा श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। उक्त जानकारी देते हुए मंडल मंत्री सुशील कोठारी ने बताया कि इस उत्सव की अध्यक्षता हिन्द रत्न डॉ. उमेश कुमार राठी ने की।

उच्चशिक्षित परिचय सम्मेलन का आयोजन

पुणे। "परिचय सम्मेलन समिति" महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा पुना में "महेश सेवा संघ" के द्वारा आगामी 29 नवंबर को "उच्च शिक्षित परिचय" सम्मेलन का आयोजन कर रही है। रजिस्ट्रेशन सिर्फ ऑन लाईन करने की सुविधा उपलब्ध है। सम्मेलन में सीमित प्रवेश ही रखे गये हैं। फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 5 नवम्बर है। शुल्क 2000/- के साथ फॉर्म भरने के लिये वेबसाईट- www.maheshsevasanghpune.com पर लॉगइन किया जा सकता है। अधिक जानकारी हेतु हरिकिशन मुंदड़ा, जवाहर बाहेती, श्यामसुन्दर मुंदड़ा, श्रीकांत मुंदड़ा, रामविलास लखोटिया व रामविलास माहेश्वरी आदि से भी सम्पर्क किया जा सकता है।

सत्तु तीज का हुआ आयोजन

महू। सातुड़ी तीज पर माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने घर-घर पूजा-अर्चना की और सत्तू भी पीसे। प्लाउडन रोड स्थित गोपाल मंदिर धर्मशाला में माहेश्वरी महिला मंडल के सामूहिक कार्यक्रम की शुरूआत सातूड़ी तीज के भजनों के साथ हुई। इसमें महिलाओं ने अनेक प्रकार के रोचक गेम्स खेले, जिसमें मुख्य रूप से तीज पर आधारित तंबोला व तीज पर आधारित प्रश्नोत्तर गेम्स आदि शामिल थे। अध्यक्षता अलका शारदा ने की। इस अवसर पर सीता चिंचाणी, स्वाति शारदा, शकुंतला ढोली, लक्ष्मीकांता सोढ़ानी, सरिता बियाणी, पद्मा सोनी, कृष्णा लोया, लता लड्ढा, किरण माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपास्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन आशा सोढ़ानी ने किया।

> करीब इतना रहो कि रिश्तों में प्यार रहे,
> दूर भी इतना रहें कि आने का इंतजार रहे,
> रखें उम्मीद रिश्तों के दरमियान इतनी
> कि टूट जाये उम्मीद मगर रिश्ते बरकरार रहे।

।। जय महेश ।।

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति की
वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और घर बैठे देखें २००० रिश्ते

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

B.E.,MBA,C.A.,Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.400 (एक वर्ष के लिए)

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.
• SBI A/C No. 34040329615 • BULDHANA URBAN : 21 / 722

कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)
फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

दीपावली उत्सव के अन्तर्गत धनतेरस से भाईदूज तक 5 दिवसीय पर्व का आयोजन होता है। इन्हें हम मनाते तो प्रतिवर्ष हैं, लेकिन जानते बहुत कम लोग ही हैं कि इसका आयोजन ''आखिर क्यों'' होता है? इसी ''क्यों'' का जवाब धर्म शास्त्रों से तलाश रहे हैं, हम।

पाँच दिवसीय दीपोत्सव में आखिर ऐसा क्यों?

क्यों होता है धनतेरस पर दीपदान?

धनतेरस पर भगवान यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो धनतेरस के दिन दीपदान करता है उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता। इस मान्यता के पीछे पुराणों में एक कथा वर्णित है एक समय यमराज ने अपने दूतों से पूछा कि क्या कभी तुम्हें प्राणियों के प्राण का हरण करते समय किसी पर दयाभाव भी आया है। तो वे संकोच में पड़कर बोले-नहीं महाराज! यमराज ने उनसे दोबारा पूछा तो उन्होंने संकोच छोड़कर बताया कि एक बार एक ऐसी घटना घटी थी, जिससे हमारा हृदय कांप उठा था। हेम नामक राजा की पत्नी ने जब एक पुत्र को जन्म दिया तो ज्योतिषियों ने नक्षत्र गणना करके बताया कि यह बालक जब भी विवाह करेगा, उसके चार दिन बाद ही मर जाएगा। यह जानकर उस राजा ने बालक को यमुना तट की गुफा में ब्रह्मचारी के रूप में रखकर बड़ा किया। एक दिन जब महाराजा हंस की युवा बेटी यमुना तट पर घूम रही थी, तो उस ब्रह्मचारी युवक ने मोहित होकर उससे गंधर्व विवाह कर लिया। चौथा दिन पूरा होते ही वह राजकुमार मर गया। अपने पति की मृत्यु देखकर उसकी पत्नी बिलख-बिलखकर रोने लगी। उस नवविवाहिता का करुण विलाप सुनकर हमारा हृदय कांप उठा। उस राजकुमार के प्राण हरण करते समय हमारे आंसू नहीं रूक रहे थे। तभी एक यमदूत ने पूछा-क्या अकाल मृत्यु से बचने का कोई उपाय नहीं है? यमराज बोले -हां उपाय तो है। अकाल मृत्यु से छुटकारा पाने के लिए व्यक्ति को धनतेरस के दिन पूजन और दीपदान विधिपूर्वक करना चाहिए। जहां यह पूजन होता है, वहां अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता। कहते है कि तभी से धनतेरस के दिन यमराज के पूजन के पश्चात् दीपदान करने की परंपरा प्रचलित हुई।

क्यों होती है धनवन्तरी पूजन?

धनतेरस का त्योहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। इस दिन भगवान धनवन्तरी क्षीरसागर से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए वैद्य समाज हर्षोल्लास के साथ धन्वंतरि जयंति मनाता है। उल्लेखनीय है कि अमृतपान करने वाला प्राणी अमर हो जाता है, इसीलिए धनवन्तरि भगवान ने देवताओं को अमृतपान करवाकर अमर कर दिया था। भगवान विष्णु के अंश से अवतरित भगवान धनवन्तरि आयुर्वेद के प्रवर्तक तथा आरोग्य के देवता रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। यही कारण है कि धनतेरस के दिन दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना के लिए भगवान धनवन्तरि के पूजन का विशेष माहात्म्य है। धनतेरस की प्राचीनता का प्रमाण वैदिक साहित्य में भी पाया जाता है। चूंकि यमराज वैदिक देवता माने जातक हैं, इसलिए इस दिन यमराज की भी पूजा की जाती है। धनतेरस के दिन लक्ष्मी का आवास घर में माना जाता है। इस तिथि को पुराने बरतनों के बदले नये बरतन खरीदना शुभ माना गया है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि चांदी के बरतन खरीदने से अधिक पुण्य लाभ मिलता है।

क्यों मनती है नरक चतुदर्शी ?

दीपावली के एक दिन पूर्व नरक चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन मुख्य रूप से मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। नरक चतुर्दशी का पर्व मनाने के पीछे

कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। उन्हीं में से एक कथा नरकासुर वध की भी है। प्रागज्योतिषिपुर नगर का राजा नरकासुर नामक दैत्य था। उसने अपनी शक्ति से इंद्र,वरूण, अग्नि, वायु आदि सभी देवताओं को परेशान कर दिया। वह संतों को भी त्रास देने लगा। महिलाओं पर अत्याचार करने लगा। उसने संतों आदि की 16 हजार स्त्रियों को भी बंदी बना लिया। जब उसका अत्याचार बहुत बढ़ गया तो देवता व ऋषिमुनि, भगवान श्रीकृष्ण की शरण में गए। भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें नरकासुर से मुक्ति दिलाने का आश्वासन दिया। लेकिन नरकासुर को स्त्री के हाथों मरने का श्राप था इसलिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा को सारथी बनाया तथा उन्हीं की सहायता से नरकासुर का वध कर दिया। इस प्रकार श्रीकृष्ण ने कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर का वध कर देवताओं व संतों को उसके आंतक से मक्ति दिलाई। तभी से नरक चतुर्दशी तथा अगले दिन दीपावली का त्योहार मनाया जाने लगा।

क्यों होती है लक्ष्मी के साथ अन्य देवों की पूजा ?

इस त्यौहार की व्रत कथा का उल्लेख धर्मग्रंथों में इस प्रकार हुआ है- 'एक बार सनतकुमार ने शौनकादि ऋषि-मुनियों से पूछा-दीपावली के त्यौहार पर लक्ष्मीजी के अलावा अन्य देवी-देवताओं का पूजन क्यों किया जाता है? वे बोले-एक बार दैत्यराज बलि ने अपने बाहुबल से अनेक देवी-देवताओं सहित लक्ष्मीजी को बंदी बनाकर कारागर में डाल दिया। जब कार्तिक की अमावस्या को श्रीहरि विष्णु भगवान ने वामन का रूप धारण कर बलि को बांध लिया, तब कहीं जाकर उन सभी को कारागार से मुक्ति मिली। फिर श्रीहरि लक्ष्मी के साथ शयन हेतु क्षीरसागर में चले गये। इसीलिए अन्य देवी-देवताओं के साथ लक्ष्मी के शयन व पूजन का विधान बनाया गया है। जो भी व्यक्ति उनका स्वागत उत्साहपूर्वक करके स्वच्छ कोमल शय्या प्रदान करता है, पूजन करता है, उनको लक्ष्मी छोड़कर नहीं जाती। जबकि प्रमाद व निद्रा मे पड़े लोगों के घर लक्ष्मी नहीं जाती।

क्यों मनता है दीपोत्सव

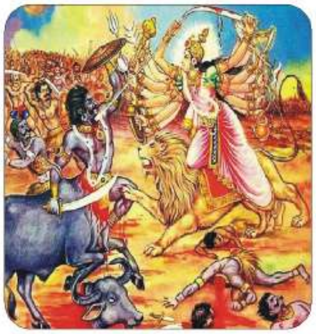

ब्रह्मा, विष्णु और शिव से वरदान पाकर दैत्यराज महिषासुर तीनों लोकों में आंतक मचाने लगा। इससे दुःखी देवता और मानव त्रिदेवों के पास पहुँचे तो शिव के सुझाव से देवी पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती से शक्तियां प्राप्त कर शक्ति स्वरूपा काली का जन्म हुआ। महादेवी और महिषासुर में नौ रातों तक भयंकर संग्राम चला। इसमें महिषासुर का अंत हुआ। इसके बाद भी देवी का क्रोध शांत नहीं हुआ और रौद्र रूप में नृत्य करने लगी। तब भगवान शिव ने कहा कि दीप जलाकर, मंगल गीतों से देवी की आराधना करो। तब से दीप पर्व मनाया जाने लगा।

इसी प्रकार वामन अवतार में दानवीर राजा बली की त्रिलोक विजय से भयभीत इंद्र ने भगवान विष्णु से उसे रोकने का अनुरोध किया। भगवान बौने का रूप धारण कर बेली के पास पहुंचे और कहा, मुझे अपने तीन कदम के बराबर भूमि दान चाहिए। फिर उन्होंने विराट रूप धारणकर एक कदम में पूरी धरती, दूसरे कदम में पूरा आकाश नाप लिया। बली को यह समझते देर नहीं लगी कि वे स्वयं नारायण हरि हैं। उसने हाथ जोड़कर कहा कि तीसरे पग के लिए मेरा मस्तक प्रस्तुत है। भगवान ने उसके सिर पर पैर रखकर उसे पाताल में भेज दिया। उन्होंने बली की दानशीलता से प्रसन्न होकर यह वरदान दिया कि उसकी याद में धरती पर प्रतिवर्ष दीपोत्सव मनाया जाएगा।

किसी भी पूजा का लाभ तभी मिलता है, जब वह पूरे विधि-विधान से की जाऐं। शास्त्रों में दीपावली पर्व पर पूजन की विधियों का भी उल्लेख है। आप इसकी सहायता से स्वयं भी पूजा कर सकते हैं और किसी पंडित से सही विधि-विधान से करवा भी सकते हैं।

दीप पर्व पर कैसे करें...?
शास्त्रोक्त विधि से पूजन

धनतेरस पर धनवन्तरि व यम पूजन

पूजन विधि- सर्वप्रथम नहाकर साफ वस्त्र धारण करें। भगवान धन्वन्तरि की मूर्ति या चित्र साफ स्थान पर स्थापित करें तथा पूर्वाभिमुख होकर बैठ जाएं। उसके बाद भगवान धनवन्तरि कर आह्वान निम्न मंत्र से करें-

सत्यं च येन निरत रोग विधूतं
अन्वेषित च सविधिं आरोग्यमस्य ।
गूढ़निगूढ़औषध्यरूपम्, धन्वन्तरि च सततं प्रणमामि नित्यं।

इसके पश्चात् पूजन स्थल पर आसन देने की भावना से चावल चढ़ाएं। इसके बाद आचमन के लिए जल छोड़ें। भगवान धन्वन्तरि के चित्र पर गंध, अबीर, गुलाल, पुष्प आदि चढ़ाए। चांदी के पात्र में खीर का नैवेद्य लगाएं। (अगर चांदी का पात्र उपलब्ध न हो तो अन्य पात्र में भी नैवैद्य लगा सकते हैं।) तत्पश्चात् पुनः आचमन के लिए जल छोड़े। मुख शुद्धि के लिए पान, लौंग, सुपारी चढ़ाएं। भगवान धन्वन्तरि को अर्पित रोगनाश की कामना के लिए इस मंत्र का जाप करें।

''ॐ रं रूद्र रोगनाशाय धन्वन्तर्य फट्।।''

इसी दिन इसके बाद भगवान धनवन्तरि को श्रीफल व दक्षिणा चढ़ाए। पूजन के अंत में कर्पूर आरती करें।

घर के मुख्य द्वार पर यमराज के निमित्त दीपदान करना चाहिए। रात्रि को एक दीपक में तेल, एक कौड़ी, काजल, रौली, चाँवल, गुड़, फल, फूल व मीठे सहित दीपक जलाकर यमराज का पूजन करना चाहिए। दीप प्रज्जवलित करते समय निम्न मंत्र से प्रार्थना करनी चाहिए।

''मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्याय सह।
त्योदश्यां दीपदानात्सूर्यजः प्रीयतामित।।

इस मंत्र के साथ पूजन करने से अच्छे फल प्राप्त होते हैं।''

नरक चतुर्दशी का पूजन

कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी कहते हैं। इस दिन यमराज की पूजा व व्रत का विधान है।

पूजन विधि विधान इस दिन शरीर पर तिल के तेल से मालिश करके सूर्योदय के पूर्व स्नान के दौरान अपामार्ग (एक प्रकार का पौधा) को शरीर पर स्पर्श करना चाहिए। अपामार्ग को निम्न मंत्र पढ़कर मस्तक पर घुमाना चाहिए-

सितालोष्ठसमायुक्त सकण्टकदलान्वितम।
हर पापमपामार्ग भ्राम्यमाणः पुनः पुनः ।।

स्नान करने के बाद शुद्ध वस्त्र पहनकर तिलक लगाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके यम से परिवार के सुख की कामना करें। इसके साथ ही प्रदोषकाल में चार बत्तियों वाला दीपक जलाकर दक्षिण दिशा में रखें और उसका निम्न मंत्र से पूजन करें-

श्लोक- *''दीपश्चतुर्दश्यां नरक प्रीतये मया।*
चतुर्वर्ति समायुक्त र्वपानतये। (लिंग पुराण)

अर्थात्- आज चतुर्दशी के दिन नरक के अभिमानी देवता की प्रसन्नता तथा सर्व पापों के नाशों के लिये मैं 4 बत्तियों वाला चौमुखा दीप अर्पित करता/करती हूं।

इस तिथि को सूर्योदय से पूर्व ही प्रातःकाल स्नान करने का बड़ा माहात्म्य माना गया है। श्री ब्रह्म पुराण के अनुसार जो मनुष्य प्रातःकाल स्नान करता है, वह प्रायः निरोगी रहता है, जीवन भर सुखी और संतुष्ट रहता है। इस पर्व पर स्नान करने के पूर्व शरीर पर तिल के तेल की मालिश करने का अधिक माहात्म्य बताया गया है। इस चतुर्दशी के दिन यदि दीवाली भी शामिल हो जाए तो तेल में लक्ष्मी और जल में गंगाजी निवास करती हैं, ऐसा विश्वास किया जाता है। चतुर्दशी को महारात्रि माना जाता है, इसलिए इसमें शक्ति के उपासकों को शक्ति की पूजा करनी चाहिए। इस रात्रि में मंत्र भी सिद्ध किए जा सकते हैं।

दीपावली पर कैसे करें महालक्ष्मी का पूजन

कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) को भगवती श्री महालक्ष्मी एवं भगवान गणेश की नूतन (नई) प्रतिमाओं का प्रतिष्ठापूर्वक विशेष पूजन किया जाता है। पूजन के लिये किसी चौकी अथवा कपड़े के पवित्र आसन पर गणेश जी के दाहिने भाग में माता महालक्ष्मी की मूर्ति को स्थापित करें। पूजन के दिन घर को स्वच्छ कर पूजा स्थान को भी पवित्र कर लें एवं स्वयं भी पवित्र होकर श्रद्धा भक्ति पूर्वक सायंकाल महालक्ष्मी व भगवान श्रीगणेश का पूजन करें। श्री महालक्ष्मी जी की मूर्ति के पास ही पवित्र पात्र में केसर युक्त चंदन से अष्टदल कमल बनाकर उस पर द्रव्य लक्ष्मी (रूपयों) को भी स्थापित करें तथा एक साथ ही दोनों की पूजा करें। सर्वप्रथम पूर्वाभिमुख अथवा उत्तराभिमुख हो आचमन, पवित्री धारण, मार्जन, प्राणायाम कर अपने ऊपर तथा पूजा-सामग्री पर निम्न मंत्र पढ़कर जल छिड़के-

ॐ अपवित्रः पवित्रों वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्यभ्यन्तरः शुचिः ।।"

उसके बाद जल अक्षत लेकर पूजन का निम्न मंत्र से संकल्प करें-

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः अद्य मासोत्तमे मासे कार्तिक मासे कृष्णपक्षे पुण्याममावस्यायां तिथौवार का उच्चारण वासरे... (वार का नाम) गोत्रोत्पन्नः (गोत्र का उच्चारण करें) /गुप्तोहंश्रुतिस्मृतिपुराणोक्त-फलावाप्तिकामनया ज्ञाताज्ञातकायिकवाचिकमानसिक सकल-पापानिवृत्तिपूर्वकं स्थिरलक्ष्मीप्राप्तये श्री महालक्ष्मीप्रीत्यर्थं महालक्ष्मीपूजनं कुबेरादीनां च पूजनं करिष्ये। तदङ्त्वेन गौश्रीगणपत्यादिपूजनं च करिष्ये।

ऐसा कहकर संकल्प का जल छोड़ दे।

प्रतिष्ठा- पूजन से पूर्व नूतन प्रतिमा की निम्न रीति से प्राण प्रतिष्ठा करें। बाएं हाथ मे चावल लेकर निम्नलिखित मंत्रों को पढ़ते हुए दाहिने हाथ से उन चावलों को प्रतिमा पर छोड़ते जाए-

यहाँ दीपक अवश्य जलाऐं

1. धन प्राप्ति की कामना करने वाले व्यक्ति को दीपावली की रात मुख्य दरवाजे की चौखट के दोनों ओर दीपक अवश्य लगाना चाहिए।
2. घर के आंगन में भी दीपक लगाना चाहिए। ध्यान रखें यह दीपक बुझना नहीं चाहिए।
3. हमारे घर के आसपास वाले चौराहे पर रात के समय दीपक लगाना चाहिए। ऐसा करने पर पैसों से जुड़ी समस्याएं समाप्त हो जाती है।
4. घर के पूजन स्थल में दीपक लगाएं, जो पूरी रात बुझना नहीं चाहिए। ऐसा करने पर महालक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।
5. किसी बिल्व पत्र के पेड़ के नीचे दीपावली की शाम दीपक लगाएं। बिल्व पत्र भगवान शिव का प्रिय वृक्ष है। अतः यहां दीपक लगाने पर उनकी कृपा प्राप्त होती है।
6. घर के आसपास जो भी मंदिर हो वहां रात के समय दीपक अवश्य लगाएं।
7. पीपल के पेड़ के नीचे दीपावली की रात एक दीपक अवश्य लगाकर आएं। ऐसा करने पर आपकी धन से जुड़ी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

ॐ मना जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पितिर्यज्ञमिमं
तनात्वरिष्टं समिमं दधातु।
विश्वे देवास इह मादयन्तामोम्पतिष्ठ।
ॐ अस्ये प्राणाः प्रतिष्ठन्तु
अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।
अस्ये देवत्वपमर्चायै मामहेति च कश्चन।।

पूजन- सर्वप्रथम भगवान गणेश का पूजन करें इसके बाद कलश तथा षोडशमातृ का (सोलह देवियों का) पूजन करें। तत्पश्चात प्रधान पूजा में मंत्रों द्वारा भगवती महालक्ष्मी का षोडशोपचार पूजन करें-

'*ॐ महालक्ष्म्यै नमः*' इस नाम मंत्र से भी उपचारों द्वारा पूजा की जा सकती है।

प्रार्थना- विधिपूर्वक श्री महालक्ष्मी का पूजन करने के बाद हाथ जोड़कर प्रार्थना करें-

सुरासरेंद्रादिकिरीटमौक्तिकै-
युक्तं सदा यक्तव पादवपंकजम् ।
परावरं पातु वरं सुमंगल
नमामि भक्तयाखिलकामसिद्धये ।।
भवानि त्वं महालक्ष्मीः सर्वकामप्रदायिनी ।।
सुपूजिता प्रसन्ना स्यान्महालक्ष्मि नमोस्तु ते।
नमस्ते सर्वदेवानां वरदासि हरिप्रिये।
या गतिस्त्वत्प्रपन्नानां सा में भूयात् त्वदर्चनात् ।।
ॐ महालक्ष्म्यै नमः
प्रार्थनापूर्वक समस्कारान् समर्पयामि।

प्रार्थना करते हुए नमस्कार करें।

समर्पण- पूजन के अंत में-

'*कृतोनानेन पूजनेन भगवती महालक्ष्मीदेवी प्रीयताम् न मम।*'

यह वाक्य उच्चारण कर समस्त पूजन कर्म भगवती महालक्ष्मी को समर्पित करें तथा जल गिराएं।

ऐसे करें देहली विनायक, दवात व कलम की पूजा

दीपावली पर देवी महालक्ष्मी तथा भगवान श्रीगणेश के साथ ही देहली विनायक ,दवात व कलम की पूजा करने का विधान भी है। इसकी विधि नीचे दी गई है-

देहली विनायक पूजन -व्यापारिक प्रतिष्ठानादि में दीवारों पर "*ॐ श्रीगणेशाय नमः*" स्वस्तिक चिन्ह, शुभ-लाभ आदि मांगलिक एवं कल्याण शब्द सिन्दूर से लिखे जाते हैं। इन्हीं शब्दों पर "*ॐ देहलीविनायकाय नमः*" इस नाममंत्र द्वारा गंध-पुष्पादि से पूजन करें।

श्रीमहाकाली (दवात) पूजन- स्याहीयुक्त दवात को भगवती महालक्ष्मी के सामने पुष्प तथा चावल के ऊपर रखकर उस पर सिंदूर से स्वस्तिक बना दें तथा मौली लपेट दें।

"*ॐ श्रीमहाकाल्यै नमः*" मंत्र से गंध-पुष्पादि पंचोपचारों से या

षोडशोपचारों से दवात तथा भगवती महाकाली का पूजन करें और अंत में इस प्रकार प्रार्थनापूर्वक उन्हें प्रणाम करें-

कालिके त्वं जगन्मातर्मसिरूपेण वर्तस।
उत्पन्ना त्वं च लोकानां व्यवहारप्रसिद्धये ।।
या कालिका रोगहरा सुवन्द्या
भक्तैः समस्तैव्यवहारदक्षैः।
जगजनानां भयहारिणी च सा लोकमाता मम सौख्यादास्तु।।

लेखनी पूजन-लेखनी (कलम) पर मौली बांधकर सामने रख लें और-

लेखनी निर्मित पूर्व ब्रम्हाणा परमेष्ठिना।
लोकांना च हितर्थय तस्मात्तां पूज्याम्यहम्।।
ॐ लेखनीस्थायै देव्यै नमः

इस नाममंत्र द्वारा गंध, पुष्प, चावल आदि से पूजन कर इस प्रकार प्रार्थना करें-

शास्त्राणां व्यवहाराणां विद्यानामाप्युयाद्यातः।
अतस्त्वां पूजयिष्यामि मम हस्ते स्थिरा भव।।

बहीखाता पूजन -बही, बसना तथा थैली में रोली या केसरयुक्त चंदन से स्वस्तिक का चिन्ह बनाएं एवं थैली में पांच हल्दी की गांठ, धनिया, कलमगट्टा, अक्षत, दुर्वा और द्रव्य रखकर सरस्वती का पूजन करें। सर्वप्रथम सरस्वती का ध्यान इस प्रकार करें-

''या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा।।
ॐ वीणापुस्तकधारिण्यै श्रीसरस्वत्यै नमः ''

इस नाममंत्र से गंधाकद उपचारों द्वारा पूजन करें-

कुबेर पूजन- तिजोरी अथवा रूपए रखे जाने वाले संदूक आदि को स्वस्तिकादि से अलंकृत कर उसमें निधिपति कुबेर का आव्हान करें-

''आवाहयामि देव त्वामिहायाहि कृपां कुरू।
कोशं वद्राय नित्यं त्वं परिरक्ष सुरेश्वर ।।''

आह्वान के बाद ॐ कुबेराय नमः नाममंत्र से गंध, पुष्प आदि से पूजन कर अंत में इस प्रकार प्रार्थना करें -

धनदाय नमस्तुभ्य निधिपद्माधिपाय च।
भगवान् त्वप्रसादेन धनधान्यादिसम्पदः।।

इस प्रकार प्रार्थनाकर पूर्व पूजित हल्दी, धनिया, कमलगट्टा, द्रव्य,दूर्वादि से युक्त थैली तिजोरी में रखें।

तुला (तराजू) पूजन-सिंदूर से तराजू पर स्वस्तिक बना लें। मौली लपेटकर तुला देवता का इस प्रकार ध्यान करें-

नमस्ते सर्वदेवानां शक्तित्वे सत्यमाश्रिता।।
साक्षीभूता जगद्धात्री निर्मिता विश्वयोनिना।।

ध्यान के बाद ''ॐ तुलाधिष्ठातृदेवतायै नमः''

इस मंत्र से गधाक्षतादि उपचारों द्वारा पूजन करें।

दीपमालिका (दीपक) पूजन- किसी पात्र में ग्यारह, इक्कीस या उससे अधिक दीपकों को प्रज्वलित कर महालक्ष्मी के समीप रखकर

दीपावली पर ऐसे करें महालक्ष्मी की आरती

दीपावली पर देवी महालक्ष्मी, भगवान श्रीगणेश, देहली विनायक, दवात, लेखनी, बही, कुबेर, तुला व दीपमाला पूजन के पश्चात् महालक्ष्मी की आरती की जाती है। आरती के लिए थाली में स्वस्तिक आदि मांगलिक चिन्ह बनाकर चावल तथा पुष्पों के आसन पर शुद्ध घी का दीपक जलाएं। एक पृथक पात्र में कपूर भी प्रज्वलित कर वह पात्र भी थाली में यथास्थान रख लें। आरती-थाल व स्वयं की जल से शुद्धि करें (छिड़क लें)। पुनः आसन पर खड़े होकर अन्य पारिवारिक जनों के साथ घण्टानादपूर्वक महालक्ष्मीजी की आरती करें।

मंत्र पुष्पांजलि- आरती पश्चात् दोनों हाथों में कमल आदि के पुष्प लेकर हाथ जोड़े और निम्न मंत्र का पाठ करें-

ॐ या श्री स्वयः सुकृतिनां भवनेष्वलक्ष्मीः
पापात्मनां कृतधियां हृदयेषु बुद्धिः।
श्रद्धा सतां कुलजनप्रभवस्य लज्जा
तां त्वां नताः स्म परिपालय देवि विश्वम्।।
ॐ श्री महालक्ष्मै नमः मंत्रपुष्पांजलि समर्पयामि।

ऐसा कहकर हाथ में लिए फूल महालक्ष्मी पर चढ़ा दें। प्रदक्षिणा कर प्रणाम करें और पुनः हाथ जोड़कर क्षमा प्रार्थना करें-

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम।
पूजां चैव न जानामि क्षमस्व परमेश्वरि।।
यत्पूजितं मया देवि परिपूर्ण तदस्तु में।।
सरजिजनिलये सरोजहस्ते धनतरांशुकगंधमाल्यशोभे।
भगवति हरिवल्लभे मनोज्ञ त्रिभुवनभूतिकरि प्रसीद मम्हम्।

पुनः प्रणाम करके *'ॐ अनेन यथाशक्तयनेन श्रीमहालक्ष्मीः प्रसीदतु।'* यह कहकर जल छोड़े दें। ब्राह्मण एवं गुरुजनों को प्रणाम कर चरणामृत तथा प्रसाद वितरण करें।

विसर्जन- पूजन के अंत मे अक्षत लेकर श्रीगणेश एवं महालक्ष्मी की नूतन प्रतिमा को छोड़कर अन्य सभी आवाहित प्रतिष्ठित एवं पूजित देवताओं को अक्षत छोड़ते हुए निम्न मंत्र से विसर्जित करें-

यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादाय मामकीम।
इष्टकामसमृयर्थ पुनरागमनाय च।

उस दीपज्योति का ''ॐ दीपावल्यै नमः'' इस नाममंत्र से गंधादि उपचारों द्वारा पूजन कर इस प्रकार प्रार्थना करें-

त्वं ज्योतिस्त्वं रविश्चन्द्रो विद्यदग्निश्च तारकाः।
सर्वेषा ज्योतिषां ज्योतिर्दीपाल्यै नमो नमः।।

दीपमालाओं का पूजन कर संतरा, ईख, धान, इत्यादि पदार्थ चढ़ाए। धान का लावा (खील), गणेश, महालक्ष्मी तथा अन्य सभी देवी-देवताओं को भी अर्पित करें। अंत में अन्य सभी दीपकों को प्रज्वलित कर

पूजा के लिये शुभ मुहूर्त

बही खाता क्रय- व्यापारिक-व्यावसायिक बहीखाता क्रय करने का मुहूर्त पुष्य नक्षत्र योग 3 नवम्बर 2015 मंगलवार सूर्योदय से 17.55 बजे तक है। मंगलवार को राहुकाल मध्याह्न 3 से 4.30 तक त्याज्य है। श्रेष्ठ समय प्रातः 8.34 से 11.34 तक फिर 12.34 से 1.34 मध्यान्ह उपरांत 4.34 से सायं 5.55 तक समय श्रेष्ठ है। (इस मुहूर्त में स्वर्णादि धातु, आभूषण और पात्र इत्यादि क्रय करना श्रेष्ठ माना जाता है।)

धनतेरस पूजा- धनतेरस योग 9 नवम्बर 2015 सोमवार सायं 19.09 तक है। प्रातः 7.30 से 9 तक राहु काल है, यह समय त्याज्य है। शेष समय में दोपहर 11.38 से 2.38 तक, फिर 3.38 से 4.38, सायं 6.38 से 07.09 तक श्रेष्ठ समय है।

चतुर्दशी स्नान- नरक चतुर्दशी योग 10 नवम्बर 2015 मंगलवार को है। ब्रह्म मुहूर्त में तड़के 5 बजे अभ्यङ्ग तैल उबटनादि से स्नानकर इष्ट देव व ग्राम देव का दर्शन करें। यह प्रक्रिया जातक के नरकवासी बनने का योग समाप्त करती है।

शुभ दीपावली एवं महालक्ष्मी पूजा के मुहूर्त

11 नवम्बर, 2015 बुधवार को रात्रि 23.20 तक अमावस्या काल है। स्थिर लक्ष्मी के लिये स्थिर लग्न वृश्चिक 9.23 से 11.25, कुंभ लग्न 14.48 से 19.18, वृषभ 19.57, सिंह लग्न रात्रि 2.42 से 4.52 तक श्रेष्ठ हैं।

राहु काल दोपहर 12 से 1.30 तक त्याज्य है। होरा के अनुसार पूजा के लिये प्रातः 6.39 से 8.39 तक बुध तथा चन्द्र, प्रातः 9.39 से 10.39 तक गुरु, दोपहर 1.39 से 3.39 तक बुध तथा चन्द्र, सायं 4.39 से 5.39 तक गुरु, रात्रि 8.39 से 11.39 तक क्रमशः शुक्र, बुध तथा चन्द्र, एवं रात्रि 12.39 से 1.39 तक गुरू की होरा है, जो शुभकारी है। चौघड़िया के अनुसार प्रातः 6.30 से 8 तक लाभ, 8.00 से 9.30 तक अमृत, 11.00 से 12.30 तक शुभ, 3.30 से 5 तक चर, 5 से 6.30 तक लाभ, रात्रि 8 से 9.30 तक शुभ, 9.30 से 11 तक अमृत का चौघड़िया है, जो पूजन के लिये श्रेष्ठ है।

सुखी दाम्पत्य से खुलता है महालक्ष्मी का द्वार

महालक्ष्मी का आगमन सिर्फ उन्हीं घरों में होता है, जहाँ सुख-शांति हो। यदि पति-पत्नी में रोज झगड़े होते हैं, तो वहाँ लक्ष्मी का आगमन नहीं होता। अतः जरूरी है कि पति-पत्नी भगवान विष्णु व महालक्ष्मी की तरह सुखी दाम्पत्य की स्थापना करें। आईये देखें... आज के परिवेश में कैसे करें हम यह सब?

परस्पर हों सम्मान के भाव

आपका दाम्पत्य जीवन स्नेहिल, सुगंधित और पुष्पित हो, इसके लिए आवश्यक है कि आप अपनों से आत्मीय रूप से जुड़ें,एक-दूसरे को अपनाएं। दाम्पत्य जीवन में उस लड़की को मान-सम्मान दें, जो सब कुछ छोड़कर आपके घर-संसार में आकर मिल गई है। आप उसका जितना आदर करेंगे, वह आपके प्रति, आपके परिवार के प्रति उतनी ही अधिक समर्पित होगी। समर्पण का यह भाव ही दाम्पत्य जीवन का आदर्श है। पति-पत्नी का एक दूसरे पर न्यौछावर हो जाना ही इस रिश्ते की मजबूती को कायम रखता है। एक-दूसरे की भावनाओं को महसूस करना, उनके अस्तित्व को स्वीकार करना, एक दूसरे में छुपी प्रतिभा को निखारने में सहायक बनना, प्रोत्साहित करना, एक-दूसरे की सफलता पर बधाई देना, यही छोटी-छोटी बातें तो सुखी और आदर्श गृहस्थी का राज होती हैं।

भावनाऐं सिर्फ मन में रखना काफी नहीं

पति-पत्नी के लिए सिर्फ प्यार करना ही काफी नहीं, बल्कि उसका प्रदर्शन करना भी आवश्यक है। प्यार की अभिव्यक्ति की कमी से दाम्पत्य जीवन में बाधा आती है। जबकि प्यार की अभिव्यक्ति से जीवन सहज तथा सरल बनता है। प्यार की अभिव्यक्ति की नाजुक डोरी ही आदमी को शक्ति, साहस तथा उत्साह प्रदान करती है। यहीं तीनों एकजुट होकर दाम्पत्य जीवन को मजबूत धरातल प्रदान करते हैं। परिवार को बिखरने से बचाने के लिय आवश्यक है कि पति-पत्नी समय-समय पर हँसी-ठिठोली कर प्यार की अभिव्यक्ति करते रहें। स्त्री की खूबियाँ बयान करें, उसका आदर करें, उसके उत्तम कार्यों पर अपनी प्रसन्नता प्रकट करें और इन सबके लिए थोड़ी प्रशंसा भी करें। बार-बार उसे यह भी दर्शाऐं कि आप उसे बहुत प्रेम करते हैं। यह समझकर चुप न रह जाऐं कि उससे एक बार कह ही दिया है। वह आपके मुख से अपने प्रति बार-बार सुनना पसन्द करती है।

बन सकते हैं सफलता के साथी

पत्नी अर्द्धांगिनी, गृहलक्ष्मी ही नहीं भाग्यलक्ष्मी भी होती है। वह सबसे अच्छी बिजनेस पार्टनर भी हो सकती है। यदि कर्मक्षेत्र में पत्नी समर्पित भाव से आपके साथ खड़ी हैं, तो आप पारिवारिक, व्यावसायिक तथा सामाजिक क्षेत्र में सफलता के परचम फहरा सकते हैं। जिन पति-पत्नी में एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा समर्पण है, माँ-बाप के प्रति श्रद्धा तथा सेवा की भावना है, ऐसे पति-पत्नी जीवन भर सुखी रहते है। स्त्री कोमलता, मृदुता, सौम्यता एवं सहानुभूति की खान है। उसमें भावनाओं की प्रचुरता है, दयालुता, स्नेह, सौकुमार्य व विवेक है। उसका भाव पक्ष पुरूष की अपेक्षा विशेष उन्नत एवं परिपक्व है। वह गंभीरता से सोचती है, उसके दृष्टिकोण में विशालता है, उसकी अन्तर्दृष्टि अत्यंत व्यापक है। स्त्री स्वभाव और शरीर से कौमल है। यही उसकी सफलता की शक्ति है।

एक-दूसरे की बातों को दें महत्व

अपने जीवनसाथी से मधुर वाणी में बोलिए। आपके मुंह पर मधुर मुस्कान हो, हृदय में सच्चा निष्कपट प्रेम हो, वचनों में नम्रता, मृदुलता, सरलता, प्यार हो। स्मरण रखिए, स्त्रियों का 'अहं' बड़ा तेज होता है। वे स्वाभिमानी होती हैं, तनिक-सी अशिष्टता या फूहड़पन से क्रूद्ध होकर आपके सम्बंध में गलत धारणाएं बना लेती हैं। उनकी छोटी-छोटी वाजिब मांगों या फरमाइशों की अवहेलना या अवज्ञा न करें।

हर सुख-दुःख के साथी

पति-पत्नी तो सुख-दुख के साथी होते हैं, एक दूसरे के हमराज होते हैं। अतः मन में किसी प्रकार की शंका नहीं रखनी चाहिए। यदि किसी बात पर मन व्यथित हो रहा है, तो स्पष्ट रूप से एक-दूसरे से पूछ लेना चाहिए, आशंका के बादल छंट जायेंगे। वैसे भी बीती बातों को याद करके वर्तमान खराब नहीं करना चाहिए।

एक-दूसरे के बिना अधूरे

याद रखें दोनों से ही पूर्ण होता है, जीवन। नारी शक्ति है तो पुरूष, पौरूष। बिना पौरूष के शक्ति व्यर्थ ही धरी रह जाती है, तो बिना शक्ति के पौरूष भी काम नहीं आता है, वह अपंग है। शक्ति और पौरूष का समान प्रवाह, संयोग व एकता नव सृजन तथा नव निर्माण के लिए आवश्यक है। नारी के तीन रूप है, लक्ष्मी, सरस्वती,और दुर्गा। नारी परिवार को सम्पन्न बनाने के लिए लक्ष्मी का रूप धारण करे। संतान को शिक्षित करने के लिए वह सरस्वती बन कर दिखाए तथा सामाजिक बुराइयों को ध्वस्त करने के लिये सिंह पर आरुढ़ दुर्गा की भूमिका निभाए।

योगदानों की उपेक्षा न करें

पत्नी के स्नेह, संतोष और सेवा की उपेक्षा मत कीजिए। वह सदैव आपकी इच्छाओं को अपनी इच्छा मानती है। आप भी उसकी इच्छाओं का ध्यान रखिए। आपकी पत्नी के मन में कभी यह भाव नहीं आना चाहिए कि आपके दिल में उसके लिए प्रेमपूर्ण स्थान नहीं है। पुरूष बने रहिये ताकि वह आपको सम्मान की दृष्टि से देखें। यदि नारी में सद्गृहिणी के गुण हैं, तो बाधा बनने के स्थान पर वह पति के मार्ग में सद्प्रेरणा भर देगी। चाहे जीवन भर निर्धन रहे किन्तु उनकी प्यार से भरी मुस्कुराहट से गृहस्थी में रंगों की वर्षा करती रहेगी। सुखों के लिए धनवान होने की आवश्यकता नहीं है। धनवान हों तब भी दुखी हो सकते हैं और धनवान न हों तब भी सुखी हो सकते हैं।

खुली किताब की तरह रहे व्यवहार

पति-पत्नी दोनों का जीवन एक सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों में अभिन्नता है, एक्य है। भारतीय संस्कृति में तो पुरुष और स्त्री को आधा-आधा अंग मानकर एक शरीर की व्याख्या की गई है, जिसमें पुरूष को अर्द्धनारीश्वर तथा स्त्री को अर्द्धांगिनी कहा गया है। दाम्पत्य-जीवन स्त्री-पुरूष की अनन्यता का गठबंधन है। अतः परस्पर किसी तरह का दुराव, छिपाव, दिखावा, बनावटी व्यवहार करना, परस्पर अविश्वास जैसी स्थितियां एक दूसरे के प्रति घृणा को जन्म देती हैं और इसी से दाम्पत्य-जीवन नष्ट-भ्रष्ट हो जाते हैं। याद रखें कितना ही छुपाएं वह प्रकट हो ही जाता है।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई-मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई-फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट
अध्यक्ष
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया
महामंत्री
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड
कोषाध्यक्ष
मो. 094142-12835

भगवती महालक्ष्मी चल एवं अचल, दृश्य एवं अदृश्य सभी सम्पत्तियों और अष्ट सिद्धि एवं नौ निधियों की अधिष्ठात्री साक्षात् नारायणी हैं। भगवान श्रीगणेश सिद्धि-बुद्धि एवं शुभ और लाभ के स्वामी तथा सभी अमंगलों एवं विघ्नों के नाशक हैं, ये सद्-बुद्धि प्रदान करने वाले हैं। अतः दीपावली के दिन इनके समवेत पूजन से सभी कल्याण-मंगल एवं आनंद प्राप्त होते हैं। इस पूजा के साथ यदि किये जाएें और भी कुछ उपाय तो महालक्ष्मी की कृपा बरसते देर नहीं लगेगी।

कैसे करें महालक्ष्मी को प्रसन्न

डॉ. महेश शर्मा, जयपुर
मो. 9414370518

दीपावली की रात को महानिशा, कालरात्रि, महाकृष्णा, दिव्यरंजनी आदि नामों से जाना जाता है, जिनका उल्लेख पुराणों में मिलता है। तंत्र-मंत्र साधना के लिए यह रात अति उत्तम है। शास्त्रों के अनुसार तो दीपावली का सम्पूर्ण दिन ही विभिन्न साधनाओं और उपासनाओं के लिए उपयुक्त माना गया है। धन-ऐश्वर्य की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी की पूजा, साधना आदि कर जातक अपने लक्ष्य व मनोरथ की पूर्ति कर ऐश्वर्य, सुख, धन, सौभाग्य, आरोग्य आदि की प्राप्ति कर सकता है। महालक्ष्मी पूजन सायंकाल प्रदोषकाल में करना चाहिए। ब्रह्मपुराण में कहा गया है कि 'कार्तिके प्रदोषतु विशेषेण अमावस्या निशाबर्धके। तस्यां सम्पूज्येत देवी भोग मोक्ष प्रदायिनीम्।'' अर्थात लक्ष्मी पूजा व दीपदान के लिए प्रदोष काल (रात्रि का पंचमांश प्रदोष काल कहलाता है) ही विशेषतया प्रशस्त माना जाता है। इस वर्ष 11 नवम्बर, बुधवार को दीपावली के दिन सायंकाल 7 बजकर 14 मिनिट से 7 बजकर 52 मिनिट तक प्रदोष काल, स्थिर वृष लग्न एवं शुभ के चौघड़िया में लक्ष्मी पूजन का सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त है। परन्तु शास्त्रों में कार्तिक कृष्ण अमावस्या की सम्पूर्ण रात्रि को कालरात्रि माना गया है। अतः सम्पूर्ण रात्रि में पूजा की जा सकती है।

कैसे करें महालक्ष्मी की उपासना

दीपावली की रात श्री सूक्त, लक्ष्मी सूक्त, लक्ष्मी स्तोत्र, कनकधारा स्तोत्र, गोपालसहस्त्रनाम, श्रीरामरक्षास्तोत्र आदि का पाठ करना चाहिए। लक्ष्मी तथा कुबेर के मंत्रों का यथा शक्ति जप करें। दीपावली लक्ष्मीजी को रिझाने का दिन होता है। दीपावली की रात्रि को आठों दिशाओं में महालक्ष्मी के पास कुंकुम, अक्षत तथा पुष्पों से एक-एक नाम मंत्र पढ़ते हुए आठ लक्ष्मियों का पूजन करें- *ॐ आद्यलक्ष्म्यै नमः, ॐ विद्यालक्ष्म्यै नमः, ॐ सौभाग्यलक्ष्म्यै नमः, ॐ कामलक्ष्म्यै नमः, ॐ सत्यलक्ष्म्यै नमः, ॐ भोगलक्ष्म्यै नमः, ॐ योगलक्ष्म्यै नमः। ॐ महालक्ष्म्यै नमः।* दीपावली के दिन श्री यंत्र, कुबेर यंत्र, महालक्ष्मी यंत्र, कनक धारा यंत्र, सरस्वती यंत्र, गणेश-लक्ष्मी यंत्र, मृत्युंजय यंत्र, वास्तु यंत्र, विष्णु यंत्र, व्यापार वृद्धि यंत्र, कार्य सिद्धि यंत्र, संतान गोपालयंत्र आदि की आवश्यकता अनुसार पूजन कर यथास्थान रखने से घर में स्थिर लक्ष्मी का वास होता है, आरोग्य की प्राप्ति होती है। वर्ष भर प्रतिदिन कमलगट्टे की माला से किसी भी लक्ष्मी मंत्र की एक माला जप करते रहें। इससे धन आगमन बना रहता है।

कुछ अद्भुत कारगर उपाय

- दीपावली की रात धनवृद्धि यंत्र को लालचंदन से अखंडित भोजपत्र पर अनार की कलम से लिखें और गणेश लक्ष्मी की प्रतिमा या चित्र के साथ पूजा स्थल पर स्थापित करें और कमल गट्टे की माला से *''ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्म्यै नमः''* मंत्र का 108 बार जप करें। बाद में इसी मंत्र को जपते हुए 21

बार घी की आहुति से हवन करें। पूजन के पश्चात् इसे तिजोरी में रखें। धन की बरकत बनी रहेगी।

▸▸ दीपावली को रात में पूजन के पश्चात् नौ गोमती चक्र तिजोरी में स्थापित करने से वर्ष भर समृद्धि व खुशहाली बनी रहती है।

▸▸ दीपावली के दिन एक चांदी की डिबिया में कामिया सिंदूर भर लें। इसके अंदर पीली कौड़ी, श्रीयंत्र और कमल के फूल का टुकड़ा डालकर बंद कर दें। लक्ष्मी पूजा के बाद अगले दिन इसे अपने घर, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, दुकान आदि में रखने से धन की समस्या नहीं रहेगी।

▸▸ पांच गोमती चक्र लाल कपडे में मोली से बांधकर दुकान के प्रवेश द्वार पर इस प्रकार बांध दें कि ग्राहक उसके नीचे से निकलें। इससे ग्राहकी बढ़ेगी।

▸▸ दीपावली की रात्रि को नए पीले रंग के वस्त्र में नागकेसर, हल्दी, सुपारी, एक सिक्का, तांबे का टुकड़ा तथा चावल रखकर पोटली बना लें। इस पोटली को लक्ष्मीजी के सम्मुख रखकर, धूप-दीप से पूजन करके *'ॐ श्रीं श्रीं ह्रीं ह्रीं ऐश्वर्य महालक्ष्म्यै पूर्ण सिद्धिं देहि देहि नमः'* मंत्र का 108 बार जप करने के पश्चात् आलमारी, तिजोरी, भंडार में कहीं भी रख दें।

▸▸ काली हल्दी, पांच साबुत सुपारियां और पांच कौड़ियां गंगाजल से शुद्ध करके लाल कपडे में बांधकर लक्ष्मी पूजन के समय चांदी की कटोरी या थाली में रखें, अगले दिन सुबह उसे तिजोरी में रख दें। 'ॐ ऐं ह्रीं श्रीं सं सिद्धिदां साधय साधय स्वाहा' मंत्र की एक माला प्रतिदिन करें, माँ लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी।

▸▸ एकांक्षी नारियल की दीपावली की रात्रि में लक्ष्मी पूजा के साथ पूजा करें, अगले दिन उसे तिजोरी अथवा जहां आप रुपये रखते हों वहां रख दें। ऐसा करने से घर में निरंतर आर्थिक उन्नति होती रहती है।

▸▸ दीपावली की रात्रि में लक्ष्मी पूजन पर ग्यारह कौड़ी लक्ष्मी जी पर चढ़ायें। फिर अगले दिन इन कौड़ियों को लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी अथवा व्यवसाय स्थल में रखने से धन लाभ होता है।

▸▸ निम्न मंत्र की एक माला का जप करके अपने व्यवसाय स्थल पर जाएं, व्यापार में अधिक लाभ होगा। *'ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं श्रीं क्रीं क्रीं श्रीं महालक्ष्मी मम ग्रहे धनं पूरय पूरय चिंतायै दूरय दूरय स्वाहा'।*

दीपावली के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री नगर माहेश्वरी सभा,
भीलवाड़ा

कैलाशचन्द्र कोठारी
अध्यक्ष
098290-47936

रामेश्वरलाल काबरा
संरक्षक
93517-11102

रमेशचन्द्र नामधराणी
संरक्षक
75979-75533

ओमप्रकाश गट्टाणी
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
094141-15004

सत्येन्द्र बिड़ला
संयोजक
094141-11840

श्रीलाल कोगटा
सह-संयोजक
098290-47045

देवेन्द्र कुमार सोमानी
मन्त्री
094140-29356

उपाध्यक्ष- अनिल राठी, राजेन्द्रप्रसाद बिड़ला, हरीराम मन्त्री। **कोषाध्यक्ष-** गोपाललाल नराणीवाल। **संयुक्त मन्त्री-** केदार गगराणी, दिनेश पेड़ीवाल, सुरेश बिड़ला, नौरतनमल सोमानी, मुकेश चेचाणी, गोविन्द गंदोड़िया। **कार्यालय मन्त्री-** राजेन्द्रकुमार पोरवाल (RKRC)। **सांस्कृतिक मन्त्री-** सत्यनारायण गग्गड़। **खेल मन्त्री-** पुष्पेन्द्र नुवाल। **सदस्य-** कृष्णगोपाल राठी, ओमप्रकाश चेचाणी, राजेन्द्र पोरवाल (तिलक नगर), सुनील राठी, कैलाशचन्द्र मूँदड़ा, चन्द्रप्रकाश काल्या, कृष्णगोपाल कोठारी, कैलाश ईनाणी, प्रमोद डाड़, अतुल राठी, रतनलाल पलोड़, लक्ष्मीनारायण मूँदड़ा, विनोद गग्गड़, रामावतार रांदड़।

विशेष आमंत्रित सदस्य- राजेन्द्र कोठारी, राधेश्याम सोमानी, मनीष बहेड़िया, गोपाल काष्ट, अशोक चेचाणी, सुरेश पोरवाल, राजेन्द्र कचौलिया, नवीन काकाणी। **आई.टी. प्रकोष्ठ-** विनोद गट्टानी। **प्रोफेशनल सैल-** बी.बी. गुप्ता। **शिक्षा प्रकोष्ठ-** जगदीश कोगटा। **वैवाहिक एवं सहायता प्रकोष्ठ-** रमेश राठी। **उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ-** आर.पी. झँवर।

एफ-10 इन्द्रप्रस्थ टॉवर, मुखर्जी उद्यान के पास, नई शाम की सब्जी मण्डी, भीलवाड़ा (राज) 311001

खुशियों के रंग से सजाएं अपना घर

दीपावली पर्व पर मकान व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रंग-रोगन करना एक परम्परा का रूप ले चुका है। इसमें लक्ष्य अपने भवनों को अच्छे से अच्छा सजाना होता है। हकीकत देखें तो ये रंग सिर्फ श्रृंगार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये रत्नों की तरह ही देते हैं, शुभ - अशुभ परिणाम। आइये देखें... कैसे लें इनका लाभ ....

सफेद- यह रंग सुख-शांति का प्रतीक है। उसके प्रयोग से एकाग्रता में वृद्धि होती है। अतः बच्चों की शिक्षा आदि के लिये सफेद रंग अत्यधिक शुभ है। वैसे चंद्र से सम्बंधित जातक यदि सफेद रंग का उपयोग करें तो उसके लिये यह उन्नतिदायक हो सकता है।

हल्का नीला सफेद- ऐसा सफेद रंग जिसमें अत्यंत कम मात्रा में नीला रंग मिश्रित हो, वह शुक्र से सम्बंधित है। यह दम्पत्तियों के जीवन में मधुरता लाने के लिये अत्यंत श्रेष्ठ है। शुक्र ग्रह से सम्बंधित जातक इस रंग का विशेष रूप से उपयोग कर सकते हैं।

लाल- गहरा लाल रंग मंगल ग्रह से सम्बंधित है। मंगल ग्रह की प्रधानता वाले जातक इसका प्रयोग कर लाभान्वित हो सकते हैं। यदि इसका अधिक उपयोग करना सम्भव न हो, तो बैक ग्राउण्ड जैसे अलमारी के पीछे और दक्षिण दिशा की दीवार पर इसका अवश्य ही उपयोग किया जा सकता है।

गुलाबी- यह रंग प्यार का प्रतीक है। अतः बेडरूम में इसका उपयोग विशेष रूप से किया जा सकता है। यह रंग सूर्य से सम्बंधित है। अतः सूर्य ग्रह की प्रधानता वाले जातक इस रंग का उपयोग कर विशेष रूप से लाभान्वित हो सकते हैं।

हरा- यह रंग भी सुख -शान्ति व सुकुन देने वाला है। इसके प्रयोग से वहाँ निवास करने वाले लोगों में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। हरा रंग बुध ग्रह का रंग माना जाता है। अतः बुध ग्रह से सम्बंधित जातक इस रंग का विशेष रूप से उपयोग कर सकते हैं।

पीला- पीला रंग परम्पराओं और मान्यताओं से जोड़ता है। विशेष रूप से यह चरित्र से सम्बंधित है। यह रंग ब्रहस्पति ग्रह से सम्बंधित है। अतः बृहस्पति ग्रह की प्रधानता वाले जातक इसका विशेष रूप से उपयोग करें, उन्हें विशेष लाभ प्राप्त हो सकता है।

नीला- यह रंग शांति और उत्साह का प्रतीक हैं। इसके उपयोग से एक नई ताजगी आती है। वैसे यह शनि ग्रह से सम्बंधित भी है, जो अंग्रेजी शिक्षा आदि का कारक है। अतः जिन पर शनि ग्रह की विशेष कृपा हो उनके लिये यह रंग अत्यधिक उन्नतिदायक हो सकता है। बैंगनी रंग को भी शनि से ही सम्बंधित माना जाता है।

काला रंग- यह रंग कला और उत्साह का प्रतीक माना जाता है। अतः कलाकार वर्ग का इसकी ओर विशेष रूझान रहता है। वर्तमान दौर में फर्श आदि पर इसका उपयोग किया जा रहा है। यह रंग राहु ग्रह से सम्बंधित है। अतः राहु की शुभता वालों के लिये लाभदायक होकर उन्हें व्यावसायिक उन्नति प्रदान करवा सकता है।

नारंगी- केतु के रंग को लेकर कई अपवाद है, फिर भी नारंगी रंग को इससे सम्बंधित माना जाता है। यह रंग त्याग व आध्यात्म का रंग है। अतः इसका उपयोग वहाँ निवास करने वालों को परोपकारी बनाता है। केतु की शुभता वाले जातकों के लिये यह रंग विशेष रूप से हितकर हो सकता है।

अपनी ग्रह स्थिति अनुसार कैसे लें लाभ

अपनी जन्मकुण्डली के अनुसार हम शुभता के लिये रत्न धारण करते हैं। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार साधारणतः लग्नेश व नवमेश से सम्बंधित शुभ ग्रह का रत्न धारण किया जाता है। ऐसे रत्न सुख-समृद्धिकारक व भाग्योदयकारी होते हैं। ठीक यही स्थिति मकान के रंगों की भी होती है। घर या व्यावसायिक-प्रतिष्ठान में हम अपना अधिकतम समय व्यतीत करते हैं, अतः उसके रंग का भी सीधा प्रभाव रत्नों की तरह ही पड़ता है। कुण्डली के अनिष्टकारी ग्रहों के रंगों का उपयोग परेशानियों का कारक होता है। वहीं शुभ स्थिति वाले ग्रह के रंग का उपयोग उन्नति का मार्ग खोल देता है।

एक कर्मयोगी को श्रद्धांजलि

एक सच्चे कर्मयोगी और अतुलनीय दूरदृष्टता का इस संसार से चला जाना एक अपूरणीय क्षति है। हमारे मार्गदर्शक व प्रसिद्ध समाजसेवी श्री द्वारकादास राठी छह वर्ष पूर्व हमारे मने में अपनी अमिट याद छोड़कर अनन्त यात्रा पर चले गए। अनुकरणीय व्यक्तित्व श्री राठी ने पुरानी कहावत ''कार्य शब्दों से अधिक बोलता है'' को चरितार्थ करते हुए हमेशा अपनी मौन उपस्थिति दर्ज कराई। उनके न रहने के कारण जो अन्धकार छा गया है उसे हम उनके जीवन दर्शन के प्रकाश से दूर करने का निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

maheshwari.org के संस्थापक

श्री द्वारकादास राठी

20.02.1959 - 28.10.2006

वैवाहिक रिश्ते

माहेश्वरी समाज के **60,000** से अधिक

जैन समाज के **85,000** से अधिक

अग्रवाल समाज के **1,00000** से अधिक

Free Registration

Free Registration

- High Status, Middle Status
- NRI, Manglik, Non-Manglik Bio-Data
- MBA, MCA, Doctor, Engg. Bio-Data
- CA, CS, ICWA Bio-Data
- Graduate, Post Graduate Bio-Data
- Professionals Bio-Data
- Businessman Bio-Data
- Service Class Bio-Data
- Divorced, Widowed Bio-Data
- Physically Handicap Bio-Data

Websites www.maheshwari.org
www.agarwal2agarwal.org
www.jain2jain.org

Maheshwari Marriage Services Pvt. Ltd.
39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-60
Tel. : +91-11 - 25746867, +91-11-42433738, Mo. : +91-93129-46867 Email : info@maheshwari.org

दीपावली का 5 दिवसीय पर्व वैसे तो सम्पूर्ण राष्ट्र की तरह ही विधि-विधान से माहेश्वरी समाज भी मनाता है। इसके बावजूद कुछ अन्तर भी है जो हमारी मारवाड़ी संस्कृति की परम्पराओं का है। इसमें यह 5 दिवसीय न होकर 6 दिवसीय होता है। तो आईये देखें हम दीपावली पर क्या करें अपनी संस्कृति के अनुसार कुछ खास...।

मारवाड़ी संस्कृति में छह दिवसीय दीपावली पर्व

लक्ष्मी उपासना का पर्व दीपावली वास्तव में पंच दिवसीय उत्सव है, जिसकी शुरूआत धनतेरस से होती है और समाप्ति भाईदूज के साथ होती है। इन पाँच दिनों तक लगभग सम्पूर्ण भारतवर्ष में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक पूजन सम्पन्न होते हैं। इन पाँच दिनों में होने वाली पूजा-अर्चना में तो राजस्थानी परम्पराओं में अंतर है ही साथ ही इस परम्परा के अनुसार यह उत्सव सिर्फ पाँच दिवसों में ही सम्पन्न नहीं होता बल्कि इसका समापन कार्तिक कृष्ण एकादशी को होता है। तुलसी विवाह के साथ ही इसे भी दीपावली की तरह भव्य रूप में मनाने की परम्परा है। राजस्थानी परम्परा में हर पर्व पर महिलाऐं मेंहदी लगाती हैं लेकिन दीपावली पर नहीं लगाई जाती। शायद इसका कारण ऋतु का प्रभाव है।

ग्यारह दीपक से धनतेरस

दीपावली की शुरूआत धनत्रयोदसी से होती है। आयुर्वेद के अधिष्ठाता भगवान धन्वन्तरि के प्रकट होने की स्मृति में धनतेरस मनाई जाती है। इस दिन संध्या के समय लक्ष्मी व गहनों का पूजन होता है। विशेषतः सोने की अंगूठी पूजा में रखते हैं। इस दिन ग्यारह दिये जलाते हैं। इस पूजा में मूँगधना भी रखा जाता है। दीपक मुख्य द्वार के दोनों तरफ, मंदिर में व तुलसी के पास रखे जाते हैं। इस दिन कई जगह पर सोना खरीदना भी शुभ माना जाता है।

सूर्योदय से पूर्व स्नान

धनत्रयोदस के दूसरे दिन रूप चौदस होती है। इन दिनों सूर्योदय के पहले स्नान करने का विशेष महत्व है। इस दिन को नरक चतुर्दशी भी कहते है। इस दिन सूर्योदय के पश्चात् स्नान करें, तो नरक में जाना पड़ता है, ऐसी मान्यता है। उबटन और सुगन्धित साबुन तथा तेल से स्नान करते हैं। सब कन्याएं व महिलाएं सजधज कर मंदिर जाती हैं। इसी दिन लक्ष्मी पूजन के स्थान पर मांडणा मांडते हैं। मुख्य द्वार पर शुभ-लाभ लिखते हैं। द्वार सुंदर रंगोली से सजाया जाता है।

दीपावली पर बहीखाते व कांटे की भी पूजन

कार्तिक अमावस्या को मुख्य लक्ष्मी पूजन होता है। इस दिन पूरा परिवार एकत्र होता है। नौकरी या कमाई के लिए बाहर गाँव रहने वाले बेटा-बहू भी इस दिन अपने गांव आते है। घरों को गेंदे के फूल और आम्रपत्तों से सजाया जाता है। दीप और दीप के थाल बहुत ही सुंदर सजाते हैं। इस पूजन में बहीखाते, वजन कांटा, आजकल कम्प्यूटर की भी पूजा की जाती है। इस दिन नये दीपक और नयी-नयी कपास की बत्ती पूजा में लगाते हैं। पूरे घर के बाहर, छत पर दीपक की कतारे लगाते हैं। शुभ मुहूर्त पर विधिवत लक्ष्मीपूजन होता है। सभी लोग आपस में गले मिलते हैं व एक दूसरे हो शुभकामनाएं देते हैं। बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं। गेहूं के आटे की लापसी, चांवल, बडी की सब्जी, कढ़ी का भोग लगाते हैं। तरह-तरह के पकवान बनाते हैं। इस दिन विवाहित महिला अपने ससुराल में ही रहती है। इस संदर्भ में यह कहावत प्रचलित है "घर की लक्ष्मी घर होनु।"

56 भोग के साथ स्नेह मिलन

दीपावली के अगले दिन पड़वा को लोग अपने रिश्तेदार और मित्रों के घर मिलने जाते हैं। इस स्नेह मिलन पर लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएं और सदिच्छा देते हैं। बड़ों का आशीर्वाद लेने की भी परम्परा है। इसे राजस्थान में राम-राम कहते हैं। आजकल शहरों में सामूहिक मिलनी की प्रथा शुरू हो गई है। प्रतिपदा के दिन दुकान पर नये बहीखाते की पूजा होती है। इसी दिन कई जगहों पर अन्नकूट का 56 भोग का प्रसाद लगाते हैं। राजस्थान में नाथद्वारा मंदिर का अन्नकूट प्रसिद्ध है।

भाईदूज का भी आयोजन

प्रतिपदा के दूसरे दिन भैयादूज कहीं-कहीं स्थानों पर मनाते हैं। बहन अपने भाई की तिलक और अक्षत लगाकर आरती करती है। भाई उपहार स्वरूप भेंट वस्तु देता है। यह भी रक्षाबंधन की तरह ही भाई-बहन के प्रेम का पर्व ही है। बस इसमें और रक्षाबंधन में अन्तर है तो इतना कि रक्षाबंधन में बहन भाई के यहाँ जाकर उसे राखी बाँधती है, वहीं इस पर्व पर बहन भाई को अपने यहाँ बुलाकर भोजन करवाकर उसे तिलक लगाती है।

तुलसी विवाह से छटे दिन समापन

राजस्थानी संस्कृति में "तुलसी" को अत्यधिक महत्व दिया गया है। इसके अन्तर्गत हर घर में तुलसी का पौधा होना अनिवार्य माना गया है। सम्भवतः इसके वैज्ञानिक महत्व को देखते हुए ही इसे तुलसी विवाह के पर्व के रूप में मनाया जाता है। दीपावली के पश्चात् कार्तिक कृष्ण एकादशी तक राजस्थान में दीपक जलाने की परम्परा है और इसकी समाप्ति एकादशी पर तुलसी विवाह के साथ होती है। वैसे जिस तरह रक्षाबंधन पर्व के अन्तर्गत पूर्णिमा से जन्माष्टमी तक राखी बाँधी जा सकती है, ठीक उसी तरह तुलसी विवाह भी एकादशी के पश्चात् पूर्णिमा तक भी किये जा सकते हैं।

दीपावली पर्व की खुशियों वैसे तो अपने आप में भी कम नहीं है। लेकिन यदि इसमें शामिल हो जाऐं कुछ अनूठी मिठाईयों की खुशबू और स्वाद तथा मेहमान नवाजी का अनूठा अंदाज, तो फिर क्या कहना? यही बता रही हैं, नागपुर की कुकिंग विशेषज्ञ पूनम राठी।

मो. 99700 57423

अपनी दीपावली को बनाऐं और भी लज्जतदार

काजू के तरबूज

सामग्री। 1 कप काजू पावडर, 1/4 कप शक्कर, 1 टेबल स्पून सीकी हुई बादाम, 1 टी स्पून ब्लेक करंट (मनुक्का), लाल और हरा कलर।

विधि। पैन में शक्कर ले डुबे उतना पानी डालकर 1 तार की चाशनी बनाये। काजू पावडर डाल के अच्छे से हिलाये। तीन हिस्से करें। एक हिस्से में लाल कलर, बादाम, मनुक्का डाल अच्छे से मिलाकर अलग रख दें। दूसरे भाग में हरा कलर डालकर अच्छे से मिलाये और अलग रखें। तीसरे भाग को सफेद ही रहने दें। इसे तरबूज का आकार दें। 5-6 घंटे बाद काटे, चाहें तो उपर से बरक लगायें।

काजू पिस्ता रोल

सामग्री। 1 कप काजु पावडर, 1/4 कप शक्कर थोड़ा पानी, चांदी बरक।

विधि। पानी शक्कर से मिलाये एक पैन में रखें, 1 तार की चाशनी बनाये, काजु पावडर डाल अच्छे से मिलाये, गोला बनाकर रोटी बेलें।

स्टफिंग। 1/3 कप पिस्ता पावडर, 1/2 टी स्पुन इलायची पावडर, 1 टी स्पुन पीसी शक्कर, 1 टेबलस्पुन काजू पावडर, हरा कलर, थोड़ा सा दूध। सभी सामग्री को अच्छे से मिक्स कर गोला तैयार करे। पतला रोल तैयार करें। काजू रोटी के बीच रख रोज करें। उपर से चांदी बरक लगाकर प्लास्टिक में लपेट कर रखें। 1-1 इंच के टुकड़े कर लें।

पूना मसाला

सामग्री। 3 टी स्पून केशरी सुपारी, 2 टी स्पून धनिया दाल, 2 टी स्पून बारीक जीरा, सौंफ, 2 टे स्पून लाल जिनतान की गोलियां, थोड़े से सिल्वर बॉल, सौंफ गोली टे स्पून।

विधि। उपरोक्त समाग्री अच्छी तरह मिलाकर बोतल में भर दीजिए, सुपारी तैयार।

काजू के स्ट्राबेरी

सामग्री। तैयार काजु पेस्ट, लाल कलर, हरा कलर, स्टफिंग के लिये तैयार पिस्ता पेस्ट या जलदारू के टुकड़े।

विधि। पेस्ट के दो हिस्से करें। एक में लाल रंग मिलायें। दूसरे में हरा कलर डालकर मिलाये, लाल कलर के गोलें तैयार कर स्ट्राबेरी का आकार दें। कांटा चम्मच से हल्के हाथ से निशान करें (गोदें) हरे कलर के काजु पेस्ट से पत्ती बनाकर चिपकायें व प्लेट में सजाकर सेट करें व सर्व करें।

बसंत कली

पिस्ता पेस्ट (मिश्रण)- सामग्री। 1/4 कप पिस्ता पावडर, 1/4 कप काजू पावडर, हरा कलर, मिल्क मेड।

विधि। सभी सामग्री को मिलाकर गोला तैयार करें।

पनीर पेस्ट- सामग्री। ताजा पनीर 200 ग्राम, 3 टे. स्पून पिसी शक्कर, 1/3 टी स्पून इलायची पावडर 1/4 टी स्पून वेनीला एसेंस।

विधि। पनीर को दबाकर पानी निकाल लें। मिक्सी में पीसे और सभी सामग्री डालकर गोला तैयार करें।

नारियल पेस्ट सामग्री। नारियल पेस्ट 1/2 कप नारियल किसा, 1/4 कप मिल्क मेड, 1/2 कप दूध, लेमन यलो कलर।

विधि। दूध उबालने रखें। 1/4 कप मिल्कमेड डालें व अच्छे से हिलायें। खोपरा किसकर डालकर हिलायें। जब दूध, नारियल, कढ़ाई छोड़ने लगे तब गैस बंद कर दें। थोड़ी देर ठंडा होने पर कलर डालें। सबसे पहले पिस्ता पेस्ट का गोला बनाये, उसके उपर पनीर पेस्ट की परत लगाये और अंत में नारियल पेस्ट की परत लगायें। सभी गोले इसी तरह तैयार करें। इस मिठाई को फ्रीज में ही रखना है।

बीकानेरी सौंफ

सामग्री। 2 कटोरी सौंफ, 4 टी स्पून उबलता पानी, थोड़ा सा चॉकलेट कलर, थोड़ा सा कत्था, 7 टी स्पून पीसी शक्कर, पाव टी स्पून सैक्रीन, 3-4 चम्मच पान मसाला परफ्यूम।

विधि। उबले पानी में शक्कर, सैक्रीन, कत्था डालकर इस मिश्रण को सौंफ पर डालिए। अच्छी तरह से मिलाकर धूप में 3-4 घंटे सुखाइए। बाद में धीमी आंच पर थोड़ी सी सेंकिए। ठंडी होने पर परफ्युम लगाइए।

उदयपुर में निराशा में खुशियों के दीप जलाता 'मुस्कान वरिष्ठ नागरिक क्लब'

वर्तमान दौर में अपनों की उपेक्षा और एकाकीपन ने बुजुर्गों की पूरी दुनिया ही विरान कर दी है। उनका जीवन मरुस्थल में दो बूंद जल को तलाशते प्यासे की तरह हो गई है। ऐसी स्थिति में अपनत्व की मधुरता व सेवा-सुश्रुषा देकर वरिष्ठों के चेहरे पर उनकी खोई हुई मुस्कुराहट लौटाने का प्रयास कर रहा है, उदयपुर का ''मुस्कान वरिष्ठ नागरिक क्लब'' और वह भी एकदम निःशुल्क।

भारत वर्ष की इस पावन धरा पर जहां माता-पिता की सेवा करने वाले श्रवण कुमार जैसे पुत्र पैदा हुए, आज उसी पावन भूमि में माँ-बाप, दादा-दादी के प्रति सम्मान निरंतर घटता जा रहा है। बुजुर्गों को परिवार की मुख्य धारा से साइडलाइन पर धकेला जा रहा है। आज का युवा भी कल का बुजुर्ग बनेगा, यदि इन्होंने अपने बुजुर्गों की उपेक्षा की तो इसी दर्द को उनको भी आगे जाकर झेलना पड़ेगा। अतः बुजुर्गों की सेवा करना युवा पीढ़ी की जिम्मेदारी ही नहीं अपितु यह स्वयं के भविष्य के लिए भी अच्छा है। नवंबर 2003 में ख्यात व्यवसायी व समाजसेवी श्रीकृष्ण गोपाल गट्टानी के मन में जब ऐसे ही विचार आए तो उन्होंने बुजुर्गों के हित में समर्पित भाव से कुछ प्रयास करने की सोच बनाई और यही सोच ''मुस्कान'' का उद्गम बन गई। परिणाम स्वरूप 19 नवंबर 2003 को के.जी. गट्टानी फाउंडेशन द्वारा ''मुस्कान क्लब'' का शुभारंभ किया गया।

घर की सी सभी व्यवस्थाऐं

मुस्कान क्लब की 21 सदस्यीय कार्यकारिणी है, जिसमें 7 महिला सदस्य हैं। वरिष्ठ डायरेक्टर की जिम्मेदारी श्रीमती कौशल्या गट्टानी संभाल रही हैं। वरिष्ठों की व्यवस्थाएं वे स्वयं देखती हैं। परिवार की पुत्रवधु श्रद्धा गट्टानी निरंतर सभी गतिविधियों में अपना सक्रिय योगदान दे रही हैं। मुस्कान क्लब का समय प्रातः 10 से सायं 6 बजे तक है। इसके पुस्तकालय में सभी विषयों की श्रेष्ठ पुस्तकें हैं। खेल-कूद का सामान भी उपलब्ध है। मनोरंजन के लिये टीवी देखने का प्रबंध है। दिन में आराम करने की समुचित व्यवस्था है। अनेक दैनिक समाचार पत्र तथा साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक पत्रिकाएं भी आती हैं। ऑडियो, वीडियो व्यवस्थाएं हैं। प्रत्येक शनिवार को विशेष आयोजन रखा जाता है, जिनमें वार्ता, भजन, प्रवचन, कवि सम्मेलन, मुशायरा, फिल्म शो, मेडिकल चेकअप, योग-प्राणायाम, भ्रमण आदि कार्यक्रम होते हैं। प्रति मास मुस्कान सदस्यों का जन्मदिन मनाया जाता है। बच्चों के गीत, संगीत, नाटक, फेंसी ड्रेस का आयोजन पोते-पोती दिवस के रूप में किया जाता है। मुस्कान क्लब में सभी त्योहार मिलकर मनाए जाते हैं, जिनमें स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, होली, राखी, ईद, दीपावली, वैशाखी, जन्माष्टमी, क्रिसमस आदि सभी धर्मों के पर्व शामिल हैं।

वरिष्ठों के लिये सबकुछ निःशुल्क

मुस्कान क्लब की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसकी समस्त सुविधाऐं निःशुल्क हैं। इसमें प्रवेश के लिये वरिष्ठों के लिये शुल्क नहीं है। अतः बिना गरीब-अमीर के भेद के हर कोई इसकी सदस्यता सेवा ले सकता है। इतना ही नहीं क्लब सदस्यों के लिये चाय आदि की व्यवस्था भी निःशुल्क ही की जाती है। इसे पारिवारिक स्वरूप प्रदान करने के लिये ''धर्म पुत्र'' व्यवस्था लागू की गई है। इसके अन्तर्गत क्लब के कुछ सदस्य ही अति वरिष्ठ सदस्यों के धर्मपुत्र बन उनकी जिम्मेदारी लेते हैं। इस जिम्मेदारी में उन्हें उनके घर से क्लब तक लाना ले जाना भी शामिल है। वरिष्ठजनों की अस्वस्थता अथवा किसी विपत्ति की सूचना मिलने पर तुरन्त व्यवस्था भी की जाती है। इस तरह क्लब में वरिष्ठों को न सिर्फ सुविधाऐं मिलती हैं, बल्कि अपनों का वह प्रेम भी जिसकी उन्हें कामना होती है। यही अपनत्व उनके निराशा भरे मन में आशा का संचार करता हुआ उन्हें स्वस्थ रहने में मददगार बना हुआ है। इन सभी व्यवस्थाओं में सम्पूर्ण गट्टाणी परिवार उनके साथ होता है, उनका अपना बनकर।

उपलब्धियों पर एक नजर

- उदयपुर में वरिष्ठ नागरिकों की मैराथन दौड़
- झीलों की महाआरती
- निर्धन बालकों के लिए निःशुल्क पुस्तकें, स्कूल यूनिफार्म वितरण
- पर्यावरण प्रबंधन हेतु समय-समय पर पौधारोपण
- ऑर्ट ऑफ लिविंग तथा ग्रेसफुल एजिंग के चार दिवसीय शिविर एवं वर्कशाप का आयोजन
- मुस्कान सदस्यों की सिंगापुर, मलेशिया, थाइलैंड देशों की विदेश यात्रा का सफल आयोजन
- 41 वरिष्ठजनों की दुबई यात्रा का सफल आयोजन।

लक्ष्मी और काल अर्थात् समय का गहन सम्बंध है। लक्ष्मी उन्हीं पर प्रसन्न होती हैं, जो समय को महत्व देते हैं। इसी महत्व को देखते हुए दीपावली पर होने वाली महालक्ष्मी की पूजन में पंचांग की भी पूजन की जाती है। लेकिन इस पूजन का महत्व तभी है, जब हम पंचांग देखकर इसका लाभ ले सकें। तो आइये जानें किस तरह और क्या-क्या जान सकते हैं, हम अपने पंचांग से?

कैसे देखें.... ? पंचांग

''पंञ्चांग'' शब्द का शाब्दिक अर्थ है, पाँच अंगों की जानकारी। काल गणना के पाँचों प्रमुख अंगों की जानकारी जो दे उसे ही पंचांग कहते हैं। इनमें प्रमुख पाँच अंग हैं, वर्ष, माह, वार, तिथि और नक्षत्र। वास्तव में देखा जाऐ तो स्थूल रूप से पंचांग की शुरूआत इन्हीं के लिये हुई थी, जो कलांतर से सतत शोध से और भी गहन व सुक्ष्म होता चला गया। वर्तमान में पंचांग ज्योतिष का आधार स्तम्भ है, जिसके आधार पर ही कोई भी ज्योतिषी फलकथन कहता है।

देश-शहर के बारे में विस्तृत जानकारी

सर्वप्रथम तो हम पंचांग से सम्बंधित शहर की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें उस शहर में सम्बंधित दिनं का दिनमान, सूर्योदय-सूर्योस्त का समय, चंद्रोदय-चंद्रास्त तथा खगौलिकीय जानकारी के लिये सम्बंधित शहर के अक्षांश व देशांश शामिल होते है। वर्तमान में पंचांग में देश के सभी प्रमुख शहरों के साथ ही लगभग सम्पूर्ण विश्व के प्रमुख शहरों के देशान्तर भी दिये होते हैं। इन देशान्तरों के द्वारा कुछ गणनाकर हम इन सभी शहरों के सम्बंध में भी यह सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

तिथि-वार आदि काल गणना

पंचांगों में ईसवी वर्ष के अनुसार दिनांकों के साथ लगभग उनके सामने ही उस दिनांक की तिथि भी अंकित होती है। उसके आगे सम्बंधित तिथि की समाप्ति का समय ज्योतिषिय कालगणना के अनुसार घटी-पल में और उसके आगे वर्तमान कालगणना पद्धति के अनुसार घंटा-मिनिट में भी दिया होता है। गत दिनांक की तिथि समाप्ति से उक्त दिनांक की तिथि समाप्ति तिथि तक सम्बंधित तिथि रहती है। अतः हम शुद्धतापूर्वक किसी भी दिनांक को किसी भी समय रहने वाली तिथि को ज्ञात कर सकते हैं। इस सारिणी में सम्बंधित दिनांक के वार के साथ ही नक्षत्र, योग, दिनमान, सूर्योदय-सूर्योस्त आदि जानकारी भी दी जाती है। वर्तमान में इसी सारणी में सम्बंधित दिवस के व्रत-त्यौहार की जानकारी भी अंकित की जाती है।

किसी भी कार्य का मुहूर्त

कहा जाता है कि सही समय पर किसी कार्य शुभारम्भ का अर्थ उसकी आधी सफलता है। इसीलिये हमारी संस्कृति में हर शुभकार्य के लिये मुहूर्त देखा जाता है। यह कार्य सामान्यतः ज्योतिषाचार्य ही करते आये हैं, लेकिन वर्तमान में पंचांगों से आम व्यक्ति भी आसानी से मुहूर्त ज्ञात कर सकता है। वर्तमान में जैसे उदाहरणार्थ उज्जैन से प्रकाशित श्री विक्रमादित्य पंचांग में प्रारम्भ के पृष्ठों में विभिन्न कार्यो के लिये मुहूर्त शुद्ध कर दिये होते हैं। अतः पाठक इनके द्वारा अपने इच्छित कार्य के लिये मुहूर्त को देख सकते है। इतना ही नहीं विवाह जैसे गहन अवसरों के लिये भी सामान्यतः घर बैठे मुहूर्त देखा जा सकता है। इसके लिये वर-वधू की चंद्र राशि के अनुसार विवाह मुहुर्त शुद्धता पूर्वक दिये जाते हैं। इनमें अतिश्रेष्ठ, पूजा योग्य (अर्थात् मध्यम) व नेष्ट (त्याज्य) का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। चौघड़िये भी सूर्योदय के अनुसार स्पष्ट किये जा सकते हैं।

ज्योतिष गणनाओं का आधार

ज्योतिष के विशेषज्ञ तिथि आदि की गणना वाले पृष्ठ के नीचे दी गई ग्रह स्थिति और लग्न मान से गणना कर जन्म कुण्डली आदि का निर्माण जैसे समस्त ज्योतिषिय कार्य कर सकते हैं। वैसे इसके लिये ज्योतिष की कम से कम सामान्य जानकारी होना आवश्यक है। फिर भी इसमें सूर्योदय-कालीन समस्त ग्रह स्पष्ट इस तरह किये जाते हैं कि इनसे बड़ी आसानी से सम्बंधित समय व शहर के अनुसार ग्रह स्पष्ट किये जा सकते हैं।

कई जानकारियों का खजाना

वर्तमान में पंचांग अत्यंत वृहद रूप ले चुके हैं। इनमें सूर्य व चंद्र ग्रहण की स्पष्ट स्थिति उसके ग्रहण काल के अनुसार तो दी ही जाती हैं, साथ ही देश आदि के लिये वर्षफल भी स्पष्ट होते हैं। इनके साथ जातक का सामान्य राशिफल भी स्पष्ट होता है। इसके साथ और भी कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ पंचांगकर्ता शामिल करते हैं। जैसे 'श्री विक्रमादित्य पंचांग' में अनिष्टकारी ग्रहों की शांति के उपाय, कुंडली मिलान, स्वप्न विचार, वैधव्य, विष कन्या तथा मांगलिक योग, व्यापार भविष्य आदि कई जानकारियाँ दी गई हैं।

घर में लाएगा सुख-समृद्धि शंख

न सिर्फ माता महालक्ष्मी की पूजा की अनिवार्य सामग्री में से ही एक है शंख, बल्कि सभी पूजा में शामिल होता ही है। कारण यही है कि इसे सुख-समृद्धि का कारक माना जाता है, धार्मिक तौर पर भी और वैज्ञानिक रूप से भी।

हिन्दू धर्म में पूजा स्थलपर शंख रखने की परंपरा है क्योंकि शंख को सनातन धर्म का प्रतीक माना जाता है। शंख निधि का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस मंगल चिह्न को घर के पूजास्थल में रखने से अरिष्टों एवं अनिष्टों का नाश होता है और सौभाग्य की वृद्धि होती है। स्वर्गलोक में अष्टसिद्धियों एवं नवनिधियों में शंख का महत्वपूर्ण स्थान है। हिन्दू धर्म में शंख का महत्त्व अनादि कालसे चला आ रहा है। शंख का हमारी पूजा से निकट का सम्बन्ध है। कहा जाता है कि शंख का स्पर्श पाकर जल गंगाजल के सदृश पवित्र हो जाता है। मन्दिर में शंख में जल भरकर भगवान की आरती की जाती है। आरती के बाद शंख का जलभक्तों पर छिड़का जाता है जिससे वे प्रसन्न होते है। जो भगवान कृष्ण को शंख में फूल, जल और अक्षत रखकर उन्हें अर्ध्य देता है, उसको अनन्त पुण्य की प्राप्ति होती है।

क्यों है पूजा का अनिवार्य अंग

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, शंख चंद्रमा और सूर्य के समान ही देवस्वरूप है। इसके मध्य में वरुण, पृष्ठ भाग में ब्रह्मा और अग्र भाग में गंगा और सरस्वती का निवास है। शंख से शिवलिंग, कृष्ण या लक्ष्मी विग्रह पर जलया पंचामृत अभिषेक करने पर देवता प्रसन्न होते हैं। कल्याणकारी शंख दैनिक जीवन में दिनचर्या को कुछ समय के लिए विराम देकर मौन रूप से देव अर्चना के लिए प्रेरित करता है। यह भारतीय संस्कृति की धरोहर है। कोई भी पूजा, हवन, यज्ञ आदि शंख के उपयोग के बिना पूर्ण नहीं माना जाता है। कुछ गुह्य साधनाओं में इसकी अनिवार्यता होती है। शंख साधक को उसकी इच्छित मनोकामना पूर्ण करने में सहायक होते है तथा जीवन को सुखमय बनाते है। शंख को विजय, समृद्धि, सुख, यश, कीर्ति तथा लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। वैदिक अनुष्ठानों एवं तांत्रिक क्रियाओं में भी विभिन्न प्रकार के शंखों का प्रयोग किया जाता है।

अनमोल रत्नों में से एक

पौराणिक कथानुसार समुद्र मंथन के समय देव- दानव युद्ध के पूर्व समुद्र मंथन से 14 अनमोलरत्नों की प्राप्ति हुई। जिनमें आठवें रत्न के रूप में शंखों का जन्म हुआ। पूर्व जिनमें सर्वप्रथम पूजित देव गणेश के आकर के गणेश शंख का प्रादुर्भाव हुआ जिसे गणेश शंख कहा जाता है। इसे प्रकृति का चमत्कार कहें या गणेश जी की कृपा कि इसकी आकृति और शक्ति हू-ब-हू गणेश जी जैसी है। गणेश शंख प्रकृति का मनुष्य के लिए अनूठा उपहार है। निश्चित रूप से वे व्यक्ति परम सौभाग्यशाली होते हैं जिनके पास या घर में गणेश शंख का पूजन दर्शन होता है। भगवान गणेश सर्वप्रथम पूजित देवता हैं। गणेश जी की कृपा से सभी प्रकार की विघ्न- बाधा और दरिद्रता दूर होती है।

कैलाशचन्द्र लढ़ा

लक्ष्मी पूजन में दक्षिणावर्ती शंख

शंख तीन प्रकार के होते हैं- दक्षिणावृत्ति शंख, मध्यावृत्ति शंख तथा वामावृत्ति शंख। जो शंख दाहिने हाथ से पकड़ा जाता है, वह दक्षिणावृत्ति शंख कहलाता है। जिस शंख का मुँह बीच में खुलता है, वह मध्यावृत्ति शंख होता है तथा जो शंख बायें हाथ से पकड़ा जाता है, वह वामावृत्ति शंख कहलाता है।

मध्यावृत्ति एवं दक्षिणावृति शंख सहज रूप से उपलब्ध नहीं होते हैं। इनकी दुर्लभता एवं चमत्कारिक गुणों के कारण ये अधिक मूल्यवान होते हैं। इनके अलावा लक्ष्मी शंख, गोमुखी शंख, कामधेनु शंख, विष्णु शंख, देव शंख, चक्र शंख, पौंड्र शंख, सुघोष शंख, गरुड़ शंख, मणिपुष्पक शंख, राक्षस शंख, शनि शंख, राहु शंख, केतु शंख, शेषनाग शंख, कच्छप शंख आदि प्रकार के होते हैं। हिन्दुओं के 33 करोड़ देवता हैं। सबके अपने- अपने शंख हैं। देव-असुर संग्राम में अनेक तरह के शंख निकले, इनमे कई सिर्फ॰ पूजन के लिए होते हैं।

दक्षिणावर्ती शंख का उपयोग लक्ष्मी प्राप्ति के लिए किया जाता है। इसके साथ श्री गणेश शंख का पूजन जीवन के सभी क्षेत्रों की उन्नति और विघ्न बाधा की शांति हेतु किया जाता है। इसकी पूजा से सकलमनोरथ सिद्ध होते है। गणेश शंख आसानी से नहीं मिलने के कारण दुर्लभ होता है। सौभाग्य उदय होने पर ही इसकी प्राप्ति होती है। शंख के पूजन से आर्थिक, व्यापारिक और पारिवारिक समस्याओं से मुक्ति प्राप्त होती है। वैसे श्री यंत्र की भांति आकृति के महालक्ष्मी शंख का भी उल्लेख होता है। इसे प्राकृतिक श्री यंत्र भी माना जाता है। जिस घर में इसकी पूजा विधि विधान से होती है वहाँ स्वयं लक्ष्मी जी का वाश होता है। इसकी आवाज सुरीली होती है। विद्या की देवी सरस्वती भी शंख धारण करती है। वे स्वयं वीणा शंख कि पूजा करती है। माना जाता है कि इसकी पूजा व इसके जल को पीने से मंद बुद्धि व्यक्ति भी ज्ञानी हो जाता है। लेकिन ऐसा शंख अत्यंत दुर्लभ है।

यादों के अमिट दीप जला गये
स्व. श्री दिनेश सोमानी

कहते हैं कि इन्सान तो बिछड़ जाते हैं, लेकिन यदि उनके योगदान कुछ खास हैं, तो उनकी यादें कभी नहीं मिटती। ऐसी ही एक विभूति थे, इन्दौर निवासी स्व. श्री दिनेश बाहेती, जिन्हें न तो इन्दौर का व्यापार जगत भूल सकता है और न ही समाज।

श्री मशीनरी एवं टूल्स एसोसिएशन के आधार स्तम्भ रहे स्व. श्री दिनेश सोमानी का जन्म आज से 55 वर्ष पूर्व जावर जिला सीहोर के एक साधारण परिवार में श्री मांगीलाल सोमानी रतलाम वालों के यहां हुआ। प्रारंभिक शिक्षा भी रतलाम में ही हुई। आप लगभग 13-14 वर्ष की आयु में रोजी-रोटी की तलाश में इन्दौर आ गए। फिर यहीं पर आपने काम सीखा एवं जमीन से आसमान तक का सफर तय किया।

कठोर मेहनत से शुरूआत

व्यापार में मेहनत और ईमानदारी के बल पर स्व. श्री सोमानी ने अपनी पहचान बनाई। वे स्कूटर पर 200-250 कि.मी. प्रतिदिन टूर किया करते थे। कर्मयोगी स्व. श्री सोमानी ने अपने छोटे भाई कमलेश सोमानी को साथ लेकर चारों दिशाओं के व्यापारियों में अपनी साख एवं पेठ जमाई और अपने व्यापार को अच्छे मुकाम पर ला खड़ा किया। शहर के कई सम्पन्न व्यापारीगण भी श्री सोमानी का लोहा मानते थे। वर्तमान में छोटे भाई कमलेश, दो बेटे गौरव एवं सौरभ सोमानी तथा पोते आरूष (राधे) सोमानी व्यवसाय को सफलतापूर्वक सम्भाल रहे हैं।

कई संस्थाओं से सम्बद्ध

स्व. श्री सोमानी "श्री मशीनरी एवं टूल्स व्यापारी एसोसिएशन" में सक्रिय होकर विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे। साथ-साथ शहर की कई संस्था जैसे श्री माहेश्वरी नागौर साख पंचायत इन्दौर में मंत्री पद पर भी काम किया। मालवा चेम्बर ऑफ कॉमर्स इन्दौर एवं अहिल्या चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स इन्दौर के संस्थापक सदस्य भी रहे हैं। इस संस्था में कार्यरत होते हुए उन्होंने व्यापारियों के हित में कई हड़ताल एवं आंदोलन किये जिससे व्यापारियों की समस्याओं का निदान हुआ।

समाज सेवा में सदैव रहे समर्पित

इन्दौर शहर के दिल "न्यू सियागंज इन्दौर" की बसावट में आपका योगदान सराहनीय एवं अभूतपूर्व है। आपके अथक प्रयासों से संस्था को यहाँ लगभग 1300 स्के. फीट का सभाग्रह प्राप्त हुआ। स्व. श्री सोमानी अत्यंत दूरदर्शी एवं एक स्पष्ट वक्ता थे। अपने विचारों को प्रकट करने में उन्होंने कभी संकोच नहीं किया। वे जी हजुरी एवं चापलूसी से कोसों दूर थे। मानव सेवा ही प्रभु सेवा है, इस सूक्ति को ध्यान में रखकर उन्होंने मुक्त हस्त से बिना किसी प्रचार-प्रसार के जरूरतमंदों को सदैव सहयोग दिया। धार्मिक, सामाजिक एवं मूक प्राणियों की सेवा में उनका सहयोग सराहनीय था।

।। जय महेश ।।

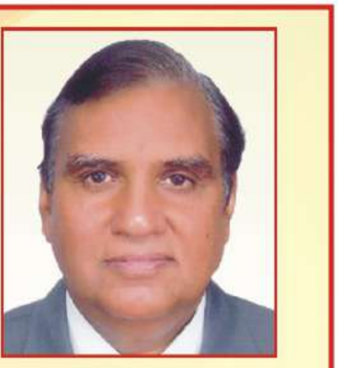

दीपावली के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएं

रतनलाल नौलखा
उपसभापति (पश्चिमांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

NITIN
NITIN SPINNERS LIMITED
World Class Textile Solutions

16-17 Km. Stone, Chittor Road, Hamirgarh - 311025, Dist. Bhilwara (Raj.) India
Ph. : 91-1485-286110-113, Fax : 91-1482-286117
e-mail : nsl@nitinspinners.com, webside : www.nitinspinners.com

गृहलक्ष्मी के आगमन का मार्ग बनेगी माहेश्वरी मेलापक 8

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' द्वारा प्रकाशित वैवाहिक डायरेक्ट्री "श्री माहेश्वरी मेलापक" श्रेष्ठ रिश्तों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। यदि आप भी नववधू के रूप में चाहते हैं, "गृहलक्ष्मी" का आगमन तो शीघ्रता करें, "श्री माहेश्वरी मेलापक-8" प्रकाशन की ओर है।

गत 6 वर्षों से 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' द्वारा अपने सेवा प्रकल्प के रूप में वैवाहिक डायरेक्ट्री "श्री माहेश्वरी मेलापक" का सफलतापूर्वक प्रकाशन किया जा रहा है। इस शृंखला में गत दो वर्षो से पाठकों की मांग पर इसका प्रकाशन अर्द्धवार्षिक रूप से वर्ष में दो बार हो रहा है। इस तरह इसके अभी तक 7 अंकों का प्रकाशन हुआ है और इनके माध्यम से यह लिख चुकी है, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हजारों सफल रिश्ते जोड़ने की कहानी इसी शृंखला में "श्री माहेश्वरी मेलापक-8" का प्रकाशन भी शीघ्र ही होने जा रहा है।

और भी अधिक आकर्षक कलेवर

वैवाहिक डायरेक्ट्री श्री माहेश्वरी मेलापक का प्रकाशन बहुरंगी व अत्यंत आकर्षक कलेवर में होता है। उत्कृष्ट डिजाईनर्स द्वारा डिजाईन कर इसे आकर्षक स्वरूप दिया जाता है। यही कारण है कि इसे सराहे बिना कोई नहीं रहता। इसके साथ अथक प्रयत्नों से तैयार इसकी तथ्य परक जानकारियों को विभिन्न वर्गों में इस तरह वर्गीकृत किया जाता है कि जिससे कोई भी रिश्ता तलाशना होता है, चुटकियों का खेल। विभिन्न वर्गो के लिये भिन्न-भिन्न रंग के पेज तक निर्धारित होते हैं, जिससे उस वर्ग विशेष पर पहुंचने में अधिक पृष्ठ पलटाने की जरूरत ही नहीं होती।

बेटियों के लिये नि:शुल्क पंजीयन

लम्बे समय से "श्री माहेश्वरी मेलापक" द्वारा सतत रूप से "आपकी बेटी हमारी बेटी" योजना संचालित की जा रही है। इसका लक्ष्य समाज की समस्त बेटियों को अपनी बेटी की तरह स्नेह प्रदान करना ही है। अतः इस योजना के अन्तर्गत समाज की विवाह योग्य बेटियों के बॉयोडाटा का हो रहा है, निःशुल्क पंजीयन। उन्हें इस डायरेक्ट्री में अपने बॉयोडाटा प्रकाशन के लिये कोई पंजीयन शुल्क नहीं चुकाना है। बस इसके लिये उनके पूर्ण रूप से भरे हुए पंजीयन फार्म प्रेषित करना ही पर्याप्त है। अधूरी या गलत जानकारियों की स्थिति में बॉयोडाटा का प्रकाशन नहीं किया जा सकेगा।

कैसे करवाऐं पंजीयन

'श्री माहेश्वरी मेलापक' में डायरेक्ट्री सहित पंजीयन के लिये शुल्क 500/- रुपये देय है। बालिकाओं को कोई पंजीयन शुल्क देय नहीं है। डायरेक्ट्री मंगवाने के लिये उन्हें उसके मूल्य 500/-रुपये का भुगतान करना पड़ेगा। इस शुल्क को स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के खाता क्रमांक- 31725815057 'श्री माहेश्वरी मेलापक' IFSC Code-SBIN-0030062 में जमा कर जमापर्ची की छायाप्रति कार्यालय को पूर्ण भरे हुए बॉयोडाटा फार्म के साथ प्रेषित करनी होगी।

सम्पर्क- 90, विद्या नगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे,
साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष - 0734-2526561, 2526761,
मो. 94250-91161,
ई-मेल : srimaheshwarimelapak@gmail.com

बुकिंग के लिए सम्पर्क करें

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री विक्रमादित्य पञ्चाङ्ग

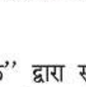

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान

कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

सम्पर्क - 90, विद्या नगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526761, मो. 094250-91161

दीपावली के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री महेश बचत एवं साख समिति

भीलवाड़ा (राज.)

शान्तिलाल डाड़
संयोजक
094141-12809

दिनेश कुमार काबरा
अध्यक्ष
094130-53315

जगदीश ईनानी
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
099291-06763

मुकेश काबरा
सचिव
098291-09591

रामनिवास लढ़ा
कोषाध्यक्ष
094143-72095

चन्द्रकान्त बाहेती
उपाध्यक्ष
094610-39230

आनन्द बाहेती
उपाध्यक्ष
094143-72310

राकेश सोमानी
वित्तीय सलाहकार
094140-19412

भैरूलाल कचौलिया
संयुक्त मंत्री
098281-34383

धीरज काबरा
संगठन मंत्री
094608-17438

मनोज दरक
प्रचार मंत्री
094142-84278

दिलीप तोषनीवाल
कार्यकारिणी सदस्य
098290-67157

रामेश्वर सोमानी
कार्यकारिणी सदस्य
097991-41881

सुनील बांगड़
कार्यकारिणी सदस्य
098291-61285

बद्रीप्रसाद सोमानी
कार्यकारिणी सदस्य
094133-56377

अशोक बांगड़
कार्यकारिणी सदस्य
098286-79901

मुकेश मालीवाल
कार्यकारिणी सदस्य
094149-23013

मनोज सोनी
कार्यकारिणी सदस्य
098290-59607

रमेश लढ़ा
कार्यकारिणी सदस्य
096802-12001

शिव लाहोटी
कार्यकारिणी सदस्य
092149-10800

आप करेंगे फैसला ... कौन होंगे ?

माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2015

वर्ष 2015 अपनी समाप्ति की ओर है और हम वर्ष 2016 के स्वागत की तैयारी में जुट चुके हैं। ऐसे में ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' समाज की उन विभूतियों को नववर्ष में ''माहेश्वरी ऑफ ईयर-2015'' से सम्मानित करेगी, जिन्होंने किसी भी स्तर पर अपना विशिष्ट योगदान दिया है। यह सम्मान वास्तव में ऐसी विभूतियों की सेवाओं का सम्मान तो है ही, साथ ही इस अवसर पर श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित होने वाली उनकी सफलता की कहानी समाज की नई पीढ़ी को कुछ नया और कुछ हटकर करने की प्रेरणा भी देगी, जिस पर समाज व राष्ट्र गर्व कर सके।

विभिन्न क्षेत्रों के लिये अलग-अलग सम्मान

''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' के प्रकाशन के साथ ही अवार्ड ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' की गरिमामय शुरूआत भी हुई थी। लगभग 10 वर्षों की सफलता की इस यात्रा में ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' समाज की कई शीर्षस्थ हस्तियों को इस सम्मान से सम्मानित कर चुकी है। इसके अन्तर्गत प्रतिवर्ष एक ही विभूति को सम्मानित किया जाता था। इससे कई सेवा क्षेत्र की विभूतियाँ सम्मानित होने से वंचित रह जाती थीं। अतः प्रबुद्धजनों के परामर्शानुसार गत दो वर्ष से इसके स्वरूप को और भी वृहद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पृथक-पृथक रूप से ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' सम्मान दिया जाने लगा।

समाज की विशिष्ट विभूतियों को ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' सम्मान से सम्मानित करना श्री माहेश्वरी टाईम्स की अपनी गौरवशाली परम्परा है। इसी श्रृंखला में इस बार भी समाजसेवा, उद्योग, व्यवसाय, शिक्षा, खेल या प्रशासनिक सेवा आदि क्षेत्रों से समाज की शीर्ष विभूतियों को ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2015'' से नवाजा जाऐगा। कौन होंगे इसका फैसला प्रबुद्ध पाठक व चयन समिति करेगी।

आपका मत निभाऐगा महत्वपूर्ण भूमिका

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' अपनी परम्परानुसार पाठकों से इस सम्मान के लिये उनका मत आमंत्रित करती है। यदि आप समाज की किसी भी ऐसी हस्ति को जानते हैं, जिन्होंने किसी भी कार्य क्षेत्र में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों से समाज को गौरवान्वित किया है, तो उनके नाम का प्रस्ताव संक्षिप्त जानकारी व सम्पर्क नं. के साथ प्रेषित करें। अपना यह प्रस्ताव आप ईमेल द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं। चयन समिति ऐसी विभूतियों में से ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2015'' अवार्ड के लिये प्रत्याशियों का चयन करेगी। अतः इसमें निर्णायक के रूप में अधिकांश दरोमदार होगा, समाज के उन प्रबुद्ध पाठकों का जिनके मत हमें प्राप्त होंगे। डाक अथवा ईमेल में सबसे ऊपर ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2015'' लिखना न भूलें।

सम्पर्क- 90, विद्या नगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.),
दूरभाष - 0734-2526561, 2526761, मो. 94250-91161, ई-मेल : smt4news@gmail.com.

दीपावली के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को

Manju Baldwa
94134 85094

हार्दिक बधाई
एवं
शुभकामनाएँ

K.G. Baldwa
94602 02943

SMART KIDS INTERNATIONAL SCHOOL
Babadham, Bhilwara (Raj.)

आपणी बोली — *स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर*

बादशाह और महाराणी

खम्मा घणी सा हुक्म आप एक किस्सों सुणियों हुवैला कि कोई अंग्रेज एक भारतीय ने पुछियो- तुम इंडिया वाले महिलाओं से हाथ क्यों नहीं मिलाते? इण बात रो जवाब भारतीय वापस सवालकरने दियो कि 'क्या ब्रिटेन में आपकी महारानी से हर कोई हाथ मिला सकता है? अंग्रेज जवाब दियो- नहीं। भारतीय बोलियों- बस यही बात है हमारे यहाँ हर नारी महारानी है। हुक्म आप भले ही इण बात ने मज़ाक समझो पर कई बार मज़ाक में भी बहुत गहरा अर्थ छुपयोड़ा रहवे। आपाणे अठे मंत्री हो या नेता अफसर हो या कार्यकर्ता। व्यापारी हो या उद्योगपति वाणे घर री राणी तो वाणी बीवी ही हुवे। आजाद भारत में हर वित्तमंत्री ने भी यां ही केवतो सुणाला कि म्हे देश रो बजट बणावा पर घर रो बजट परिवार री एचएम् यानी घरवाली ही बणावें। एक समझदार पति अपणे घर री जिम्मेदारी आपरी घरवाली देने खुद बेफिक्र रहवे। जो पति इण बात ने अमलकरे वाणी पत्नियां भी समझदार हुवे वे आपरे पति ने नौकर बणावण री बजाय बादशाह बणानी पसन्द करे क्योंकि नौकर पति बनावे तो वे नौकरानी पर पति बादशाह तो वह महारानी अपने आप बण जावेगी।

आपाणे भारत में हुक्म पति पत्नी रो रिश्तों मज़ेदार है दोनों दिन में दस बार मगजमारी करे लड़े पर शाम हुते हुते सुलह कर ले और हुक्म सुबह होते ही फेर मगजमारी चालू हूँ जावे और फिर दोना के बिच और यूँ करता करता सिल्वर जुबली मना लेवे।

सही में हुक्म दूसरा देशा में लुगाया दस बीस पति करने भी अंत में वाणों कोई साथी नहीं रहवे। पर भारत री हिन्दू संस्कृति में एक विवाह रीति ने सलाम करां कि अंत समय में पति और पत्नी एक दूजे रे सुख दुःख ने मिलने पार लगावे और यां ही जीवन रो सार है कि-

पति बादशाह और पत्नी
जीण घर में महाराणी है,
उन्हीं घर में बरकत रहवे
या बात समझ जाणी है ।।

व्यंग्य का हुड़दंग

हेमन्त श्रीमाल
98268-13368

अगर जरूरत पड़ी तो...!

"दादा !
मेरी समझ में यह नहीं आता है
कि हमारा अभूतपूर्व शहजादा
चोरी-चोरी चुपके-चुपके
बार-बार
देश से बाहर क्यों भाग जाता है ?"

"बेटा छोटू !
तू सोचता होगा
कि ऐन चुनाव के समय
वह
इतनी बड़ी-बड़ी रेलियाँ और महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम
आखिर
क्यों मिस कर रहा था
लेकिन
मुझे तो लगता है
वह समझदार है
बढ़ती हुई 'असहिष्णुता'
और 'बदले की राजनीति' देखकर
दरअसल बेचारा
देश से बाहर भागने की प्रेक्टिस कर रहा था।"

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- इस माह आपकी मांगलिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नये कार्य प्रारंभ करेंगे, शुभ समाचार प्राप्त होंगे। राजनीति में प्रतिष्ठा बढ़ेगी, कोर्ट केस में सफलता मिलेगी, प्रेम प्रसंगों की ओर रुझान रहेगा। घर परिवार के साथ मौज-मस्ती का समय व्यतीत होगा, धन का लेन-देन न करें। नये मेहमान का आगमन होगा, नौकरी में प्रमोशन मिलेगा। सम्पत्ति विवाद हल होंगे, मन की हर इच्छा पूर्ण होगी, आपकी योग्यता और प्रतिभा का सब सम्मान करेंगे।

वृषभ- यह माह आपके लिये संतोषदायक रहेगा, आपके काम की प्रशंसा होगी। राजनीतिक सम्पर्क का लाभ मिलेगा। शादी समारोह में व्यस्तता बनी रहेगी, नौकरी में पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। यश प्रतिष्ठा मिलेगी, मित्र सहयोग करेंगे। प्रेम प्रसंगों में सफलता, शुभ समाचार मिलेंगे। नई-नई योजनाओं पर कार्य करेंगे। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें। राजकीय कार्यों में सफलता प्राप्त होगी, घर के लिये साज-सज्जा का सामान खरीदेंगे। माता से वैचारिक मतांतर रहेंगे।

मिथुन- यह माह आपके लिये आनंद दायक और प्रसन्नता के साथ व्यतीत होगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे, नौकरी में प्रमोशन के योग, वाणी पर नियंत्रण रखें। मीडिया एवं टेलीविजन के लोगों से लाभ मिलेगा। व्यवसाय में लोकप्रियता एवं प्रतिष्ठा मिलेगी। जीवन साथी से पूरा सहयोग मिलेगा। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेंगे, विवाह उत्सव में व्यस्तता बनी रहेगी। खर्च अधिक होगा, कोई खुशखबरी मिलेगी, स्वास्थ्य पर भी ध्यान देवें।

कर्क- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। त्योहार की खरीददारी, दोस्तों एवं परिवार के साथ मौज-मस्ती में समय व्यतीत करेंगे। विद्यार्थी वर्ग पढ़ाई पर ध्यान देवे, शुभ समाचार प्राप्त होंगे। विरोधी परास्त, धार्मिक एवं आध्यात्मिक में रुचि बढ़ेगी। परिवार में तनाव तथा मतभेद दूर होंगे, विपरीत योनी की ओर रुझान बढ़ेगा, पुरस्कार प्राप्ति के सुअवसर मिलेंगे। अधिकारी से नोक-झोंक हो सकती है। रुके कार्य पूरे होंगे, जीवन साथी से आपसी सामंजस्य बना रहेगा।

सिंह- यह माह आपको उच्च शिक्षा तथा कॅरियर की ओर ध्यान दिलाएगा। गुरुजन का आशीर्वाद मिलेगा, संतान से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। मित्रों से सहयोग मिलेगा, परिवार, बच्चों पर खुलकर खर्चा करेंगे। माता-पिता के प्रति विशेष श्रद्धा रहेगी। प्रमोशन होगा, वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि रखेंगे, विवाह प्रस्ताव आएंगे। घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनाएंगे। ससुराल में आवभगत एवं मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या- इस माह आपकी धन सम्पदा में वृद्धि होगी। नया काम शुरु करेंगे, रुका पैसा मिलेगा। बच्चों के कारण खर्च बढ़ेगा, वैवाहिक जीवन में कुछ वैचारिक मतान्तर रहेंगे, न्यायालयीन प्रकरण में सफलता मिलेगी। घूमने-फिरने का कार्यक्रम बनेगा। मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। दान-पुण्य में सजग रहेंगे, लेखन कला की ओर रुझान बढ़ेगा। जिंदगी के प्रति सकारात्मक सोच परिवार के लिये सहायक होगी। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे, सम्पत्ति में वृद्धि के योग रहेंगे।

तुला- यह माह आपके लिये सामान्य व्यतीत होगा। स्वास्थ के प्रति सजग रहेंगे। प्रमोशन मिलेगा, नई वस्तुएं खरीदेंगे, यात्रा होगी। विरोधी परास्त होंगे, परिवार बच्चों में समय व्यतीत होगा। विपरीत योनी की ओर आकर्षण बढ़ेगा। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बनेंगे। विद्यार्थियों को मन चाही सफलता मिलेगी। भौतिक सुख, ऐश्वर्य में वृद्धि, भूमि मकान खरीदेंगे। मनोरंजन घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनेगा, खर्च अधिक होगा।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी, नौकरी में पद प्रतिष्ठा की प्राप्ति, राजनीति में आगे बढ़ेंगे। राजकीय लाभ होगा, युवा वर्ग में उत्साह बना रहेगा। लंबी यात्रा होगी, मन चाही सफलता, वर्चस्व बढ़ेगा। जीवन साथी से आपसी सामंजस्य बना रहेगा, वाहनों से दूर रहें। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। फैशन आप पर हावी रहेगा, साझेदारी से लाभ मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे, चिंताओं से मुक्ति मिलेगी।

धनु- यह माह आपके लिये शांति पूर्ण रहेगा। आपके कार्यों की सराहना होगी, यश, कीर्ति, ख्याति मिलेगी। अति उत्साह, जोश, ऊर्जा से कार्य सम्पन्न करेंगे। शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट कचहरी संबंधी मामलों में सफलता मिलेगी। बाहरी यात्रा होगी। शुभ समाचार व धन की प्राप्ति, नये लोगों से सम्पर्क बनेगा। विवाह समारोह, संगीत, खानपान का मजा उठाएंगे। नौकरी में उच्च अधिकारी आपकी मदद करेंगे। राजकीय कार्यों में सफलता, राजनीति में वर्चस्व बढ़ेगा। बच्चों की ओर से प्रसन्नता प्राप्त होगी। अचानक लाभदायक सूचना प्राप्त होगी।

मकर- यह माह आपके लिये शुभदायक रहेगा। सम्पत्ति विवाद हल होंगे। गलतफहमियों का निराकरण होगा, व्यापार में मजबूत स्थिति बनेगी। जीवन साथी से सम्बंध में मधुरता बढ़ेगी, त्यौहारों की खरीददारी व भाग-दौड़ में व्यस्तता बनी रहेगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा, नौकरी में पद प्रतिष्ठा प्राप्ति की संभावना रहेगी। नये मेहमान का आगमन होगा। उच्च विचारों की ओर झुकाव रहेगा, शुभ समाचार मिलेंगे। किसी पर भी भरोसा न करें, धोखा मिल सकता है।

कुंभ- इस माह में आपको कोई अमूल्य वस्तु प्राप्त होगी। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी, रुके कार्य पूर्ण होंगे। नये वस्त्राभूषण, मोबाइल खरीदेंगे। घर परिवार में उत्साह-आनंद का माहौल रहेगा, मित्रों की मदद मिलेगी। धार्मिक यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय में लाभ के योग, विवाह आदि संबंध में रुकावट आएगी। माता-पिता को संतान की ओर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। नौकरी में प्रमोशन, बोनस मिलेगा। जीवन साथी से प्रेम बढ़ेगा। नये साल में कहीं घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनेगा।

मीन- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। परिवार में आपकी छवि निखरेगी, मौज-मस्ती, खान-पान में समय व्यतीत होगा। अविवाहितों के विवाह संबंध होंगे, संगीत, खेल, फिल्म, सिनेमा के शौकिन अपने शौक पूरे करेंगे। प्रेम प्रसंगों की ओर रुझान बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। विवाह उत्सव में सम्मिलित होंगे, कठिन परिश्रम से बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। धार्मिक-शुभ कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। आप परिवारजनों की हर मांग पूरी करेंगे। फाइनेंस के कागजों को सावधानी से पढ़ें, ऋण से बचें।

श्री युगलकिशोर राठी

विराटनगर (नेपाल)। ख्यात समाजसेवी श्री युगलकिशोर राठी का गत दिनों देहावसान हो गया। स्व. श्री राठी विराटनगर उप-महानगरपालिका के पार्षद रहे। नेपाल लायन्स क्लब ऑफ विराटनगर के आप संस्थापक सदस्य थे। नेपाल में सर्वप्रथम जैविक खाद का उत्पादन कर आप नेपाल सरकार द्वारा पुरस्कृत होने वाले प्रथम व्यक्ति थे। नेपाल माहेश्वरी सभा सहित अनगिनत समाजसेवी संस्थाओं से आप सम्बद्ध रहे।

श्रीमती मीनादेवी झंवर

कोलकाता। सामाजिक कार्यकर्ता जयकिशन झंवर की माता श्रीमती मीनादेवी झंवर का 92 वर्ष की अवस्था में गत 9 अक्टूबर को देहावसान हो गया। धार्मिक रूप से आपकी माँ गंगा और गौमाता में विशेष आस्था थी।

श्री गिरीराज नत्थाणी

नांदुरा। स्थानीय प्रतिष्ठित आशा टॉकीज के मालिक श्री गिरीराज नथ्थाणी का एक दुर्घटना में 51 वर्ष की अवस्था में असामयिक निधन हो गया। आप गोमाता की सेवा एवं सामाजिक कार्यों में सतत अग्रसर थे। आप अपने पीछे माता-पिता, दो भाई,पत्नी एवं दो पुत्रों सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती सोनीदेवी राठी

विराटनगर (नेपाल)। लम्बे समय से नेपाल में निवास कर रहे प्रतिष्ठित राठी परिवार की प्रेरणास्त्रोत श्रीमती सोनी देवी राठी का 92 वर्ष की उम्र में गत 28 सितम्बर 2015 को निधन हो गया। आप दिल्ली से महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य बृजमोहन राठी एवं विराटनगर निवासी व्यवसायी प्रकाश राठी, ओमप्रकाश राठी व आनन्दप्रकाश राठी की माता थीं। महासभा में नेपाल से कार्य समिति सदस्य रहे एवं वर्तमान का.का. मंडल सदस्य घनश्याम राठी की आप काकीजी थीं।

श्री नन्दलाल पटवारी

भीलवाड़ा। पुराना शहर निवासी समाज सदस्य रतनलाल पटवारी के पिता समाजसेवी श्री नन्दलाल पटवारी का स्वर्गवास गत माह हो गया। श्री पटवारी माहेश्वरी पंचायत के पंच धड़ा प्रमुख एवं बड़ा मन्दिर भीलवाड़ा के ट्रस्टी थे। आप अपने पीछे पाँच पुत्री एवं एक पुत्र सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्री गोवर्धन लाहोटी

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य व पूर्व उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन लाहोटी सुपुत्र स्व. श्री हरिकिशन लाहोटी का गत 22 अक्टूबर को देहावसान हो गया। स्थानीय समाज ने श्री लाहोटी के देहावसान पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री सेवाराम लखोटिया

पुणे। ख्यात समाजसेवी व हनुमान उपासक श्री सेवाराम लखोटिया का 88 वर्ष की अवस्था में गत 6 अक्टूबर को देहावसान हो गया। बताया जाता है कि आपने अंत समय के पूर्व भी हनुमान चालीसा का पाठ किया था। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।उल्लेखनीय है कि लखोटिया परिवार "एस आर ग्रुप" के नाम से प्रतिष्ठित व्यवसाय का संचालन करता है।

श्री महावीर प्रसाद झँवर

भीलवाड़ा। समाज सदस्य सत्यनारायण व कैलाश-चन्द्र झंवर के पिता श्री महावीर प्रसाद झंवर का स्वर्गवास गत 14 सितम्बर को हो गया। श्री झंवर एक समर्पित समाजसेवी व मिलनसा-व्यावहारिक व्यक्ति थे। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्री नारायणदास पनपालिया

अमरावती। स्थानीय समाजसेवी व पातालेश्वर मंदिर मांजरखेड़ अध्यक्ष श्री नारायणदास पनपालिया का 71 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे चार पुत्र गोपाल, किशोर, उमेश, प्रशांत व बेटी कल्पना आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं। स्व. श्री पनपालिया की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें लगभग 300 लोग शामिल हुए।

With Best Compliment's from

Jaju Sanitation

Dealers in- **Cp Bathroom Fittings, SS Kitchen Sinks.**

15-5-241/2, Osmanshahi, Gowliguda, Hyderabad - 500012, Ph. 040-24614314.
M. 9966500011, 9849999290, E-mail : jajusri@yahoo.com

इस दीपावली अपने घर स्वर्ण श्रीयंत्र स्थापित कर माँ लक्ष्मी का भव्य स्वागत करें और स्थायी आशीर्वाद पाए।

स्वर्ण श्रीयंत्र

पौराणिक शास्त्रों के अनुसार- आर्थिक उन्नति, व्यापार वृद्धि तथा भौतिक सुख-संपदा के लिए **श्रीयंत्र** से बढ़कर कोई यंत्र संसार में नहीं है। **श्रीयंत्र** में साक्षात् माँ लक्ष्मी निवास करती है। इसीलिए शास्त्रों में **श्रीयंत्र** को **यंत्रराज** अथवा **यंत्र शिरोमणि** भी कहा गया है। **वे परम भाग्यशाली हैं जिनके जीवन में श्रीयंत्र का साथ है। अथवा यूँ कहें कि जिनका भाग्योदय होना होता है उन्हे सहज ही श्रीयंत्र का साथ मिलता है।**

श्रीयंत्र ब्रम्हाण्ड से ब्रम्हाण्डीय उर्जा को आकर्षित करता है एवं निरंतर दिव्य ऊर्जा प्राप्त कर, अपने चारों ओर फैलाता रहता है। जो भी **श्रीयंत्र** के आभा मण्डल में आता है- उसे इसके दिव्य प्रभाव से शान्ति, स्वास्थ्य, सफलता एवं संपन्नता मिलने लगती है।**श्रीयंत्र** की जिस स्थान पर स्थापना की जाती है, वह उस स्थान को सकारात्मक ऊर्जा से भरकर, पवित्र करना शुरू कर देता है जिससे वास्तु, भूमि व गृह दोष भी दूर हो जाते हैं।

विभिन्न पौराणिक शास्त्रों के अध्ययन एवं अनेक श्रीविद्या गुरूओं से परामर्श के बाद **स्वर्ण श्रीयंत्र** को कुल पाँच धातुओं (24 कैरेट सोने की परत, चाँदी, ताँबा, जस्ता एवं निकल) से बनाया गया है। • सटीक संरचना • उपयुक्त वज़न • सकारात्मक धातु और रंग • अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता • बेहतरीन फिनिश की लकड़ी का आधार • पौराणिक शास्त्रों के साक्ष्य के आधार पर– इसे पूर्ण प्रमाणिक एवं आदर्श **श्रीयंत्र** बनाते हैं। **इसकी डिज़ाइन पेंटेंट ऑफिस द्वारा पंजीकृत है।**

•**रूद्रयामलम् ग्रंथ** के अनुसार **श्रीयंत्र** के दर्शनमात्र से सौ यज्ञ, 16 महादान, और 1.5 करोड़ तीर्थों में स्नान करने के पुण्यों की प्राप्ति होती है।

स्वर्ण श्रीयंत्र निम्न तीन आकार में उपलब्ध है-

मंगल कार्यो (जैसे-गृहप्रवेश, वास्तु पूजन, विवाह, नया व्यवसाय, जन्म, जनेऊ संस्कार आदि) का आरंभ **स्वर्ण श्रीयंत्र** की स्थापना व पूजन के साथ करने से श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त मिलते हैं।

उंचाई	उपयोग की न्यूनतम अनुशंसा-
छोटा (S)-81mm	पूजा गृह, स्टडी एवं आफिस टेबल तथा कारों, बसों एवं ट्रकों में स्थापित करने हेतु।
बड़ा (L)-108mm	3000 वर्गफुट से कम के घर, दुकान, ऑफिस, उद्योग आदि एवं वहाँ के लोगों को उर्जावान करने हेतु एवं आफिस के मुखिया की टेबल व कारों, बसों एवं ट्रकों पर स्थापित करने हेतु।
सबसे बड़ा (EL)-243mm	3000 वर्ग फुट से बड़े घर, दुकान, ऑफिस, उद्योग, मॉल, अस्पताल आदि एवं वहाँ के लोगों को उर्जावान करने हेतु।

•श्री दामोदर दास जी मूदड़ा, राजनांदगांव स्वर्ण श्रीयंत्र कि अनुशंसा करते है। उन्होने इसे स्थापित कर फायदा पाया है।

स्वर्ण श्रीयंत्र रखना शान की बात है। यह आध्यात्मिक उन्नति एवं सम्पन्नता का साक्षात् प्रतिक है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी **स्वर्ण श्रीयंत्र** कि आभा फोटोग्राफ एवं चक्रों के स्केन में यह प्रमाणित हो रहा है कि **स्वर्ण श्रीयंत्र** की उपस्थिति मात्र से मनुष्य का आभामंडल विकसित एवं सातों उर्जा चक्रों का आकार गोल व सुन्दर हो रहा है।**यह संबंधित व्यक्ति को स्वास्थ्य, लंबे जीवन, सुख, सौभाग्य एवं संपन्नता के परिणाम देता है।**

आर्डर मैनेजमेंट सेंटर- **स्वर्ण श्रीयंत्र**, 57-58, वर्धमान नगर, जी.ई. रोड, राजनांदगांव छत्तीसगढ़-491441 (भारत),
Phone-07744-402345, Web-www.shreeyantraindia.com
डीलर बनने हेत संपर्क करें- मंगल मो.- 094255 54299. Email-mangal@radiusindia.net

दीपावली के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

(Padmashree)
G. Bansilal Rathi
Ex. President,
A.B. Maheshwari Mahasabha

GBR Metals Private Ltd.

Manufacturers of M.S. Ingots & TMT Bars

Regd. Office-
#4, Ramanan Road, Chennai - 600 079
Ph. : 25292644, 25292151,
Fax : 2591095
E-mail : myco@eth.net

Factory-
#295, G.N.T. Road, Peravallur Village,
Ponneri - 601204 (T.N.)
Ph. : 27984719, 27984729,
Fax : 27984729

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015
Despatch Date - 02 November, 2015

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com